- सीजेआई ने कहा- तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट-12

- देश की प्रमुख आठ बुनियादी उद्योगो की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत-12

- बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली-13

- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर विचार किया था : रोहित-14

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

11.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.02

सूर्यास्त 05.18

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष तृतीया 12:13 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 303, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। य,वचह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को दी। अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिवों का पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन 26 से 28 दिसंबर तक दिल्ली में आयोजित किया जाएगा और यह केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट सहित कई अधिकारियों के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्रालयों के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर 7.15 प्रतिशत कर दी है। आवास ऋण देने वाली कंपनी ने कहा कि मकानों के लिए नए कर्ज की मंजूरी पर संशोधित ब्याज दरें अब 7.15 प्रतिशत से शुरू होंगी। नई दरें 22 दिसंबर से प्रभाव में आ गई हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि ऐसे समय में जब खरीदार अपने फैसलों पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार कर रहे हैं, इस कदम से घर खरीदने वालों का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर सुप्रीम रोक

शीर्ष कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि अतिक्रमण पर लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने उत्तराखंड में वन भूमि पर बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जे के आरोपों को लेकर सोमवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की।

पहाड़ी जिलों में संरक्षित वन भूमि पर अनधिकृत कब्जे से जुड़ा यह मामला अदालत की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची शामिल थे। पीठ ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी। साथ ही, वन विभाग को निर्देश दिया कि जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं हैं, वहां की सारी खाली वन भूमि अपने कब्जे में ली जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की कथित निष्क्रियता पर चिंता जताई और कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी हो गया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हमें यह देखकर हैरानी हो रही है कि उत्तराखंड राज्य और उसके अधिकारी आंखों के सामने वन भूमि पर कब्जा होते देख भी मूक दर्शक बने हुए हैं इसलिए हम इस मामले में स्वतः संज्ञान ले रहे हैं।'

न्यायालय ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक को निर्देश दिया कि वे एक तथ्य-जांच समिति गठित करें, जो जमीनी हालात का आकलन कर अतिक्रमण की सीमा और राज्य प्रशासन की कार्रवाई पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करे। स्थिति में कोई और बदलाव न हो, इसके लिए पीठ ने निजी पक्षों को वन भूमि पर किसी भी प्रकार के तीसरे पक्ष के अधिकार बनाने से रोक दिया और स्पष्ट किया कि अगले आदेश तक कोई निर्माण नहीं होगा।

- वन विभाग को निर्देश- जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं वहां की सारी खाली वन भूमि अपने कब्जे में ली जाए

अगली सुनवाई पांच जनवरी को निर्धारित

अदालत ने दोहराया कि रिहायशी मकानों को छोड़कर सारी खाली वन भूमि वन विभाग के कब्जे में ली जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई पांच जनवरी को न्यायालय के पुनः खुलने के बाद होगी। न्यायालय में 19 दिसंबर से 5 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां हैं। गौरतलब है कि उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध कब्जे का मुद्दा कई रिपोर्टों में सामने आता रहा है, खासकर संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में, जहां तेजी से शहरी विस्तार हो रहा है।

एयर इंडिया के विमान का एक इंजन हवा में बंद

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रहे एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान का एक इंजन सोमवार सुबह हवा मे बंद हो गया। इससे विमान को वापस दिल्ली लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 335 यात्री सवार थे। वहीं, डीजीसीए ने कहा है कि वह इस मामले की जांच करेगा।

- मुंबई जा रही उड़ान दिल्ली लौटी, दूसरे इंजन से इमरजेंसी लैंडिंग डीजीसीए करेगा जांच मांगी रिपोर्ट

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। सूत्रों ने बताया कि विमान दिल्ली लौटने से पहले करीब एक घंटे तक हवा में रहा। विमान को आपात स्थिति में उतारा गया। एयरलाइन ने इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के बाद 'फ्लैप' के दौरान दाहिने हाथ के इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम होने के कारण हवा में ही वापस लौटने का फैसला किया। 'फ्लैप' पंखों की क्षमता बढ़ाने वाला हिस्सा होता है, जिससे विमान कम रफ्तार पर भी संतुलित और सुरक्षित रहता है। इंजन ऑयल का दबाव शून्य पर आ गया था।

अल्मोड़ा में तैयार होगा बहुउद्देशीय आर्टिफिशियल टर्फ मैदान : धामी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: दो दिवसीय भ्रमण पर सोमवार को सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेमवती नन्दन बहुगुणा स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ करने के साथ कई घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि जनपद अल्मोड़ा में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जीआईसी ग्राउंड में हॉकी एवं फुटबॉल के लिए दिन एवं रात्रि उपयोग हेतु बहुउद्देशीय आर्टिफिशियल टर्फ मैदान का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छ व हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु 200 सोलर लाइटें उपलब्ध कराई जाएंगी। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम, अल्मोड़ा में 50 बिस्तरों की क्षमता वाला छात्रावास बनाया जाएगा। वहीं, हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम का बैडमिंटन कोर्ट अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फुटबॉल और बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन किया तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एकता बिष्ट और खेल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया।

सांसद खेल महोत्सव के दौरान खिलाड़ी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री धामी।

- मुख्यमंत्री धामी ने अल्मोड़ा में खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कई घोषणाएं की
- स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 200 सोलर लाइटें कराई जाएंगी उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है, जो अपने परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प के बल पर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने की क्षमता रखती है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति मानकर 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से 'फिट युवा फॉर विकसित भारत' की थीम पर आयोजित हो रहा यह 'सांसद खेल महोत्सव' केवल एक सामान्य खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का एक महाभियान है। यह हमारे गांव-गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त मंच प्रदान करने के साथ ही युवा शक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और संघर्षशीलता जैसे गुणों को विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए 95 प्रतिशत सामान होंगे शुल्क मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी होने की सोमवार को घोषणा की। यह समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। साथ ही इससे अगले 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) उपलब्ध होगा। इस समझौते से अगले पांच वर्ष में वस्तुओं व सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को भेड़ के मांस, ऊन, कोयला और वनों एवं लकड़ी से बनी 95 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड को कीवी फल, शराब, कुछ समुद्री खाद्य पदार्थ, चेरी, एवोकाडो, पर्सिमन, शिशु 'फॉर्मूला', मनुका शहद और दूध 'एल्ब्यूमिन' जैसी कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क छूट भी मिलेगी। घरेलू किसानों और एमएसएमई के हितों की सुरक्षा के लिए भारत राजनीतिक रूप से संवेदनशील दुग्ध क्षेत्र जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही तथा पनीर में कोई शुल्क छूट नहीं देगा। इस समझौते के अंतर्गत शामिल न होने वाले अन्य उत्पाद वनस्पति उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीवों से प्राप्त वसा और तेल, हथियार व गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा तथा उसके उत्पाद और एल्युमीनियम तथा उससे संबंधित वस्तुएं हैं। इसने कुशल व्यवसायों में कार्यरत भारतीय पेशेवरों के लिए एक नए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग के माध्यम से कुशल रोजगार के रास्ते भी खोले हैं। इसमें किसी भी समय 5,000 वीजा का 'कोटा' शामिल होता है और अधिकतम तीन साल तक का प्रवास संभव होता है।

न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

- श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा यह समझौता
- 20 अरब डॉलर का एफडीआई होगा उपलब्ध प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के समकक्ष से फोन पर की बात

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूती : भारत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बेहद गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक करेगा और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारत ने सोमवार को बयान में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। जिसके बाद एफटीए पर वार्ता संपन्न होने की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह समझौता, द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक बनाएगा, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

यूनुस की शह से बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। हसीना के मुताबिक, कुछ कट्टरपंथी ताकतें खुलकर हिंसा कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय दूतावास, मीडिया दफ्तरों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। यूनुस सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है और यहां तक कि सजा पाए आतंकियों को भी रिहा किया गया है।

- अपदस्थ प्रधानमंत्री ने कहा- भारत से बर्बाद कर दिए संबंध

उन्होंने बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के लिए भी मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार की नीतियों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है। अंतरिम सरकार भारत के खिलाफ बयान दे रही है और अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में नाकाम रही है। भारत के राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर जो चिंता जताई जा रही है, वह बिल्कुल सही है।

स्कूल से छात्र को उठा ले गया भालू

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: चमोली जिले के पोखरी स्थित जूनियर हाईस्कूल हरिशंकर में सोमवार सुबह एक खौफनाक मंजर ने हर किसी के मन में दहशत पैदा कर दी। स्कूल में अचानक दो भालू जा घुसे। घबराए बच्चों ने खुद को कक्षा में बंद कर लिया लेकिन एक भालू गेट तोड़कर कक्षा छह के एक छात्र को उठा ले गया। गनीमत रही कि सहपाठियों के साहस दिखाने पर भालू छात्र को झाड़ी में छोड़ गया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9:15 बजे जब बच्चों ने दो भालुओं को स्कूल की तरफ तेजी से बढ़ता देखा तो डरे सहमे बच्चों ने कक्षाओं में दौड़ लगा दी। इनमें से एक भालू ने जब कक्षा के गेट पर पंजे मारने शुरू किए तो बच्चों में चीख पुकार मच गई।

इस दौरान भालू ने कक्षा छह के छात्र आरव को उठाकर स्कूल परिसर के पास ही झाड़ियों में ले गया। दूसरा भालू भी वहीं मौजूद था। तभी कक्षा आठ की छात्रा दिव्या ने शोर मचाते हुए भालू की ओर दौड़ लगाई। पीछे से बच्चों के शोर से घबराकर भालू छात्र को छोड़ जंगल की ओर भाग गया।

स्कूल के शिक्षक और छात्र भी वहां पहुंच गए। शिक्षकों ने झाड़ियों से आरव को निकाला तो उसके शरीर पर भालू के नाखूनों के निशान पाए गए। बताया गया कि स्कूल प्रशासन ने एहतियातन 25 दिसंबर तक स्कूल में अवकाश घोषित कर दिया है।

- सहपाठियों व शिक्षकों ने साहस दिखाया तो झाड़ी में फेंककर भागा
- प्रबंधन ने एहतियातन 25 तक स्कूल में अवकाश घोषित किया

मां की गोद से बच्चे को उठा ले गया भेड़िया, शव बरामद

कैसरगंज (बहराइच)। विकासखंड फखरपुर के ग्राम रसूलपुर बरेठा गांव में सोमवार की सुबह एक भेड़िया मां की गोद से तीन साल के मासूम बच्चे को छीनकर अपने जबड़े में दबोच ले गया। बाद में घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बच्चे का क्षत विछत शव बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार राम मनोहर पंजाब में मजदूरी करते हैं। पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार सुबह बच्चे को दूध पिला रही महिला पर भेड़िए ने हमला कर दिया और बच्चे को ले गया।

ऑप्टिकल इंटरफेरोमेट्री तकनीक से खुलेंगे तारों के भेद

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ऑप्टिकल इंटरफेरोमेट्री तकनीक के जरिए सूदूर अंतरिक्ष में तारों की विविधताओं का रहस्य उजागर करना संभव है। इस तकनीक को ईजाद किए जाने के प्रारंभिक प्रयास आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) ने शुरू कर दिए हैं। यह सुविधा उपलब्ध होने के बाद देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों की श्रेणी में खुद को स्थापित कर लेगा।

ऑप्टिकल इंटरफेरोमेट्री तकनीक पर शोधरत एरीज की रिसर्च एसोसिएट डॉ. नीतू राय ने बताया कि अंतरिक्ष में बाइनरी तारों को अलग- अलग देख पाने में अभी भी हम पूरी तरह खुद को विकसित नहीं कर पाए हैं। हमसे बहुत दूर होने के कारण दो तारे हमें एक ही नजर आते हैं मगर इस तकनीक के जरिए इन्हें अलग अलग देखा जा सकता है। इस तकनीक से नैनो सेकेंड व पीको सेकेंड तक के समय में देख सकते हैं। डॉ. रॉय ने बताया कि यह अत्याधुनिक तकनीक है, जिस पर लंबे समय से अध्ययनरत हैं और एरीज की देव स्थल स्थित 3.6 मीटर (डॉट) की ऑप्टिकल दूरबीन के साथ शोध में जुटी हुई हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। इस तकनीक को ईजाद किए जाने को लेकर लाइट डिटेक्टर उपकरण 3.6 मीटर दूरबीन में स्थापित करना होगा जिसे लेकर पहले चरण पर प्रयास जारी हैं। अभी तक यह तकनीक यूएस, यूरोप के अलावा चायना व इजराइल में विकसित की जा चुकी है।

- एरीज में यह तकनीक विकसित होने पर अंतरिक्ष विज्ञान में दुनिया के देशों साथ अग्रणी पंक्ति में खड़ा होगा देश

सुलझ सकते हैं ब्रह्मांड के रहस्य

नैनीताल: रिसर्च एसोसिएट डॉ. नीतू राय ने बताया कि तकनीकों के जरिए ब्रह्मांड के रहस्य की गुत्थियों को सुलझाया जा सकता है। वर्तमान में दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां तकनीक के बल पर प्रगति कर रही हैं। हमें भी तकनीकी क्षेत्र में खुद को आगे ले जाना होगा। ऑप्टिकल इंटरफेरोमेट्री तकनीक बेहद महत्वपूर्ण तकनीक है जिसे एरीज की सुविधाओं में ईजाद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नीति आयोग की रिपोर्ट | 2024 में देश से 13.35 लाख भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन करने गए

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना कनाडा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्र सबसे ज्यादा कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जाते हैं। नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में, कनाडा 4,27,000 भारतीय छात्रों के साथ शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा गंतव्य बना। इसके बाद अमेरिका (3,37,630), ब्रिटेन (1,85,000) ऑस्ट्रेलिया (1,22,202) और जर्मनी (42,997) का स्थान रहा।

इसमें कहा गया है कि भारत दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश है। 2024 में 13.35 लाख से अधिक छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया, 2024 में भारत आने वाले प्रत्येक एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र के मुकाबले 28 भारतीय छात्र विदेश गए, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा पलायन को दर्शाता है। रिपोर्ट में भारत में विदेशी छात्रों के आगमन के बारे में 2021-22 के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि 2021-22 में नेपाल, अफगानिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शीर्ष स्रोत देश थे। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में 8.5 लाख भारतीय छात्र पढ़ते हैं। इन छात्रों ने 2023-2024 में उच्च शिक्षा पर 2.9 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, लातविया में भारतीय छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक 17.4 है। उसके बाद आयरलैंड में 15.3 प्रतिशत और जर्मनी में 10.1 प्रतिशत है।

- 4,27,000 भारतीय छात्र गए कनाडा, शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी

आंध्र से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र गए

रिपोर्ट में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्यों में, आंध्र प्रदेश से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र पढ़ाई के लिए विदेश गए। उसके बाद पंजाब और महाराष्ट्र का स्थान रहा जहां से क्रमशः 33,412 और 29,079 छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक की विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत 2014-24 के दौरान संबंधित देशों को भेजी गयी राशि 975 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये हो गयी।

कार से उतारकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म में 5 को उम्रकैद

बुलंदशहर, एजेंसी

बुलंदशहर की एक अदालत ने जुलाई 2016 में मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के एक चर्चित मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 1.81 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने बताया कि 29-30 जुलाई 2016 की दरमियानी रात एक परिवार के कुछ लोग अपने एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि देर रात करीब डेढ़ बजे बुलंदशहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के दोस्तपुर गांव के पास पहुंचने पर उन्हें कार से किसी भारी चीज के टकराने के आवाज सुनाई दी। कौशिक ने बताया कि गाड़ी रोककर नीचे उतरने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हथियारों के बल पर डराकर उन्हें पास के एक खेत में ले गए। बदमाशों ने पुरुषों को रस्सी से बांधकर परिवार की एक महिला और उसकी 14 साल की बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया और विरोध करने पर पुरुषों की पिटाई की।

- बुलंदशहर में जुलाई 2016 को हुई थी वारदात

छह के खिलाफ दाखिल किया था आरोप पत्र

कौशिक ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिनमें से एक आरोपी सलीम की मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। पॉक्सो अधिनियम के विशेष न्यायाधीश ओमप्रकाश वर्मा ने शनिवार को बाकी पांच अभियुक्तों जुबेर, साजिद, धर्मवीर, सुनील और नरेश को दोषी करार दिया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,23 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

खंडपीठ ने मांगा सरकार से जवाब

नैनीताल : रुड़की के ग्राम नगला इमरती की सार्वजनिक भूमि पर ग्रामीणों द्वारा कब्जा करके अतिक्रमण करने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश जी . नरेंद्र की खंडपीठ ने ग्राम सभा को नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई को तीन सप्ताह बाद की तिथि नियत की है।

नैनी सैनी का विकास ऐतिहासिक कदम

पिथौरागढ़ : पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य की रजत जयंती वर्ष में नैनी सैनी एयरपोर्ट का विकास राज्य सरकार की एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी उपलब्धि है। एयरपोर्ट का चरणबद्ध तरीके से विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे भविष्य में बड़े विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। वर्तमान में यह एयरपोर्ट लगभग 70 एकड़ भूमि पर विकसित है, जबकि 72 सीटर विमानों के नियमित संचालन के लिए लगभग 50 से 53 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है तथा शीघ्र ही इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

ट्रांसफर पर लगी रोक

नैनीताल : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने चकराता वन प्रभाग में तैनात उप प्रभागीय वनाधिकारी राजीव नयन नौटियाल के स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से तीन सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई हेतु 30 मार्च 2026 की तिथि नियत की गई है।

असिस्टेंट कमिश्नर को बर्खास्त करने के आदेश पर लगाई रोक

उत्तराखंड हाईकोर्ट का सरकार को नोटिस, तीन सप्ताह में मांगा जवाब

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने वित्तीय अनियमितता के आरोप में वाणिज्यिक कर विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर मीनाक्षी त्यागी को बर्खास्त करने और उनसे 93 लाख रुपये की वसूली करने के अपर सचिव वित्त के आदेश पर रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी व न्यायमूर्ति आलोक कुमार महरा की खंडपीठ में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर अधिकारी को बर्खास्त करने के मामले में तीन सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। साथ ही, कोर्ट ने जांच अधिकारी अजय कुमार को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 मार्च 2026 की तिथि नियत की गई है।

मामले के अनुसार, असिस्टेंट कमिश्नर मीनाक्षी त्यागी को 3 अक्टूबर 2025 को चार फर्मों का रजिस्ट्रेशन रोकने में नाकाम रहने और उनके रिफंड क्लेम की मंजूरी देने के आरोपों पर नौकरी से निकाल दिया गया था। अधिकारी ने कहा कि संबंधित टैक्स अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसने असिस्टेंट कमिश्नर के निर्देश के बावजूद फर्मों का निरीक्षण नहीं किया और सिर्फ उन्हें ही नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने भी जांच अधिकारी से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने और उन्हें मुख्य गवाहों से पूछताछ का अधिकार देने के लिए कहा था जिसे जांच अधिकारी अजय कुमार ने साफ तौर पर मना कर दिया। बिना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन किए और गवाहों के क्रॉस परीक्षण किए बिना उनकी सेवा समाप्त की गई। याचिककर्ता वाणिज्य कर विभाग विकास नगर देहरादून में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर कार्यरत थीं।

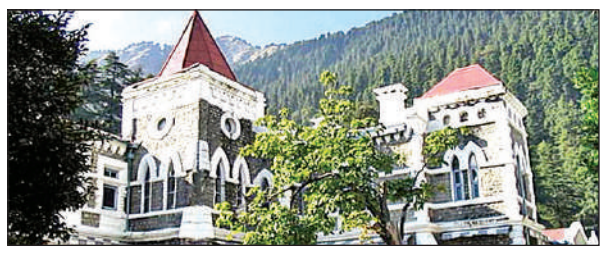

पूर्व आदेश के अनुपालन को लेकर सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल : उत्तराखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में मंदिरों के रखरखाव एवं उसकी देखरेख के लिए मंदिर कमेटी के गठन से जुड़े पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने के मामले में सोमवार को राज्य सरकार से पूछा है कि पूर्व के आदेश का अनुपालन क्यों नहीं किया गया। मामले के अनुसार, जागेश्वर निवासी रमेश चंद्र जोशी ने जनहित याचिका में कहा है कि वर्ष 2013 में हाईकोर्ट ने जागेश्वर मंदिर के रखरखाव व अन्य के संबंध में स्वत : संज्ञान लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया था। जिसमें कहा गया था कि मंदिर की देखरेख के लिए एक कमेटी गठित हो, एक सदस्य सर्वे ऑफ इंडिया का हो, कमेटी में दस सदस्य स्थानीय हो। जिनमें से एक सदस्य को राज्यपाल बतौर मैनेजर नियुक्त करेंगे। बाकी सदस्य उस कमेटी के सदस्य रहेंगे लेकिन 12 साल बीत जाने के बाद भी अभी तक न तो कमेटी का गठन हुआ न ही आदेश का अनुपालन। मंदिर की हालात जस की तस बनी हुई है। मंदिर की देखरेख नहीं हो पा रही है, मंदिर में चढ़ाए जाने वाला चढ़ावे का कोई रिकार्ड नहीं है। मंदिर के पुजारियों की अपनी-अपनी मनमानी चल रही है। जब याचिकाकर्ता ने उनसे इसकी आरटीआई की प्रति मांगी तो उनके द्वारा कहा गया कि हम आरटीआई देने के लिए बाध्य नहीं हैं क्योंकि हम एक निजी संस्था हैं। जनहित याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की गई है कि पूर्व के आदेशों का अनुपालन करवाया जाए और चढ़ावे व दान का ऑडिट कराया जाए। इस मामले में अगली सुनवाई 30 दिसंबर नियत की गयी है।

बीमा कम्पनी की अपील को किया खारिज

नैनीताल : हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक महरा की पीठ ने बीमा कंपनी द्वारा दायर उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें एक मेडिकल स्टोर संचालक की मृत्यु के बाद दिए मुआवजे की गणना को चुनौती दी गई थी। एकलपीठ ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण देहरादून द्वारा साल 2019 में पारित निर्णय को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की अवैधता नहीं है। मैग्मा एचडीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने तर्क दिया था कि संचालक की आय उसके मेडिकल स्टोर से थी, जिसे चलाने का अनुभव उसके पास था जबकि सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि संचालक की मृत्यु के तुरंत बाद मेडिकल स्टोर बंद कर दिया गया था। मृतक संचालक की पत्नी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में वह केवल अपनी नौकरी से वेतन प्राप्त कर रही है और मेडिकल स्टोर से उसे कोई आय नहीं हो रही है। इस आधार पर पीठ ने अधिकरण के फैसले को सही मानते हुए बीमा कम्पनी की अपील खारिज कर दी।

एक और रील पर उखड़े हरदा, भाजपा पर कसा तंज

देहरादून, अमृत विचार: मजार से जुड़ी रील के बाद अब पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक और रील को लेकर उत्तराखंड भाजपा पर तंज कसा है।

पूर्व सीएम ने सोमवार को अपने फेसबुक पेज पर जारी बयान में दावा करने के साथ आरोप लगाया कि, भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म से मुझे देशद्रोही पाकिस्तानी एजेंट दिखाया गया है। मेरे जैसा चेहरा बनाकर मेरे चेहरे को देश की जासूसी करते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो भाजपा के सोच की भारी गिरावट का प्रतीक है। वह राजनीति को राजनीति और जनता के सवालों पर नहीं लड़ना चाहते हैं। वह झूठ और फरेब के सहारे राजनीति करना चाहते हैं लेकिन कल डाला हुआ यह वीडियो भाजपाई सोच का निकृष्टतम नमूना है।

रावत ने सवाल उठाया कि, क्या राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री बनने की बात कहना, क्या राष्ट्र विरोधी है? भाजपा ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है जिनसे उनका सैद्धांतिक विरोध हो। आरोप लगाते हुए कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि 'मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं होना चाहिए' और आज भाजपा मनों में भेद पैदा कर रही है। कहा कि, मैं अपनी मां और इष्ट देवता की कसम खाकर कह सकता हूं कि मैं कर्मनिष्ठ और धर्मनिष्ठ हिंदू हूं लेकिन मैं एक उदार हिंदू हूं जो सबका आदर करता है। पूर्व सीएम ने कहा कि, वह आज मंगलवार दोपहर देहरादून के नेहरू कॉलोनी थाने में भाजपा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। उसके बाद साइबर क्राइम थाने भी जाएंगे।

चुनाव आए तो सहानुभूति का कार्ड खेल रहे हरदा

देहरादून, अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि जन अदालत में लगे आरोपों को हरदा भाजपा पर मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं और सहानुभूति का खेल, खेल रहे हैं, जिसे जनता स्वीकार नहीं करेगी।

पूर्व सीएम के पुलिस को शिकायत और भाजपा कार्यालय पर धरने के बारे में चौहान ने कहा कि चुनाव आते ही हरदा ने सहानुभूति का कार्ड खेलकर अपनी सक्रियता दिखायी है। पुलिस को शिकायत करने में उन्हें पूरे 10 साल लग गए। तुष्टिकरण पर भाजपा ने कुछ नहीं किया, बल्कि बहुसंख्यकों ने खुली आंखों से देखा है। वह किसी भी एजेंसी से जांच कराएं, इसमें भाजपा को कोई एतराज नहीं है।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस में अलग-थलग पड़े पूर्व सीएम को इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार नहीं मानना चाहिए। बेशक, वह राज्य और कांग्रेस मे वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन उनकी और कांग्रेस की तुष्टिकरण की छवि को जनता नहीं भूल पा रही है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में वह कुछ अलोकप्रिय निर्णयों से बहुसंख्यकों की नाराजगी का शिकार हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम अगर, पार्टी मुख्यालय आएंगे तो पार्टी उनका स्वागत करेगी। लेकिन जिस उद्देश्य और आरोप को लेकर वह आएंगे, भाजपा से उसका कोई लेना-देना नही है। इसका उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए। ऐसे मामलों में जनता का निर्णय होता है और भाजपा सदैव जनता के निर्णय के साथ रही है और जन अदालत में ही विश्वास करती है।

भीमताल के चर्चित गोलीकांड के दोषियों को आजीवन कारावास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: न्यायालय ने भीमताल क्षेत्र में युवक की गोली मारकर हत्या के दो आरोपियों अमरीन जहां और राधेश्याम शुक्ला को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) व 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया है, जबकि राधेश्याम शुक्ला को आर्म्स एक्ट के तहत भी दोषी पाया गया है।

बताते चलें कि 2 जनवरी 2020 को अमरीन जहां, नाजिम अली को भीमताल घुमाने के बहाने अपने साथ ले गई थी। काठगोदाम-भीमताल रोड स्थित हेयरपिन बैंड के पास पहले से मौजूद राधेश्याम शुक्ला ने 315 बोर के तमंचे से नाजिम को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल नाजिम को बृजलाल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसी शाम थाना भीमताल में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस जांच में यह साबित हुआ कि घटना के समय दोनों आरोपी मौके पर मौजूद थे। बरामद तमंचे से चला खोखा कारतूस मृतक को लगी गोली और राधेश्याम के कपड़ों पर मिला खून भी मृतक के खून से मेल खा गया। जांच में यह भी सामने आया कि अमरीन और नाजिम के बीच पहले से प्रेम संबंध थे। नाजिम की किसी अन्य महिला से शादी हो जाने और आर्थिक मदद बंद करने से अमरीन नाराज थी, जिसके बाद उसने राधेश्याम शुक्ला के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार शर्मा ने बताया न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की एक मजबूत और पूर्ण कड़ी प्रस्तुत की है, जबकि बचाव पक्ष कोई ठोस सफाई देने में असफल रहा। इन्हीं आधारों पर जिला न्यायालय ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 20-20 हजार रुपये के अर्थ दंड लगाने के आदेश दिए हैं।

140 असिस्टेंट प्रोफेसरों को मिली तैनाती

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से विभिन्न संकायों में चयनित 140 असिस्टेंट प्रोफेसरों के तैनाती प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत चयनित हुए असिस्टेंट प्रोफेसरों को विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में तैनात किया जाएगा।

दून मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग फैकल्टी में 41 असिस्टेंट प्रोफेसर को तैनाती दी गई है। इसी तरह राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार के लिए 12, मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में 33, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के लिए 24, राजकीय दून मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर में दो और राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में 28 असिस्टेंट प्रोफेसर को प्रथम तैनाती दी गई है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों में एनेस्थीसिया संकाय में 15 असिस्टेंट प्रोफेसरों को तैनाती मिली है। एनाटॉमी और पीडियाट्रिक्स में सात-सात, ब्लड बैंक, रेडियोथेरेपी और डर्मेटोलॉजी में तीन-तीन, कम्युनिटी मेडिसिन और पैथोलॉजी 12-12, डेंटिस्ट्री दो, इमरजेंसी और फॉरेंसिक मेडिसिन एक-एक, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, रेस्पीरेट्री मेडिसिन और फार्माकोलॉजी पांच-पांच, माइक्रोबॉयोलॉजी और आर्थोपैडिक्स नौ-नौ, ऑब्स्ट्रेक एंड गायनी आठ, ऑप्थमोलॉजी चार एवं ओटो-राइनो-लेरिंगोलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, साइकेट्री व फिजियोलॉजी संकाय में छह-दह असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं।

विधानसभा स्तर पर होगी अटल संगोष्ठी

देहरादून: उत्तराखंड संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष मधु भट्ट ने मीडिया को बताया कि परिषद के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन 24 दिसंबर को संस्कृति प्रेक्षागृह देहरादून से किया जाएगा। 25 दिसंबर से इस संगोष्ठी का आयोजन प्रत्येक विधानसभा स्तर पर भी होगा।

कहा कि यह आयोजन पूर्व पीएम वाजपेयी के आदर्शों, उनके सुशासन के दृष्टिकोण और उनकी कविताओं के माध्यम से उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उनके जीवन से संबंधित साहित्य कविताओं उनके विचारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। वह वरिष्ठ नागरिक जिन्होंने अटल जी के साथ एवं उनके नेतृत्व में काम किया है, उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

क्रिसमस कार्यक्रम विरोध के बाद रद्द

हरिद्वार: हरिद्वार में गंगा तट पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के एक होटल में क्रिसमस पर आयोजित किया जाने वाला कार्यक्रम हिंदू संगठनों के कड़े विरोध के बाद रद्द कर दिया गया।

होटल भागीरथी के प्रबंधन ने बताया कि क्रिसमस पर 24 दिसंबर को होटल में बच्चों के लिए आयोजित होने वाला कार्यक्रम हिंदू संगठनों के विरोध पर रद्द कर दिया गया। इससे पूर्व श्री गंगा सभा के पदाधिकारी उज्जवल पंडित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर गंगा किनारे क्रिसमस के आयोजन को बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी देते हुए उसे तत्काल रद्द करने को कहा था। चेतावनी दी थी कि गंगा के तट पर विदेशी संस्कृति के आयोजनों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदमजी ने कहा कि सभी को हरिद्वार की धार्मिक मान्यताओं और गरिमा का पालन करना चाहिए।

गुस्साए अधिवक्ताओं ने किया घंटाघर जाम

संवाददाता, देहरादून

- चैंबर की मांग को लेकर देहरादून में आंदोलनरत हैं अधिवक्ता

अमृत विचार: राजधानी देहरादून में चेंबर निर्माण की मांग को लेकर कई दिनों से धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने सोमवार को घंटाघर की सड़क को जाम कर दिया। सरकार को चेताने के लिए अधिवक्ताओं ने तिरंगा झंडा लेकर हरिद्वार रोड से प्रिंस चौक, गांधी रोड और दर्शन लाल चौक होते हुए घंटाघर तक पैदल मार्च निकाला, उसके बाद अपनी मांगों को लेकर अधिवक्ताओं ने सड़क पर जाम लगाते हुए अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि अब वो सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का मन बना चुके है। यदि अभी भी सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो अब उनका ये प्रदर्शन आने वाले समय में और तेज होगा। देहरादून बार काउंसिल के सदस्य शेखर तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता पिछले डेढ़ माह से चेंबर बनाने की जायज मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। सरकार को अधिवक्ताओं की ओर से 18 नवंबर को समिति के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया था जिसमें नई जिला जजी की आवंटित भूमि पर उनके लिए चैंबर बनाने की मांग मुख्य रूप से रखी गई थी। सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है लेकिन अभी तक कोई लिखित आश्वासन नहीं आया है।

सिटी ब्रीफ

डिलीवरी ब्वॉय का खोया मोबाइल पुलिस ने तलाशा

हल्द्वानी : एक कंपनी के लिए डिलीवरी ब्वॉय का काम करने वाले युवक का मोबाइल खो गया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, खालिद नाम का व्यक्ति एक कंपनी के लिए डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। रविवार को वो रामपुर रोड में ऑर्डर देने गया तो पता चला उनका मोबाइल फोन कहीं गिर गया। खालिद ने अपने नंबर पर फोन लगाया तो आवाज आई "हेलो मैं अपर उप निरीक्षक यातायात प्रकाश चंद्र नगरकोटी बोल रहा हूं। प्रकाश उस समय आईटीआई तिराहे पर तैनात थे। कुछ देर बाद खालिद का मोबाइल उसे मिल गया।

बनभूलपुरा पुलिस ने पकड़ा सटोरिया

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने एक सटोरिये को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, कांस्टेबल मो. यासीन और लक्ष्मण राम ने गश्त के दौरान इन्द्रानगर फाटक के पास टूटी दीवार के पास लोगों का झुंड देखा। वह मौके की ओर बढ़े तो भगदड़ मच गई। सभी भाग गए, लेकिन मौके से नईम पुत्र स्व. सरदार बली निवासी नूरी मस्जिद इन्द्रानगर बनभूलपुरा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से सट्टा पर्ची, गत्ता, पेन और 1390 रुपये बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है।

राम मंदिर के पास ग्रामीण से हजारों रुपये लूटे

हल्द्वानी : गांव से खरीदारी के लिए शहर आए एक युवक को लुटेरे ने अपना शिकार बना लिया। बिना किसी हथियार के लुटेरे ने धमकी देकर हजारों रुपये लूट लिए और आसानी से फरार हो गया। मामले में पुलिस ने घटना के चार दिन बाद मुकदमा दर्ज किया है। हरीशताल, खनस्यू निवासी रमेश चन्द्र भट्ट पुत्र स्व. विशन दत्त भट्ट ने कोतवाली पुलिस को बताया कि बीती 12 दिसंबर को खरीदारी करने के लिए हल्द्वानी आए थे। दोपहर लगभग डेढ़ बजे वह पटेल चौक से होते हुए डीके पार्क की ओर जा रहे थे। वह अभी राम मंदिर वाली गली में पहुंचे थे कि तभी एक लुटेरे ने उनका रास्ता रोक लिया। उसने धमकाना शुरू किया और इससे पहले कि रमेश कुछ समझ पाते लुटेरे ने उनकी जेब में हाथ डालकर 8800 रुपये निकाल लिए और फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम ले जाकर रमेश को फुटेज दिखाए, लेकिन घटना की तस्दीक नहीं हो सकी। जिसके बाद पुलिस पीड़ित के साथ घटना स्थल के पास पहुंची। यहां एक सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर पूरी घटना सामने आ गई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

सब्जी की आड़ में सुनियोजित गहरी साजिश

कठघरिया के रामड़ी जसुवा में सब्जी की फड़ लगाता था जनकराज, नेपाली मूल का है सरगना

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : एक झटके में जिसने ज्वैलरी की दुकान से सवा करोड़ की चोरी को अंजाम दे डाला, असल में न तो वह कोई व्यापारी था और न ही धन्नासेठ। असल में वो नेपाल का रहने वाला जनकराज जोशी है, जो चोरी से कुछ दिन पहले तक सब्जी का फड़ लगाकर आलू-प्याज व धनिया-पोदीना बेचता था।

वो पिछले लगभग तीन माह से मुखानी थाना क्षेत्र में ही रहकर राधिका ज्वैलर्स में सेंधमारी की योजना बनाता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। एक ओर रामड़ी जसुवा में वह साधारण सा आदमी बनकर घूम रहा था और वहीं दूसरी ओर कुसुमखेड़ा में उसने खुद को धन्नासेठ दिखाकर महंगे किराये पर दुकान ले ली।

जानकारी के मुताबिक, खुद को जनकराज जोशी बताने वाला चोरी का मास्टर माइंड मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार जनकराज रोजगार ढूंढने के बहाने नेपाल से हल्द्वानी पहुंचा। यहां उसने कुछ लोगों को झांसे में लेकर उनसे नजदीकी बना ली। रामड़ी जसुवा गांव में उसने कुछ लोगों से जान पहचान लगाकर एक दुकान के बाहर सब्जी का ठेला लगाना शुरू कर दिया। लगभग तीन माह तक सब्जी का ठेला लगाने के बाद अचानक उसने सब्जी का काम बंद कर दिया। चेहरे से उत्तराखंड मूल का नजर आने वाले जनकराज ने अपनी शक्ल सूरत का भी लाभ उठाया। लोग उसे पहाड़ मूल का ही समझते थे। यहां वह सीधा-सादा और साधारण आदमी बनकर रह रहा था, लेकिन उसके दिमाग में चोरी की योजना बन रही थी। यहां सब्जी बेचते-बेचते उसने मुखानी थाना क्षेत्र में रैकी शुरू की और उसकी तलाश कुसुमखेड़ा में तब खत्म हुई, जब उसने राधिका ज्वैलर्स के बगल की दुकान खाली देखी। वह दुकान के मालिक गौरव से मिला तो खुद को धन्नासेठ बताया और खाली पड़ी दुकान को किराए पर लेने की इच्छा जाहिर की। गौरव ने 22500 रुपए मासिक किराया मांगा और जनकराज ने बिना समय गंवाए हामी भर दी। जनकराज ने भी गौरव को यही बताया था कि वह स्थानीय निवासी व उत्तराखंड मूल का है। इधर, दुकान मिलते ही जनकराज ने बीती 19 दिसंबर को अपनी गैंग के साथ मिलकर राधिका ज्वैलर्स की दीवार काट डाली। इधर, जांच में जुटी पुलिस जनकराज की तलाश में रामड़ी जसुवा पहुंची, लेकिन वो फरार हो चुका था। माना जा रहा है कि 19 दिसंबर की रात घटना को अंजाम देने के बाद जनकराज नेपाल भाग चुका है।

रामड़ी जसुवा गांव में जहां सब्जी बेचता था जनकराज जोशी, वहां सोमवार को पूछताछ के लिए पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

उत्तर प्रदेश के तीन शहरों से लेकर नेपाल बॉर्डर तक चौकसी

हल्द्वानी : शातिर फरार हैं और कहां हैं, यह अभी अंधेरे में है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने शातिरों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए एसआईटी गठित कर दी है। एसओजी समेत पुलिस की कई टीमें इस वक्त उत्तर प्रदेश के तीन शहरों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के साथ पुलिस नेपाल सीमा पर भी कड़ी निगरानी कर रही है। एसएसपी ने बताया कि सर्विलांस टीम घटना स्थल पर लगे तमाम सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है। जिसके आधार पर पुलिस की तीन टीमों को उत्तर प्रदेश के बिजनौर, पीलीभीत और मुरादाबाद रवाना किया गया है। पुलिस की टीमें सोमवार तक शातिरों की तलाश में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर दबिश दे चुकी हैं। इसके अलावा रास्ते में पड़ने वाले टोल, रेलवे और बस स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि शातिरों की तलाश में एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र के पर्यवेक्षण में एसआईटी गठित कर कर दी गई। एसआईटी को एसपी सिटी मनोज कत्याल लीड करेंगे। टीम में सीओ के साथ 8 इंस्पेक्टर जिले के क्राइम एक्सपर्ट हैं। एसएसपी के मुताबिक, घटना में शामिल तीन लोगों को उनकी टीम ने चिह्नित कर लिया है। इसके अलावा घटना में दुकान मालिक गौरव बिष्ट की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यह जांच राधिका ज्वैलर्स के मालिक नवनीत से बातचीत के बाद हो रही है। नवनीत ने बताया कि गौरव दुकान में एक कील ठोंकने पर भी ऐतराज करते थे और चोरी की रात इतने शोर-शराबे को भी वह अनदेखा करते रहे। एसएसपी का कहना है कि इस तरह की घटनाएं पहले झारखंड और नेपाल में भी हो चुकी हैं। इन घटनाओं में शामिल गैंग को भी उनकी टीम चिह्नित कर रही है।

मुंह में बीड़ी और चेहरे पर सादगी

हल्द्वानी : सब्जी बेचने की आड़ में एक सनसनीखेज षड्यंत्र रचने वाला जनकराज ने एक साथ चेहरे पर कई नकाब पहन रखे थे। रामड़ी जसुवा में पहाड़ी मूल के लोगों के बीच वह बिलकुल सीधा-सादा बनकर रहता था। चेहरे पर सादगी रहती थी और अगर किसी के पास सब्जी खरीदते वक्त रुपये कम भी पड़ जाते तो वह सब्जी देने के लिए इंकार नहीं करता था। लोगों का कहना है कि वह बीड़ी पीने का शौकीन था और उसकी उम्र करीब 45 साल थी। बड़ी बात यह है कि रामड़ी जसुवा में भी उसका सत्यापन नहीं कराया गया था।

एसएसपी से मिले स्वर्णकार

हल्द्वानी : ग्रीनसिटी सर्राफा एवं स्वर्णकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को एसएसपी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना था कि घटना के बाद से व्यापारियों में भय का माहौल है। उन्होंने मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और रिकवरी की मांग की है। बातचीत में यह भी तय हुआ कि सर्राफा मार्केट पटेल चौक में एक देखरेख पुलिस चौकी बनेगी। जिसमें 12-12 घंटे एक हेड कांस्टेबल और एक होमगार्ड शिफ्ट में ड्यूटी करेंगे।

हल्द्वानी में दोहराई मुंबई की बैंक सेंधमारी जैसी घटना

- मुंबई में भी इस तरह से हो चुकी है चोरी
- बगल में दुकान किराये पर ली और कर दी सेंधमारी

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुखानी क्षेत्र में राधिका ज्वैलर्स में दीवार को काटकर जिस तरह से करीब सवा करोड़ के आभूषणों की चोरी हुई है, यह घटना करीब आठ साल पहले मुंबई में एक बैंक के लॉकर में हुई चोरी की याद दिलाती है। दोनों ही घटनाओं में कई तथ्य मिलते-जुलते हैं। साथ ही इस घटना को क्राइम की घटनाओं पर आधारित एक टीवी सीरीयल में भी दिखाया गया है। अब हल्द्वानी में हुई चोरी की घटना को अंजाम देने वालों ने मुंबई में बैंक चोरी की घटना के तरीके को अपनाया था या नहीं, यह तो बाद में पता चलेगा लेकिन दोनों ही कथानकों का आपस में काफी मिलना, इस ओर इशारा जरूर करता है।

नवंबर 2017 में सानपाडा सेक्टर-11, मुंबई में सरकारी बैंक की एक ब्रांच को खोलने के लिए कर्मचारी पहुंचे। सप्ताहांत के अवकाश के बाद बैंक को खोला गया। पहले तो सब ठीक था लेकिन जब कर्मचारी बैंक लॉकर में पहुंचे तो होश उड़ गए। कई लॉकर टूटे पड़े थे नीचे जमीन में एक सुरंग का मुंह खुला हुआ था। सूचना मिली तो पुलिस पहुंची और देखकर दंग रह गई। सुरंग में पुलिसकर्मी उतरे और उसका दूसरा मुंह बैंक के पास एक दुकान में खुला। यह दुकान एक जनरल स्टोर्स थी। बाद में पुलिस को पता चला कि यह दुकान मुंहमांगे किराए पर दी गई थी। दुकान कुछ खास नहीं चलती थी लेकिन समय से किराया दिया जाता था। इस दुकान के बीच में पार्टिशन करके सुरंग बनाई जा रही थी जो सीधे बैंक के लॉकर तक पहुंची। इस घटना के आरोपी जब पकड़े गए तो उन्होंने बताया कि यह आइडिया हॉलीवुड की द बैंक जॉब मूवी को देखकर आया था। मुंबई की घटना के बाद इसी तरह की अन्य घटनाएं देश के अन्य शहरों में हुई। अब हल्द्वानी की घटना की तरफ आते हैं। इसमें चोरों ने पहले ज्वैलर्स की दुकान से सटी दुकान किराए पर ली। लोगों को दिखाने के लिए पीओपी और अन्य काम भी किए। चोरी की रात के बाद अगली सुबह अवकाश का दिन था। बाद में दीवार में सेंधमारी करके चोरी हो गई। बस सुरंग नहीं खोदी लेकिन बाकी सब तथ्य मुंबई की घटना से मिलते हैं।

क्रिसमस बाद ही आएगा दुकानों में सरकारी राशन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: इस माह का सरकारी राशन अभी तक दुकानों में नहीं पहुंचा है। नैनीताल जिले में करीब 9.60 यूनिट राशन कार्ड में दर्ज हैं। इन सभी को सरकारी राशन का इंतजार है।

नैनीताल जिले में इन दिनों तेजी के साथ केवाईसी चल रही है। जिले में करीब 60 प्रतिशत राशन कार्ड धारकों की केवाईसी हो गई है। पिछले एक सप्ताह के अंदर 10 प्रतिशत और लोगों को केवाईसी से जोड़ा गया है। हालांकि अब केवाईसी कराने वालों की गति थोड़ी धीमी हो गई है। केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर हो गई है। इसके साथ ही लोगों को अभी सरकारी गल्ला नहीं मिला है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक बैठक हो गई है। क्रिसमस के बाद राशन आने का अनुमान है और दिसंबर के अंत तक सभी को राशन मिल जाएगा।

मोबाइल एप के बाद आएगी तेजी

हल्द्वानी : क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय जोशी ने बताया कि मोबाइल एप आने के बाद तेजी से केवाईसी का काम होगा। आम उपभोक्ता देश के किसी भी कोने में बैठकर केवाईसी कर लेगा। इसमें केवल चेहरा दिखाना होगा और साथ ही फिंगर प्रिंट देना होगा। फिलहाल सरकारी सस्ता गल्ला की दुकानों पर केवाईसी की जा रही है।

गौलापार स्टेडियम के पास जली कार

हल्द्वानी: तेज रफ्तार में कार में गौलापार रोड पर अचानक आग लग गई। समय रहते चालक ने कार ने निकल कर अपनी जान बचाई, लेकिन कार जलकर राख हो गई। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि किच्छा से हल्द्वानी की ओर जा रही एक कार गौलापार में धू-धूकर जल उठी। कार में एक व्यक्ति सवार था।

कार जैसे ही गौलापार में स्टेडियम के पास पहुंची, तभी उसमें आग लग गई। समय रहते चालक कार से बाहर निकल आया। सूचना मिलते ही दमकल की टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार काफी हद तक जल चुकी थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि कार चालक को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

शनि बाजार नाले पर हुए हैं 56 अवैध कब्जे

- नगर निगम ने अतिक्रमणकारियों को जारी किए नोटिस
- तीन सरकारी अतिक्रमण भी किए गए हैं चिह्नित

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शनि बाजार नाले पर अवैध कब्जों का चिन्हीकरण पूरा हो गया है। नाले पर 56 निजी व 3 सरकारी अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। अब निजी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। नोटिसों में चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमणकारियों ने 15 दिनों में स्वयं ही अवैध कब्जे नहीं हटाए तो बुलडोजर से अतिक्रमण ध्वस्त किया जाएगा।

हल्द्वानी शहर में शनि बाजार नाले का जलभराव एक ज्वलंत समस्या है। इस समस्या से निजात के लिए हाल ही में नगरायुक्त परितोष वर्मा ने लोनिवि, प्रशासन व उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) की संयुक्त टीम के साथ निरीक्षण किया था। इसके टेक्नीकल सर्वे में सामने आया कि नाले पर अवैध कब्जे हुए जिसकी वजह से नाला संकरा होता गया। बारिश में आसपास के इलाके का पानी नाले में आता है जिसकी वजह पानी का फ्लो अत्यधिक हो जाता है, जिस वजह से पानी ओवरफ्लो होकर सड़क व आसपास के मोहल्लों में घरों में घुस जाता है।

नगर निगम हर वर्ष बारिश से पहले और बाद तल्लीझाड़ सफाई कर पानी निकासी की असफल कोशिश की जाती थी। नगर आयुक्त वर्मा ने इस समस्या के समाधान के लिए अवैध कब्जे हटाने का फैसला किया। इसी क्रम में नाले में अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। नाले पर व्यावसायिक व आवासीय मिलाकर 56 निजी व तीन सरकारी अतिक्रमण मिले हैं। सरकारी अतिक्रमण में बाउंड्री वॉल है जिसे हटाया जा रहा है। वहीं, निजी अवैध कब्जाधारकों को बीती लगभग एक सप्ताह पूर्व अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किए गए हैं।

नोटिस में चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों में अतिक्रमण नहीं हटाया तो जबरन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

नाले की होगी शिफ्टिंग, गौला में जाएगा पानी

यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट कुलदीप सिंह ने बताया कि शनि बाजार नाले के जलभराव को लेकर टेक्नीकल सर्वे हो गया है। दरअसल, इंदिरा नगर व शनिबाजार नाला दोनों का पानी शनिबाजार नाले में आता है। इन नालों से सटी सड़क का स्लोप दोनों तरफ को है, जिस वजह से नालों से पानी ओवरफ्लो होने पर दोनों ओर जलभराव होता है। इसका टेक्नीकल समाधान निकाला है, इसमें नाले को अंडरग्राउंड गहरा किया जाएगा। फिर जहां से इंदिरा नगर व शनि बाजार नाले मिलते हैं, वहां से सड़क की ढाल को गौला नदी की तरफ ले जाया जाएगा। साथ ही नाले को दूसरी तरफ भी शिफ्ट किया जाएगा। इसका डिजाइन बनकर तैयार हो गया है।

शनि बाजार नाले पर 56 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस दे दिए गए हैं। यूयूएसडीए ने इस नाले में जल निकासी को लेकर प्रस्ताव बनाया है, अतिक्रमण हटाने के बाद इस प्रस्ताव पर निर्माण किया जाएगा ताकि नाले से पानी ओवरफ्लो नहीं होगा और घरों में जलभराव नहीं होगा। -परितोष वर्मा, नगर आयुक्त नगर निगम

डिजिटल पढ़ाई में आंखों का रखें ध्यान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के नेत्र रोग विभाग ने आंखों की देखभाल को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को अध्ययन के समय आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक और उपयोगी सुझाव दिए गए।

नेत्र रोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि लंबे समय तक लगातार पढ़ाई करने से आंखों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे आंखों में थकान, जलन और दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अंतराल पर आंखों को आराम देने की सलाह दी। कमरे में पर्याप्त और सही प्रकाश व्यवस्था होना आवश्यक है। डॉ. मेहरोत्रा ने मोबाइल फोन, टैबलेट, लैपटॉप एवं अन्य डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचने की अपील की। उन्होंने 20-20-20 नियम अपनाने की सलाह देते हुए बताया कि हर 20 मिनट की डिजिटल पढ़ाई के बाद कम से कम 20 फीट दूर किसी वस्तु को 20 सेकंड तक देखना चाहिए। यह तरीका आंखों की थकान कम करने में प्रभावी है।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने कहा कि आंखें अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए उनकी देखभाल में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। स्वस्थ आंखों और स्वस्थ शरीर के साथ ही परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन संभव है।

स्वस्थ्य आंखों के लिए सही आहार लें

हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, मौसमी फल, दूध, सूखे मेवे एवं विटामिन-ए युक्त खाद्य पदार्थ आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है, क्योंकि नींद की कमी से आंखों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। डॉ. मेहरोत्रा ने विद्यार्थियों को आगाह किया कि यदि आंखों में लगातार दर्द, लालिमा, जलन, पानी आना या धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं हों, तो बिना देर किए नजदीकी नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और स्वयं दवा लेने से बचें।

बच्चे मोबाइल गेम में रहे मस्त हैकर ने उड़ा लिए दो लाख

रामनगर, अमृत विचार : पिता को अपने बच्चे को वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल देना महंगा पड़ गया। साइबर हैकर ने उसके खाते से 2 लाख रुपये की रकम उड़ा दी। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

आमिर अहमद सैफी निवासी फ्रेण्ड्स कालोनी तेलीपुरा रोड रामनगर ने बताया कि रविवार को उनका बेटा उनके मोबाइल में वीडियो गेम खेल रहा था। कुछ समय बाद उनके मोबाइल मे एक्सिस बैंक से एक लाख रुपये व इण्डियन ओवरसीज बेंक से एक लाख रुपये की पैमेंट कट गयी। पीड़ित ने तुरंत बैंक जाकर अपने खाते बंद कराये। इस बीच हैकर द्वारा 608 रुपये का जमेटो पर आर्डर भी कर दिया जिसका मैसेज भी उनके मोबाइल पर आया।

इससे आमिर को अंदेशा हुआ कि हैकर ने उसके मोबाइल या उसकी गूगल पे का क्लोन बना लिया। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि लोग ऐसी लापरवाही से बचें।

सरकारी संपत्ति पर बना रेस्टोरेंट हो सील

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: शहर के समीपवर्ती मंगोली क्षेत्र में महिला कारोबारी को लेकर आखिरकार ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गांव के साथ ही समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रशासन व पुलिस से हुई वार्ता में मांग पूरी नहीं होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया। हालांकि तहसीलदार ने किसी तरह ग्रामीणों को शांत कर मामला संभाला। करीब चार घंटे धरने व वार्ता के बाद जब तहसीलदार व पुलिस ने सरकारी संपत्ति पर बने रेस्टोरेंट की जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया तो ग्रामीणों ने धरना खत्म किया। सुरक्षा की दृष्टि से धरना स्थल पर भारी पुलिस फोर्स भी तैनात रहा।

बता दें कि शहर के समीपवर्ती मंगोली क्षेत्र में ग्रामीणों व दिल्ली निवासी महिला कारोबारी के बीच बीते कुछ वर्षों से विवाद चल रहा है। बीते सप्ताह महिला कारोबारी ने ग्रामीणों पर उसकी संपत्ति में घुसकर मारपीट व अन्य संगीन आरोप लगाए थे। जिसमें कोतवाली पुलिस ने पांच नामजद व आठ अज्ञात ग्रामीणों के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कर लिया था। मामले में एक तरफा कार्रवाई पर ग्रामीणों ने रोष जताया।

प्रतिक्रिया | कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता बोले-योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना बापू के प्रति भाजपा की सोच को दर्शाता है

मनरेगा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दी मजबूती : शर्मा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी में मौजूद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने केंद्र की भाजपा सरकार पर मनरेगा योजना को कमजोर करने का आरोप लगाया। आलोक शर्मा ने कहा कि मनरेगा योजना ने देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम किया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इस योजना का कचूमर निकाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना भाजपा की बापू के प्रति सोच को दर्शाता है।

यहां एक बातचीत में आलोक शर्मा ने कहा कि मनरेगा योजना का नाम बदलकर अब जी-राम-जी रख दिया गया है। पहले इस योजना में केंद्र सरकार का अंशदान 90 प्रतिशत और राज्य सरकार का 10 प्रतिशत होता था, लेकिन नई व्यवस्था में केंद्र का अंशदान घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है और राज्यों पर 40 प्रतिशत का भार डाल दिया गया है। जबकि केंद्र सरकार यह भी जानती है कि कई राज्य कर्ज में डूबे हुए हैं। ऐसे में राज्य सरकारें रोजगार की मांग ही पैदा नहीं कर पाएंगी, जिससे ग्रामीणों को काम नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि यूपीए-1 के दौरान जब मनरेगा योजना शुरू हुई थी, उस समय भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह संसद की जेपीसी कमेटी के अध्यक्ष थे। स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इससे बेहतर कोई योजना नहीं आई। नए नियमों के तहत कटाई और बुवाई के समय ग्रामीण रोजगार नहीं मांग सकते, वहीं काम का निर्धारण अब दिल्ली में बैठे अधिकारी करेंगे, जबकि पहले यह अधिकार पंचायत प्रतिनिधियों के पास था। आलोक शर्मा ने कहा कि इस योजना की विश्व स्तर पर सराहना हुई थी और उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने में भी मनरेगा ने अहम भूमिका निभाई थी। सरकार दावा कर रही है कि 125 दिन रोजगार दिया जाएगा, जबकि भाजपा शासित राज्यों में 50 दिन से ज्यादा रोजगार नहीं दिया जा सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल पारित करने के लिए पूरे देश को अंधेरे में रखा गया और 150 से ज्यादा सांसदों को निलंबित कराकर बिल पास कराया गया।

स्वराज आश्रम में वार्ता करते कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा, साथ में विधायक सुमित हृदयेश।

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

बीडीसी बैठक आज

भीमताल : भीमताल क्षेत्र पंचायत की बैठक 23 दिसंबर मंगलवार आज को ब्लॉक सभागार में होगी। यह जानकारी ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने दी है। ब्लॉक प्रमुख बिष्ट ने सभी विभागों के मुखियाओं से पूर्ण तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित होने को कहा है। उन्होंने सदन के सदस्यों जनप्रतिनिधियों से अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं की पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में पहुंचने की अपील की है।

कोटाबाग में प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

कोटाबाग : कोटाबाग मुख्य बाजार में सड़क के किनारे सालों से किए गए अवैध कब्जे को प्रशासन ने हटा दिया है। सोमवार को जिलाधिकारी के निर्देशन पर एसडीएम बिपिन चंद्र पंत के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने कोटाबाग में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया। इससे अतिक्रमणकारियों में हडकंप मच गया। जिसे देख अतिक्रमणकारियों ने खुद ही अपना समान हटाना शुरू कर दिया। राजस्व विभाग की टीम ने 15 साल से अवैध रूप से काबिज 15 फड़, खोखे, टीनशेड को हटाया। इस दौरान राजस्व उपनिरीक्षक मनोज उप्रेती व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला के नहाने का वीडियो भेजा, आरोपी को किया गिरफ्तार

भीमताल : क्षेत्र की एक महिला ने कोतवाली भीमताल में तहरीर देकर स्थानीय युवक पर उसके व्हाट्सएप पर बाथरूम में नहाते समय का वीडियो भेजने का आरोप लगाया है। महिला ने आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपी हिमांशु दानी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

राम जन्म की कथा का वर्णन किया

लालकुआं : राधे-राधे सेवा समिति के तत्वावधान में 25 एकड़ जाल क्षेत्र में आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर राम जन्म उत्सव का भव्य एवं भावपूर्ण आयोजन हुआ। कथा व्यास पं. पंकज मिश्रा मयंक ने राम जन्म की कथा का वर्णन किया। क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर मोहन सिंह बिष्ट, सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल के सीईओ अजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा एवं एसके बाजपेई तथा हेमवती नंदन दुर्गापाल और कमलेश चंदोला को कथा व्यास पं. पंकज मिश्रा मयंक ने पटका पहना तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कुलदीप मिश्रा, उमेश तिवारी, अमन चंद्रा, गुड़िया शाह, किशन चंद्रा, पूजा कश्यप, पूर्णिमा कश्यप, बबली मौर्य, मनजीत कौर, राजो देवी, रुचि शाह, ऋतु, वैशाली, सोनी रहे।

ब्लॉक प्रमुख को मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपते जनप्रतिनिधि और ग्रामीण। ● अमृत विचार

समस्याओं को लेकर प्रमुख को सौंपा ज्ञापन

भीमताल, अमृत विचार : विकास ओखलकांडा के न्याय पंचायत सुनकोट के ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख केडी रूबाली को ज्ञापन सौंप कर मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की। यहां मांग जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने ब्लाक प्रमुख के ग्राम सभा में बैठक में प्रतिभा करने के दौरान की। इस दौरान ग्रामीणों ने सुनकोट कैड़ा गांव 9 किमी मोटर मार्ग के निर्माण, मोटर मार्ग ज्यूसूड़ा बजवाल गांव मोटर मार्ग, न्याय पंचायत सुनकोट के मध्य बैंक शाखा के निर्माण की मांग, न्याय पंचायत सुनकोट के तोक गंगास में पुल निर्माण, कैड़ा गांव से रीठा साहिब पहुंच मोटर मार्ग कुकाना से देवली पहुंच मोटर मार्ग हाई स्कूल कैड़ा गांव का उच्चीकरण, ग्राम पंचायत सुनकोट में जंगली जानवरों से सुरक्षा को तारबाड़ लगवाने और बीएसएनल मोबाइल टावरों की क्षमता को बढ़ाने की मांग की। इस दौरान बीडीसी मेंबर चेतना गोस्वामी, ग्राम प्रधान विमला समेत पूर्व प्रधान कूकना मदन नौलिया रहे।

जिला पर्यटन विकास विभाग की ओर से कार्निवाल का आयोजन, टांकी बैंड से चाइना पीक तक की गई ट्रैकिंग

ट्रैकिंग व बर्ड वॉचिंग के साथ विंटर कार्निवाल का आगाज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और शीतकालीन पर्यटन को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से नैनीताल में सोमवार से विंटर कार्निवाल की शुरुआत हो गई। जिला पर्यटन विकास विभाग की ओर से कार्निवाल की शुरुआत टांकी बैंड से चाइना पीक तक आयोजित ट्रैकिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें 30 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया।

ट्रैकिंग का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या एवं एडीएम विवेक राय ने हरी झंडी दिखाकर किया। युवाओं को ट्रैकिंग के साथ-साथ बर्ड वॉचिंग की भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए क्लीनिंग ड्राइव भी आयोजित की गई। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि ट्रैकिंग एवं बर्ड वॉचिंग के साथ-साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया है, जिसमें सबसे अधिक कूड़ा एकत्र करने वाले वालंटियर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं में प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ेगी। बर्ड वॉचिंग के विशेषज्ञ जगजीवन धामी ने प्रतिभागियों को नैना बर्ड सेंचुरी की विशेषताओं से अवगत कराया और जाड़ों के मौसम में नैनीताल क्षेत्र में आने वाले प्रवासी पक्षियों की जानकारी साझा की। अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा यह ट्रैक एक छोटा प्रशिक्षण ट्रैक है, जिसके बाद आगामी 26 दिसम्बर को बिरला चुंगी से कैंची धाम तक बड़े स्तर पर ट्रैकिंग का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नैनीताल में छोटे स्वरूप में प्रारंभ हुआ यह विंटर कार्निवाल धीरे-धीरे बड़े रूप में सामने आ रहा है और नगर में बेहतर आयोजन किए जा रहे हैं। मालरोड क्षेत्र में जलसा, लखिया भूत, छोलिया नृत्य सहित विभिन्न लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं शाम के समय स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। एसडीएम नवाजिश खलिक, अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा, पीसी मनराल, दयाकिशन पोखरिया, नितिन कार्की, पंकज भट्ट, दीपक मर्तोलिया सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोग रहे।

ट्रैकिंग कार्यक्रम के उद्घाटन पर मौजूद मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या एवं अपर जिलाधिकारी विवेक राय। ● अमृत विचार

अग्निपथ के विरोध में निकाली हस्ताक्षर रैली

पीरूमदारा की सड़कों पर पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ उत्तराखंड कांग्रेस का प्रर्दशन, योजना को समाप्त करने की मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ उत्तराखंड कांग्रेस की ओर से अग्निपथ योजना के विरोध में रविवार को पीरूमदारा क्षेत्र में हस्ताक्षर रैली निकाली गई। रैली पीरूमदारा मुख्य चौराहे से शुरू होकर कटियापुल रोड, शांतिकुंज, बद्री विहार, साईं मंदिर होते हुए काशीपुर रोड से वापस पीरूमदारा मुख्य चौराहे पर समाप्त हुई। रैली में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पूर्व सैनिक विभाग उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन नेगी (सेवानिवृत्त) और कांग्रेस के पूर्व विधायक रणजीत रावत विशेष रूप से मौजूद रहे। रैली के दौरान अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और आमजन से हस्ताक्षर कर समर्थन देने की अपील की गई। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही अग्निवीर योजना का विरोध करती आ रही है। उन्होंने कहा कि सड़क से लेकर सदन तक इस योजना के खिलाफ कांग्रेस ने आवाज उठाई है।

कहा कि उत्तराखंड देश को सबसे ज्यादा सैनिक देने वाला राज्य है। यहां के युवा हर रेजीमेंट में सेवा दे रहे हैं, लेकिन अग्निपथ योजना के जरिए सैनिकों के सम्मान, रोजगार व भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निवीरों को शहीद होने पर भी पूर्ण शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा, जो सैनिकों के मान-सम्मान पर सीधा प्रहार है। कर्नल राम रतन नेगी ने कहा कि जून 2022 में बिना व्यापक चर्चा के अग्निपथ योजना लागू की गई, जिसके तहत युवाओं को केवल चार साल के लिए सेना में भर्ती किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि इस योजना में चार साल बाद सिर्फ 25 प्रतिशत जवानों को ही आगे रखा जाएगा, जबकि 75 प्रतिशत युवाओं को बिना पेंशन, ग्रेच्युटी, सीएसडी और मेडिकल सुविधाओं के घर भेज दिया जाएगा, इतना ही नहीं, चार साल सेवा देने के बावजूद उन्हें पूर्व सैनिक का दर्जा भी नहीं मिलेगा। कर्नल नेगी ने सवाल उठाया कि जब एक जवान को पहले से पता होगा कि उसे चार साल बाद सेवा से बाहर कर दिया जाएगा, तो वह देश की सुरक्षा के लिए किस मानसिकता से कार्य करेगा, उन्होंने इसे देश की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सैन्य परंपराओं के साथ धोखा करार दिया। उन्होंने मांग की कि अग्निपथ योजना को तुरंत रद्द किया जाए, पुरानी भर्ती प्रक्रिया को बहाल किया जाए और वर्तमान अग्निवीरों को स्थायी किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब तक यह योजना वापस नहीं ली जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

इस दौरान पूर्व विधायक रणजीत रावत, भुवन पांडेय, नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, बूथ अध्यक्ष हाजी करीम, जिला महासचिव जावेद खान, शोएब रज़ा, मनोज गोस्वामी, फैजूल हक़, ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत, अनिल अग्रवाल खुलासा, अनीस खान, नज़ाकत अली, नरेश कालिया, शतेश्वरी रावत, गिरधारी लाल, लीलाधर जोशी, वीना रावत, कीर्ति पटवाल, गुलाम सादिक, महेश पांडे आदि रहे।

पीरुमदारा में अग्निपथ योजना के विरोध में जुलूस निकालते कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से बर्बाद हो रहे फल

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल विधानसभा का पूरा क्षेत्र फल और कृषि उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है बावजूद इसके पूरी विधानसभा में एक भी कोल्ड स्टोरेज नहीं है। इस विधानसभा क्षेत्र में भीमताल एक मात्र नगर है इसके अलावा पूरा क्षेत्र ही फल उत्पादक और कृषि उत्पादक क्षेत्र है। क्षेत्र में एक भी कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से यहां के कारण फल उत्पादक कभी भी अपने उत्पादों का सही मूल्य मंडी से नहीं ले पाते। काश्तकारों को अपने फल औने-पौने दामों में बेचने पड़ते हैं या फिर वह पेड़ों में ही सड़ जाते हैं। स्थानीय फल उत्पादकों के मुताबिक जब कोई विशेष फल क्षेत्र में होता है तो पूरे क्षेत्र पर्वतीय क्षेत्र और लगभग एक सा मौसम होने के कारण विशेष फल का उत्पादन हर जगह होता है। कोल्ड स्टोरेज नहीं होने के कारण सभी फल उत्पादकों को अपना उत्पाद मंडी भेजना आवश्यक हो जाता है। अधिक मात्रा के कारण उसको सही दाम नहीं मिल पाते। फल उत्पादकों का कहना है कि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज होता तो वह अपने फल और कृषि उत्पाद को वहां स्टोर कर सकते थे। ऑफ सीजन में उसी फल को मंडी भेजकर अच्छी रकम प्राप्त कर सकते हैं। स्थानीय निवासी मोहन सिंह, मदन सिंह, बिशन सिंह, मोहन राम व दयाराम बताते हैं कि कोल्ड स्टोरेज की मांग लगभग 3 दशकों से की जा रही है। लेकिन आज तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने से फल उत्पादक और काश्तकार खासे निराश है।

रामगढ़, धारी, ओखलाकांडा विकासखंड के अलावा भीमताल का भी कुछ क्षेत्र फल उत्पादक क्षेत्र है। कोल्ड स्टोरेज होने से यहां के फल उत्पादकों और काश्तकारों को खासा फायदा हो सकता था। किंतु कोल्ड स्टोर नहीं होने के कारण काश्तकारों को हर हाल में अपने फलों को मंडी पहुंचना है। स्थानीय जनप्रतिनिधि और शासन को इस और ध्यान देना चाहिए

-लाखन नेगी, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामगढ़

मैंने अपने कार्यकाल में इसके लिए प्रयास किए थे। जिस पर कार्रवाई नहीं हुई। अब क्योंकि प्रदेश के मुख्यमंत्री काश्तकारों और फल उत्पादकों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं तो उनसे कोल्ड स्टोरेज की मांग का निवेदन किया जाएगा।

-दान सिंह भंडारी, पूर्व विधायक

पूछड़ी में बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ ग्रामीणों ने दिया धरना

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: ग्राम पूछड़ी में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पीड़ित परिवारों के साथ विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने तहसील परिसर में धरना देकर सरकार और वन विभाग की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

बता दें कि कुछ दिन पूर्व वन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम पूछड़ी में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई परिवारों को वहां से हटाया था। कार्रवाई के बाद से ही प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे कड़ाके की ठंड में रहने को मजबूर हैं। पीड़ितों का कहना है कि उनके पास न तो रहने की व्यवस्था है और न ही सरकार की ओर से किसी तरह का पुनर्वास किया गया है, जिससे मासूम बच्चों और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। धरना स्थल पर हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि अब उन्हें सरकार और प्रशासन के आश्वासनों पर भरोसा नहीं रहा है और वे न्याय के लिए न्यायालय की शरण लेंगे। यहां प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, एस. लाल सहित कई जनप्रतिनिधियों और संगठनों का समर्थन दिया।

तहसील परिसर में धरने पर बैठे पूछड़ी क्षेत्र के ग्रामीण। ● अमृत विचार

चारों साहिबजादों की वीरगाथा को किया नमन

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: गुरु गोविंद सिंह जी के शहादत दिवस सप्ताह के अवसर पर उनके सुपुत्रों की शहादत, त्याग, वीरता और श्रद्धा को नमन किया गया। सरनजीत कौर ने गुरु गोविंद सिंह जी के चारों वीर पुत्रों की शहादत की गौरवगाथा का उल्लेख करते हुए बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों ने धर्म और अत्याचार के सामने झुकने के बजाय सत्य और धर्म की राह पर चलते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सरनजीत कौर ने बताया कि 20 दिसंबर से 28 दिसंबर तक सफर-ए-शहादत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है।

इस दौरान गुरु गोविंद सिंह जी के चारों पुत्रों और माता गुजरी जी द्वारा धर्म एवं राष्ट्र रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को याद किया जाता है।उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर को गुरु जी का परिवार बिछुड़ गया। 21 व 22 दिसंबर को चमकौर साहिब के युद्ध में बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने अत्याचार के विरुद्ध युद्ध करते हुए वीरगति प्राप्त की। 23 व 24 दिसंबर को माता गुजरी जी और छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह को बंदी बनाकर सरहिंद लाया गया, जहां उन्हें ठंडे बुर्ज में रखा गया। 25 दिसंबर को छोटे साहिबजादों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया, लेकिन अल्पायु होने के बावजूद उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए धर्म परिवर्तन से साफ इनकार कर दिया।

बच्चों की दिलकश प्रस्तुति ने जीता दिल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: यूएसआर इन्दू इंटर कॉलेज वसई में आयोजित यूथ फेस्ट वेव के दौरान स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दिलकश प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। लोकगीतों और लोकनृत्यों की ऐसी सजीव प्रस्तुति दी गई, मानो उत्तराखंड की माटी की सुगंध कार्यक्रम स्थल पर फैल गई हो।

शुभारंभ उपाध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग उत्तराखंड सायरा बानो एवं ब्लॉक प्रमुख रामनगर मंजू नेगी ने किया । विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी, गणित प्रदर्शन, सामाजिक विज्ञान, गृह विज्ञान, हिंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, कॉमर्स प्रदर्शनी के साथ-साथ फूड कॉर्नर, फन गेम्स व माइंड गेम्स भी लगाए गए। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से आगंतुकों का दिल जीत लिया। बच्चों ने हिमाचली, पंजाबी, गुजराती एवं बंगाली नृत्यों की प्रस्तुतियों ने भी सभी अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि सायरा बानो ने बच्चों व अध्यापकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए अपने जीवन अनुभव साझा किए। ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी ने भी बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा की। ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि युवा ही कल के कर्णधार हैं, यदि वे सही दिशा में आगे बढ़ें तो देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। प्रबंधक सुदीप रावत ने कहा कि समिति शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव संघर्षशील और प्रयत्नशील रहेगी। प्रधानाचार्य प्रेमचंद पपनै ने विद्यालय की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की। यहां तलविंदर सिंह, दीपक कुमार, सुनील जोशी, हिमानी बिष्ट, सुनीता जोशी, ममता पडलिया, प्रेम सिंह रावत एवं कमला देवी का विशेष योगदान रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

आयोजन बच्चों ने गरबा, पंजाबी, क्लासिकल, कुमाउनी, जौनसारी, बॉलीवुड, रिमिक्स डांस पेश कर लूटी वाहवाही

धूमधाम से मना सरस्वती पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: नगर के मिनी स्टेडियम में सरस्वती पब्लिक स्कूल, निशौला, भीमताल का 8वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। स्कूल बैंड, हाउस कैप्टन, स्काउट-गाइड एवं कुमाउनी परिधान पहने छात्राओं ने समारोह के अतिथियों को स्वागत किया।

उद्घाटन मुख्य अतिथि व सीईओ गोविंद राम जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी हर्ष बहादुर चन्द तथा पुष्कर लाल टम्टा ने किया। छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना, गरबा नृत्य, केसरी के लाल, योगा, पंजाबी, क्लासिकल, कुमाउनी, जौनसारी, बॉलीवुड, रिमिक्स डांस तथा फौजी एक्ट समेत कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। निदेशक हरीश चन्द सिंह रौतेला ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रधानाचार्या गीता रौतेला तथा उप प्रधानाचार्य पुष्पा सुयाल के नेतृत्व में विद्यालय की वर्ष भर की उपलब्धियों के साथ ही वर्ष 2026-2027 की कार्य-योजना से भी अवगत कराया। इंस्पायर अवार्ड, नवोदय विद्यालय, अंतर-विद्यालयीय एवं शैक्षिक सत्र में विद्यालय में सम्पन्न हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। विद्यालय के संस्थापक स्व. नैत्र सिंह रौतेला की स्मृति में उनके परिजनों की ओर से विद्यालय के एक मेधावी छात्र को पांच हजार रुपये की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ने विद्यालय के बाल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की तैयारी करवाने के लिए शिक्षकों के परिश्रम की प्रशंसा की। पीटीए अध्यक्ष राम पाल सिंह गंगोला, कर्नल हरेंद्र चन्द सिंह रौतेला, अल्पना रौतेला, शकुंतला बिष्ट, शंकर दत्त सुयाल एवं बीएस कार्की, शैलेंद्र बिष्ट, ब्रिगेडियर पंत, पूर्व पीटीए सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन हेमंत बिष्ट ने किया।

सरस्वती पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

ब्लाक स्तरीय सपनों की उड़ान कार्यक्रम में बच्ची को सम्मानित करतीं अतिथि।

ब्लॉक स्तरीय सपनों की उड़ान कार्यक्रम आयोजित

भीमताल : ब्लॉक स्तरीय सपनों की उड़ान कार्यक्रम शैक्षिक वर्ष 2025-26 का आयोजन बीआरसी भीमताल के प्रांगण में किया गया। शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कैना चौहान ने किया। इस दौरान विकासखंड भीमताल के सभी संकुल से चयनित छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। लोक गायन में प्रथम उच्च प्राथमिक विद्यालय सूर्या गांव, लोक नृत्य में उच्च प्राथमिक विद्यालय सूर्यगांव, नुक्कड़ नाटक में सांगुरी गांव राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सूर्य गांव, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिमरन मेहता राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पनिया मेहता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में एसएमसी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें राजकीय प्राथमिक विद्यालय मल्लीताल नैनीताल प्रथम स्थान। कार्यक्रम का संचालन हरीश पाठक ने किया। इस दौरान महेंद्र कुमार हिमांशु कंडवाल, अजय परगाई, तनुजा बेलवाल, दीपा टम्टा, भावना मिश्रा, चित्रेश, मोहन पंत, कमल किशोर, प्रताप राम, लक्ष्मी, कला, राकेश शुक्ला, मीरा सिंह, उमेश आर्य, मीनाक्षी, मो. आरिफ, दिनेश चंद्र बर्गली, आनंदी गुणवंत व जया अधिकारी आदि मौजूद थे।

मोर्चा जिलाध्यक्ष नकवी का स्वागत

कालाढूंगी: सोमवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के जिलाध्यक्ष सय्यद अली नकवी के नगर में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव का हर वर्ग को मिल रहा है। सय्यद अली नकवी ने केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान मोर्चे के प्रदेश महामंत्री महमूद हसन बंजारा, गोपाल बुधलाकोटी, हाजी शाकिर हुसैन, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद राजा, मंडल अध्यक्ष इनायत खान, सभासद नसीम जहां, हाजी तस्लीम कुरैशी, हाजी सन्नवर, नईम अहमद, शमशाद हुसैन समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सिटी ब्रीफ

विधायक कैड़ा ने सुनीं रामगढ़ में जनसमस्याएं

हल्द्वानी : भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने सोमवार को रामगढ़ ब्लॉक सभागार में अधिकारियों व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की और जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं को विधायक के समक्ष उठाया। विधायक कैड़ा ने संबधित अधिकारियों को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की योजनाओं को गांव के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति तक पहुंचाने को कहा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय, रामगढ़ बीडीओ आदि मौजूद रहे।

दंपति में झगड़ा, ट्रक के आगे कूदा पति

रुद्रपुर : सोमवार दोपहर किच्छा हाईवे पर दंपति अपने बच्चों के साथ पैदल जा रहा था। इसी दौरान पति-पत्नी में झगड़ा हो गया। तभी आवेश में पति डिवाइडर को फांदकर हाईवे के दूसरे किनारे सामने से आ रहे ट्रक के आगे कूद गया। चालक ने इमरजेंसी ब्रेक मारे। बावजूद युवक ट्रक के अगले टायर की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। पत्नी-बच्चों की चीख पुकार सुनकर राहगीर सूरज कुमार मौके पर पहुंचे और घायल को टुकटुक से जिला अस्पताल पहुंचाया। युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

बहुद्देश्यीय शिविर में उठीं समस्याएं

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम का 19 गावों के लोगों ने उठाया लाभ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

राजकीय इंटर कॉलेज फूलचौड़ में आयोजित बहुउददेशीय शिविर में बोलते विधायक कालाढूंगी बंशीधर भगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज फूलचौड़ में बहुउददेशीय शिविर लगाया गया। इसमें फूलचौड़ क्षेत्र की लगभग 19 ग्राम सभाओं के ग्रामीणों ने जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हुआ।

शिविर का शुभारंभ कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत एवं प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी ने किया शिविर में 23 सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभान्वित किया गया। विधायक भगत ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं, उनका लाभ शिविरों के माध्यम से सीधे आम नागरिकों तक पहुंचे तथा उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक भगत के सामने लोगों ने जलजीवन मिशन के तहत पानी नहीं आने की शिकायत की। शिविर में मौके पर जलसंस्थान ईई को 10 दिनों के भीतर पानी की समस्या दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पानी 10 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। शिविर में अधिकांश काश्तकारों ने जंगली जानवरों से फसल के नुकसान की समस्या रखी। इस पर विधायक ने वन अधिकारियों को सोलर फेंसिंग लगाने को कहा। पशुपालकों ने बताया गया कि पशुओं का टीकाकरण नहीं किया गया है। इस संबंध में पशुचिकित्साधिकारी को रोस्टर बनाकर प्रत्येक गांवों में टीकाकरण करने को कहा गया। शिविर में बिजली, सिंचाई, पूर्ति, श्रम, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, उद्योग, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी, कौशल विकास, सेवायोजन आदि विभागों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने 37 लोगों का बीपी, शुगर एवं आंखों की जांच की तथा दवाइयां वितरित कीं। आयुर्वेदिक विभाग ने 32 लोगों का स्वास्थ परीक्षण कर औषधि वितरित की। पशुपालन विभाग ने 7 पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी के साथ 39 लोगों को औषधि दी। होम्योपैथिक विभाग ने 68 लोगों को दवा दी। बिजली विभाग ने 5 लोगों के बिलों में संशोधन, समाज कल्याण ने पेंशन के प्रपत्र एवं योजनाओं के बारे में जानकारी, पंचायती राज विभाग ने लोगों के जन्ममृत्यु एवं परिवार रजिस्टर में 17 लोगों का अंकन किया। शिविर में 36 लोगों ने शिकायत दर्ज कराई जिनमें मुख्य तौर पर पेयजल, सिंचाई नगर, आंतरिक सड़क सुधारीकरण, जंगली जानवरों से फसलों के नुकसान आदि शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। यहां बीडीसी सदस्य सुनीता निगलटिया, सोनी दुर्गापाल, भूपेन्द्र क्वीरा, ग्राम प्रधान अनीता बिष्ट, भावना नेगी, निशा कुलियाल, मोहन पाठक, ललित मोहन नेगी, नवीन चन्द्र दुर्गापाल, कृपाल सिंह, मनीष सिंह कुलियाल मौजूद रहे।

जंगली जानवरों से निजात की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः प्रमुख राज्य आन्दोलनकारी एवं पूर्व दर्जा राज्यमंत्री हरीश पनेरु के नेतृत्व में भीमताल विधानसभा के ग्रामीणों ने प्रभागीय वनाधिकारी के कार्यालय का घेराव किया तथा क्षेत्र में जंगली जानवरों के बढ़ते आक्रमण एवं नुकसान के सम्बन्ध ज्ञापन सौंपा।राज्य आन्दोलनकारी हरीश पनेरु ने बताया कि भीमताल विधानसभा के विकासखण्ड ओखलकाण्डा, धारी, रामगढ़ आदि में जंगली जानवर जनहानि के साथ ही फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं।

नुकसान के कारण लोग कृषि छोड़ पलायन को मजबूर हैं। बाघ, भालू के डर से धानाचूली के पास क्वैदल ग्राम सभा के लोग दहशत में हैं और पढ़ने वाले छात्र स्कूल तक नहीं जा रहे हैं। जिसमें वन संरक्षक कुमाऊं ने स्कूली बच्चों के लिए वाहन सुविधा देने के लिए आश्वस्त किया। धरना प्रदर्शन में ग्राम प्रधान किरन देवी, गोविंद बिष्ट, हरिश्चंद्र आर्य, धन सिंह, बालम सिंह, खिमा देवी, हिमानी बिष्ट, जयंती देवी, रोहित बिष्ट, मीना आर्या रहे।

प्रभागीय वनाधिकारी के कार्यालय पर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

गौ रक्षकों ने मेयर को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी, अमृत विचार : गौवंश की सुरक्षा और उनके रेस्क्यू कार्य में आ रही कठिनाइयों के समाधान को लेकर गौ सेवकों ने नगर निगम मेयर को ज्ञापन सौंपा। गौ सेवक जोगेन्द्र राणा जोगी के नेतृत्व में गौ रक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नगर निगम मेयर गजराज बिष्ट से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में रात्रि के समय घायल, बीमार व दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के रेस्क्यू के लिए एम्बुलेंस व जेसीबी की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही सड़कों पर गौवंश को छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी उठाई गई है। गौ सेवकों ने नगर निगम की गंगापुर स्थित 70 बीघा भूमि पर प्रस्तावित गौशाला का निर्माण शीघ्र पूर्ण कर गौवंश को वहां स्थानांतरित करने व गौवंशों की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार हेतु भूमि चिन्हित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। गौ सेवकों ने मेयर से इन सभी विषयों पर शीघ्र व प्रभावी निर्णय लेने का आग्रह किया। इस दौरान जोगेन्द्र राणा, चंदन मलारा, गौरव सुयाल, देव बिष्ट, दीपांशु पोखरिया, रुपेश बगड़वाल, भविष्य रावत, रविन्द्र सिंह, राज रजवार, प्रदीप उप्रेती, गोविन्द आर्य, चंदू महता, हितेश शर्मा, निखिल जोशी, जगदीश देवरी, करण जायसवाल, नवीन रावत, मुकेश जोशी, भुवन रावत, राहुल रॉय, रवि नेगी सहित दर्जनों गौ सेवक उपस्थित रहे।

मोनिका मिस उत्तराखंड और निखिल मिस्टर उत्तराखंड बने

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचारः पंखुड़ियां सांस्कृतिक, पर्यावरण एवं दिव्यांग कल्याण के तत्वावधान में आयोजित पंखुड़िया महोत्सव-2025 (सीजन-15) रविवार देर रात धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

महोत्सव में मोनिका आर्या मिस उत्तराखंड, निखिल चौधरी मिस्टर उत्तराखंड, चांदनी जोशी क्वीन ऑफ कुमाऊं, मिताली असवाल उत्तराखंड सुपर मॉडल, अभिषेक पोप इंडियाज बिगेस्ट डांसर, नवीन हलदार उत्तराखंड बेस्ट डांसर, धरियाल देवल लिटिल चैंप एवं अंजू चंदेल सुपर मॉम रहीं।

निर्णायक डांस इंडिया डांस व डांस प्लस फेम रिंकू जाज, विशाल त्यागी, मेघा परगाई एवं पूनम गुप्ता रहे। मुख्य अतिथि युवा भाजपा प्रदेश महामंत्री दीप कोश्यारी, नगर पंचायत चेयरमैन सुरेंद्र सिंह लोटनी, पूर्व विधायक नवीन दुम्का, जिला पंचायत सदस्य दीपा कमलेश चंदोला, कांग्रेस नेता हरेंद्र बोरा एवं भाजपा नेता हेमंत नरूला ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। संचालन रिम्पी बिष्ट ने किया। महोत्सव में लाखन सिंह मेहता को हल्द्वानी रत्न, डॉली अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, कुमाऊंनी फिल्मों की नायिका व नृत्यांगना हर्षिता कोहली, ब्लॉगर ज्योति अधिकारी को नारी शक्ति, डॉ. जफर सैफी को स्वास्थ्य, भांगड़ा डांस में सरदार जगमोहन सिंह को सम्मानित किया गया।

मिस कुमाऊं प्रतियोगिता के विजेता। ● अमृत विचार

पारा पहुंचा 22 डिग्री दिन में मिली राहत

हल्द्वानीः सोमवार को दोपहर के समय अपेक्षाकृत अच्छी धूप निकली और लोगों ने धूप का आनंद लिया। अपरान्ह होने के बाद पारे में तेजी के साथ गिरावट आ रही है।

हल्द्वानी में सुबह से ही धूप खिल गई। मौसम खुशनुमा बना रहा। दोपहर होने तक धूप और भी तेज हो गई। धूप सेंकते समय लोगों को अपने गर्म कपड़े तक उतारने पड़े। अपरान्ह बाद एकदम से मौसम बदल गया और पारे में भारी गिरावट दर्ज हो गई। अधिकतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था और न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री रहा। मुक्तेश्वर में पारा 22.3 डिग्री रहा। यहां पारा सामान्य से नौ डिग्री ज्यादा रहा। पहाड़ों में दिन के समय अपेक्षाकृत मौसम काफी गर्म हो रहा है। न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री दर्ज किया गया है।

फुटबॉल में बीएलएम एकेडमी विजेता

- फाइनल में बीयरशिबा स्कूल को 3-0 से हराया
- प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने आयोजित किया टूर्नामेंट

संवाददाता, हल्द्वानी

पीएसए फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच में जीत के बाद खुशी मनाते बीएलएम एकेडमी के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः बीएलएम एकेडमी में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (पीएसए) की ओर से आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन सोमवार को फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल मैच में बीएलएम एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीयरशिबा स्कूल को 3-0 से मैच अपने नाम कर फाइनल विजेता बनी।

समापन समारोह में विद्यालय प्रबंधन की ओर विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक साकेत अग्रवाल, निदेशक सौम्या अग्रवाल व प्रधानाचार्या डॉ. गायत्री कंवर ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान किए। वहीं बीएलएम एकेडमी के रिपुंजय मठपाल को सर्वाधिक गोल करने पर गोल्डन बूट, मृदुल जोशी को बेस्ट गोलकीपर के लिए गोल्डन ग्लब्स व दिव्यांशु कांडपाल को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए गोल्डन बॉल अवार्ड से सम्मानित किया गया। शिवालिक स्कूल के सक्षम रावत को इमर्जिंग प्लेयर और इंस्प्रेशन स्कूल को फेयर प्ले अवार्ड प्रदान किया गया।

टूर्नामेंट के सफल संचालन में निर्णायक मंडल के रूप में गोपाल सिंह नेगी, सागर रावत, आनंद देव, अमित वैद, राहुल सरकार, प्रिंस बिष्ट, दिव्यांशु दर्मवाल और कमल खाती की भूमिका सराहनीय रही, जिन्हें समारोह में सम्मानित किया गया। आयोजन समिति से खेल प्रभारी हर्ष गोयल, निश्चल जोशी, हेमंत जोशी, संजय सजवान, वंदना नेगी, रंजना बोरा, त्रिभुवन नित्वाल, रोहित प्रसाद, अंकित चंदोला और भास्कर भट्ट ने सहयोग प्रदान किया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार ने सभी टीमों और खिलाड़ियों को बधाई दी।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में लाभ लेने पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा में लगा निशुल्क नेत्र शिविर

हल्द्वानी, अमृत विचार : गुरुद्वारा गुरु नानकपुरा ठंडी सड़क में गोविंदपुरा और गुरु नानकपुरा क्षेत्र के लोगों के लिए सोमवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर आंखों की जांच करवाई। सरदार कमलजीत सिंह गुजराल और दिलप्रीत सिंह ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य आमजन को निशुल्क नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था। प्रभु नेत्रालय की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने लोगों की आंखों की जांच की और आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी गुरु नानकपुरा की ओर से प्रभु नेत्रालय के सभी डॉक्टरों और सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। कमेटी के पदाधिकारियों हरजीत सिंह सच्चर, जसपाल सिंह कोली, अमरजीत सिंह आनंद, कंवलजीत सिंह गुजराल और दिलप्रीत सिंह ने लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने और नियमित रूप से आंखों की जांच कराने के लिए प्रेरित किया।

28 को एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी

हल्द्वानीः खेल विभाग की ओर से जिला स्तरीय अनुसूचित जनजाति ओपन बालक/बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 28 दिसंबर को सुबह 8 बजे से आयोजित होगी। प्रतियोगिता में 100, 200, 400, 800 व 1500 मीटर दौड़, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक व 4×100मीटर रिले दौड़ (बालक व बालिका वर्ग) की प्रतियोगिता होंगी। प्रतियोगिता में प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत की ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को जिला खेल विभाग की ओर से पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए आधार कार्ड व जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा।

अंडर-19 लीग का हुआ शुभारंभ

गौलापार के एमएस क्रिकेट ग्राउंड में उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि के साथ क्रिकेट खिलाड़ी।। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-19 जिला क्रिकेट लीग का शुभारंभ सोमवार को गौलापार स्थित एमएस क्रिकेट ग्राउंड में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन एसोसिएशन के संरक्षक हरीश रावत ने किया।

उद्घाटन मैच नीरज राठौर क्रिकेट क्लब और सनराइज क्रिकेट क्लब बागेश्वर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइज क्रिकेट क्लब की टीम 32 ओवर में 150 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से उत्कर्ष तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 63 रनों की पारी खेली। नीरज क्लब की गेंदबाजी में आयुष ने 4 विकेट और संस्कार ने 3 विकेट झटककर अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीरज राठौर क्रिकेट क्लब की टीम ने 26 ओवर में 5 विकेट खोकर 151 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से आर्यन गोदियाल ने 54 रन और हर्षल ने नाबाद 40 रनों की उपयोगी पारी खेली। सनराइज क्लब की ओर से हर्ष बिष्ट ने 2व उत्कर्ष तिवारी ने 1 विकेट लिया। उद्घाटन समारोह में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बागेश्वर के अध्यक्ष राम पांडेय, सचिव रमेश दानू, सुरेश सोनियाल, रमेश लोहनी, प्रदीप गढ़िया आदि रहे।

भारत बौद्धिक परीक्षा को आवेदन 31 तक

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर रामनगर में अध्ययरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त छात्र छात्राएं विद्या भारती उच्च शिक्षण संस्थान उत्तराखण्ड एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त आयोजन में भारत बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा में रामनगर महाविद्यालय के संस्थागत छात्रों के अलावा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकते हैं।

आवेदन की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर एवं परीक्षा की तिथि 31 जनवरी 2026 है। परीक्षा में प्रतिभाग करने को प्रत्येक अभ्यर्थी को 100 रुपये परीक्षा शुल्क देना है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस बौद्धिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को एक लाख रुपये की धनराशि, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 2 प्रतिभागियों को पचास हजार रुपये, तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता 4 विजेताओं को 25 हजार रुपये एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले दो सौ विजेताओं को 25 सौ रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी। इस परीक्षा को सम्पन्न कराने को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एमसी. पाण्डे ने समिति बनाई है। जिसमें डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल संयोजक, उपसंयोजक डॉ. नीमा राणा, डॉ. सुभाष पोखरियाल, डॉ. ममता भदोला जोशी एवं परीक्षा प्रभारी डॉ. शरद भट्ट हैं।

खेल-खिलाड़ी

विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि डॉ. मोहन सिंह बिष्ट व अनुराग पांडे ने प्रदान किए पदक

खेलो इंडिया वुशू लीग में प्रदेश की बेटियों का दबदबा

संवाददाता, हल्द्वानी

वुशू खेल के दौरान अंक के लिए संघर्ष करती महिला खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः एमबीपीजी कॉलेज परिसर में खेलो इंडिया विमेंस वुशू लीग के तहत 20 व 21 दिसंबर को आयोजित प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट व विशिष्ट अतिथि अनुराग पांडे मौजूद रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रदेशभर से आई महिला खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। सब जूनियर अंडर-12 वर्ग में तृषा, रिद्धिशा सिंह, काव्यांशी बिष्ट, निर्वाणी जोशी, आशी बिष्ट, इशानी आर्य, ख्याति तिवारी, सृष्टि थापा और प्रज्ञा प्रभानायक ने स्वर्ण पदक जीते। सब जूनियर अंडर-14 वर्ग में पीहू, प्राची बिष्ट, रिनिशा लोहनी, हर्षिता टमटा, सत्यगी पांडेय, दिव्य रावत, अपराजिता और गौरी ने स्वर्ण पदक हासिल किए। जूनियर वर्ग में नीति पांडे, तनुजा, करुणा, धृति सक्सेना और माही ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं सीनियर वर्ग में भूमि सिंह, हिमानी, सानिया मेहता, कृतिका, चमन अंसारी और शिवानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अलावा टाउलू इवेंट में निहारिक, लतिका मेहरा, सुनैना पांडे, श्रेष्ठ लोहनी, प्रिया और अंकिता ने स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। इस मौके पर विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि खेलो इंडिया जैसे आयोजनों से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। विशिष्ट अतिथि अनुराग पांडे ने खिलाड़ियों के अनुशासन, मेहनत की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समापन पर अध्यक्ष विक्रम सिंह खनी, महेंद्र सिंह भाकुनी, लक्ष्मण भट्ट, विजेंद्र सिंह, यश, अंकित बिष्ट, पंकज धर्मवाल, सूरज सिंह रावत सहित अनेक पदाधिकारी व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राज्य ने तीन दिनों में जीते 54 स्वर्ण

संवाददाता, हल्द्वानी

अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में मेडल के साथ जु-जित्सू प्रतियोगिता की नन्ही विजेता खिलाड़ी।

अमृत विचारः राष्ट्रीय सब जूनियर व जूनियर अंडर-18 जु-जित्सु चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों का दबदबा तीसरे दिन भी जारी रहा।

गौलापार के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रतियोगिता के तीसरे दिन उत्तराखंड ने 20 स्वर्ण पदक जीतकर अब तक कुल 54 स्वर्ण पदकों का ऐतिहासिक आंकड़ा छूते हुए स्वर्णिम अर्धशतक पूरा कर लिया। जु-जित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के निदेशक सतीश जोशी ने बताया कि पिछले आठ वर्षों से लगातार राष्ट्रीय चैंपियन रहे उत्तराखंड का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पदक तालिका में उत्तर प्रदेश 28 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है, जबकि हरियाणा 26 स्वर्ण पदक जीतकर तीसरे स्थान पर है। तीसरे दिन छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया।

तीसरे दिन उत्तराखंड के लिए स्वर्ण पदक जीतने वालों में देहरादून के स्वर्णिम ममगई, हल्द्वानी की कृष्णांजली जोशी, अंशिका शर्मा, प्रद्युम्न पांडेय, भव्या जोशी, मयंक कबाड़वाल, याशिका धपोला, अल्मोड़ा के आदित्य बिष्ट, ऊधम सिंह नगर की अनाया, बबीता अधिकारी, चारवी बिष्ट, वंशिका चौधरी, रिधिमा नेगी, नंदनी सागर, रेयांश सिंह, मानस मेवाड़ी, नंदनी व दिवनूर सेट्टी शामिल हैं। प्रतियोगिता में देश के 23 राज्यों से लगभग 800 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जबकि 80 से अधिक रेफरी प्रतियोगिता का संचालन कर रहे हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

माता गुजरी के नाम से द्वार निर्माण की मांग

रुद्रपुर : वार्ड 39 से कांग्रेस पार्षद सौरभराज बेहड़ ने महापौर विकास शर्मा से मुलाकात कर वार्ड में माता गुजरी के नाम से द्वार निर्माण की मांग की और एक ज्ञापन सौंपा। वहीं महापौर शर्मा ने इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए मुख्य नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि द्वार निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। सोमवार को महापौर को सौंपे ज्ञापन में पार्षद बेहड़ ने बताया कि उनके वार्ड क्षेत्र में बेदी सीमेंट के पास स्थित तिराहा स्थानीय लोगों में माता गुजरी के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थान क्षेत्रवासियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने महापौर से आमजन की भावनाओं और क्षेत्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए इस तिराहे पर भव्य द्वार का निर्माण कराया जाए। जिसका नाम माता गुजरी द्वार रखा जाए।

2030 में कॉमनवेल्थ गेम और 2036 में होने हैं ओलंपिक गेम, खेल मंत्री ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

कॉमनवेल्थ गेम में पदक के दावेदार बनें खिलाड़ी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मनोज सरकार स्पोर्टस स्टेडियम के शिवालिक वेलोड्रोम में चल रही 77वीं सीनियर, 54वीं जूनियर और 40वीं सब जूनियर राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप के तहत कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। वहीं खेल मंत्री रेखा आर्या ने चैंपियनशिप में पहुंचकर साइकिलिस्टों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही कहा कि खिलाड़ी 2030 में होने होने वाले कॉमनवेल्थ गेम और 2036 में होने वाले ओलंपिक गेम में मेडल के लिए दावेदार बनें।

वेलोड्रोम में साइकिल चलाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ातीं खेल मंत्री रेखा आर्या।

सोमवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल मंत्री रेखा ने कहा कि साइकिलिंग वेलोड्रोम के बनने के बाद अब यह उम्मीद की जा सकती है कि उत्तराखंड जल्द ही साइकिलिंग की नर्सरी के रूप में उभरेगा।

38वें राष्ट्रीय खेलों के दौरान प्रदेश में जो खेल ढांचा विकसित किया गया है उसमें साइकलिंग वेलोड्रोम सबसे अहम है। खेल मंत्री ने कहा कि आमतौर पर नेशनल गेम्स में ज्यादातर राज्यों को साइकिलिंग का आयोजन दूसरे प्रदेशों में करना पड़ता है। कारण यह सुविधा देश के कुछ चुनिंदा राज्यों में ही उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी नियमित रूप से यहां आकर अभ्यास करें, जिससे वें 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम और 2036 के ओलंपिक में पदक के दावेदार बन सके। वहीं इस आयोजन में देश भर के लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 600 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

इस अवसर पर साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ओंकार सिंह, सचिव मनिंदर पाल सिंह, उत्तरांचल ओलंपिक संघ के महासचिव डीके सिंह, उत्तराखंड साइकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विमल चौधरी, उत्तराखंड साइकलिंग एसोसिएशन के सचिव देवेश पांडे, जिला अध्यक्ष डॉ.नागेंद्र शर्मा, विजय पाठक आदि उपस्थित रहे।

गदरपुर में महारैली निकालते लोग। ● अमृत विचार

प्रभु यीशु मसीह सोसायटी ने निकाली महारैली

गदरपुर : क्रिसमस के पावन पर्व के उपलक्ष्य में यीशु भक्त सत्संग सोसायटी के द्वारा ग्राम राम जीवनपुर नंबर 3 से एक महा रैली का आयोजन किया गया। रैली ग्राम रामजीवनपुर से मुख्य बाजार होते हुए दिनेशपुर मोड़ से वापस ग्राम राम जीवन पुर पहुंचकर संपन्न हुई । रैली में यीशु भक्ति सत्संग सोसायटी के अध्यक्ष पास्टर सुरेंद्र सागर द्वारा प्रभु यीशु के जन्म दिवस के बारे में प्रकाश डाला गया ,वहीं उनके द्वारा कहा गया कि यीशु मसीह संपूर्ण संसार के लोगों के लिए उद्धार का मार्ग हैं। महारैली में अध्यक्ष सुरेंद्र सागर ,उपाध्यक्ष सरिता सागर के अलावा सदस्य अजय कुमार, सुमित कुमार, अभिषेक मसीह, रेखा सिंधी, सौरभ, पूजा, नेहा, कोमल, भावना, वंदना, शिवा, अभि, सुमन आदि शामिल रहे।

डी श्रेणी की मदों को ए श्रेणी में लाने के निर्देश

रुद्रपुर के जिला सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने संबंधित अधिकारियों के साथ बीस सूत्री कार्यक्रम की समीक्षा की। इस दौरान माह अक्टूबर 2025 में जारी रैंकिंग में डी क्षेणी में आये मदों, हर घर जल, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, पीएमजीएसवाई के संबंधित अधिकारियों से डी श्रेणी आने के संबंध में जानकारी ली। साथ ही संबंधित अधिकारियों को डी श्रेणी की मदों को ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिए।

सोमवार को जिला सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ने बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत बी और सी श्रेणी में प्राप्त मदों से संबंधित अधिकारियों को भी ए श्रेणी प्राप्त करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाए।

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि कभी-कभी पात्र व्यक्ति योजनाओं की जानकारी न होने के कारण लाभ नहीं ले पाते हैं। इसलिए विभाग आपसी समन्वय बनाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को सभी मदों में ए श्रेणी प्राप्त करने और जनपद को विगत वर्ष की भांति ही प्रथम स्थान प्राप्त करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत दो मदों में जनपद में मानक से अधिक लक्ष्य होने से रैंकिंग प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की मद में शासन को लक्ष्य कम करने के लिए पत्राचार किया गया है। अधिशासी अभियंता पेयजल खटीमा द्वारा अवगत कराया गया कि हर-घर जल योजना में शासन से पूर्ण हुए कार्यों की धनराशि अवमुक्त होने के बाद इस मद में ए श्रेणी रैंकिंग प्राप्त कर लेंगे। अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई ने बताया कि पीएमजीएसवाई मद में माह मार्च, 2026 में कार्य कराते हुए ए श्रेणी प्राप्त कर लिया जाएगा।

ये अधिकारी रहे मौजूद

संयुक्त निदेशक अर्थ एवं संख्या व बीस सूत्री कार्यक्रम टीएस अन्ना, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ .केके अग्रवाल, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, प्रभारी जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रीति चोपड़ा, अपर सांख्यिकी अधिकारी देहरादून अरविंद सैनी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीएस डांगी, सुशील कुमार आदि।

ग्राम पंचायत भमरौला में संवाद कर ली योजनाओं की जानकारी

बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ने ग्राम पंचायत भमरौला में पहुंचकर स्थानीय लोगों से संवाद कर सरकार द्वार चलायी जा रही जनकल्याकारी योजनाओं की जानकारी ली। जन जन की सरकार-जन जन के द्वार कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन किया जा रहा। उन्होंने कहा कि शिविर में अधिक से अधिक लोग पहुंचकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाए। ग्राम प्रधान गौसिया रहमान ने क्षेत्र में कराये गये कार्यों की जानकारी दी।

बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदू युवक की निर्मम हत्या कर सरेआम जलाए जाने की घटना के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका।

भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला लेकर नगर में प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सुभाष चौक में पुतला दहन से पूर्व वक्ताओं ने कहा कि पिछले गत वर्ष बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार में वृद्धि हुई है। वहां के हिंदू डरे सहमे हुए हैं। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस मौके पर गोविन्द तालुकदार, संजय बछाड़, रविंद्र विश्वास, देबू मंडल, विधान सरकार, तारक मंडल, कृपा सिंधु, रिपु सुदन, अशोक विश्वास, जगदीश डालमिया, मयंक अग्रवाल, विष्णु प्रमाणिक, माखन मंडल, विपुल विश्वास, कैलाश पाठक, संजीत हालदार, गोविंद पोखरिया, सुबल विश्वास आदि मौजूद थे।

फर्जी दस्तावेजों को लेकर 221 आवेदकों को नोटिस दिए

गदरपुर: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदोरिया के निर्देश पर तहसील में पिछले तीन वर्षों के दौरान जारी किए गए प्रमाण पत्रों की सघन जांच अभियान जारी है। इस जांच में अब तक 221 प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए गए हैं, जिनके आवेदकों को प्रशासन ने नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

कार्यवाही के तहत, पर्याप्त साक्ष्य न होने पर दो स्थाई निवास प्रमाण पत्रों को निरस्त कर दिया गया है। ये प्रमाण पत्र सोनू रस्तोगी (चक्कीमोड़) और कुमारी शालू (सकैनिया) के नाम पर थे। तहसीलदार लीना चंद्रा की जांच रिपोर्ट के आधार पर उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह ने यह निरस्तीकरण आदेश जारी किया। इसके अलावा, चार जाति प्रमाण पत्रों को रद्द करने हेतु जिला स्क्रूटनी कमेटी को भेजा गया है।

तहसीलदार ने बताया कि आवेदकों ने गलत और कूटरचित तथ्यों के आधार पर ये प्रमाण पत्र बनवाए थे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निरस्त प्रमाण पत्रों का उपयोग अवैध माना जाएगा और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कुमाऊं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को मास्टर ट्रेनर ने दिया प्रशिक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: स्थानीय सुशासन में महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने दीप जलाकर शुभारंभ किया।

सोमवार को प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से कुमाऊं मंडल के निर्वाचित प्रतिनिधियों को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे निर्वाचित महिलाएं स्वयं गांव स्तर पर कार्ययोजना बनाकर विभिन्न विकास कार्य को

प्रशिक्षण में जानकारी देते सीडीओ दिवेश शाशनी। ● अमृत विचार

करा सके।

इसके अलावा उन्होंने अतिरिक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में ग्राम पंचायतों को मॉडल ग्राम पंचायत बनाये जाने का प्रयास किये जाने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल ने बताया कि बदलाव का नेतृत्व, महिलाओं का सशक्तिकरण, प्रधान पतियों के हस्तक्षेप की प्रथा को समाप्ति के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधान के परिजनों का प्रधान के कार्य संपादन में हस्तक्षेप किया जाना 73 वें संविधान संशोधन के अनुरूप नहीं है। एसपीआरसी टीम निदेशालय पंचायतीराज सुबोध भंडारी ने बताया कि प्रधानपतियों के वर्चस्व, दबदबे के संबंध में महिला प्रतिनिधियों को जागरूक किया जाए कि जनता ने आपको चुना है। प्रशिक्षण अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत गणेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

एसआईआर की प्रक्रिया से भयभीत न हों मतदाता

● नगर पंचायत चेयरमैन ने बीएलओ की ली बैठक

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले नगर पंचायत शक्तिगढ़ में नगर की समस्त बीएलओ के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बीएलओ ने सोशल मीडिया के माध्यम से एसआईआर से संबंधित विभिन्न जानकारी को साझा किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बीएलओ निर्मला ने बताया कि मतदाताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। बस, वह साल 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम खोजकर उसका प्रिंट आउट निकाल कर अपने पास रख लें। उन्होंने कहा कि यदि साल 2003 में आपका वोट अगर उत्तराखंड या बाहरी किसी राज्य में था तो उस राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर मतदाता सूची उपलब्ध है। आप अपना नाम वहां से सर्च करके वोट लिस्ट का प्रिंटआउट अपने पास रख लें।

अगर आपका साल 2003 में वोट नहीं था तो अपने माता-पिता के वोटर लिस्ट की जानकारी लेकर उसका प्रिंटआउट रख लें। अगर आपके माता, पिता या आपके वोट की जानकारी नहीं मिल पा रही है। तो चुनाव आयोग की ओर से निर्धारित 12 दस्तावेजों (आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, सरकारी/अर्ध-सरकारी कार्यालय का पहचान पत्र, शिक्षण संस्थान का छात्र पहचान पत्र, बिजली, पानी या टेलीफोन (लैंडलाइन/मोबाइल) बिल, बैंक/डाकघर की पासबुक, जिसमें पता अंकित हो, राशन कार्ड, किराया अनुबंध, सरकारी विभाग की ओर से जारी आवास आवंटन पत्र/आवास प्रमाण,गैस कनेक्शन की रसीद या बुक) में से कोई भी दस्तावेज रख लें।

नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने नगरवासियों ने अपील की है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। आपको फिलहाल बीएलओ को केवल अपनी साल 2003 के वोट के संबंध में जानकारी उपलब्ध करानी है, कोई दस्तावेज नहीं देना है। वहां सभासद गोविंद सरकार, बीएलओ प्रेमा सरकार, मंजू आर्य, गुलाबी, रेखा मित्रा, देवाशीष पोद्दार सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीएलओ की बैठक लेते नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल। ● अमृत विचार

सनफ्लावर स्कूल करेगा खेल महाकुंभ की मेजबानी

जसपुर : महुआडाबरा के वीएसएम सनफ्लावर स्कूल द्वारा खेल महाकुंभ की मेजबानी की जाएगी। जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य हरिओम सपरा ने बताया कि विद्यार्थियों के विकास, खेल भावना जगाने को खेल महाकुंभ का आयोजन 24 दिसंबर से विद्यालय के खेल मैदान में होगा। इसमे भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, दौड़, कबड्डी, खो-खो एवं अन्य एथलेटिक खेल शामिल होंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भरतपुर नं०-1 तहसील-हल्द्वानी जिला-नैनीताल के खसरा नं०-63 मिन रकबा 213.38 वर्ग मी० अथवा 2296 वर्ग फिट भूमि के बैनामे/प्रॉपर्टी सम्बंधित मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है। इसका विवरण इस प्रकार है-विक्रेता- सतवंत सिंह सतनाम सिंह पुत्र श्री अजायब सिंह निवासी ग्राम नाथूपुर पाडली, तह० हल्द्वानी क्रेता- देवकी देवी पत्नी श्री राजेश दत्त निवासी ग्राम भरतपुर नं०-1 तह० हल्द्वानी जिला नैनीताल, जो उपनिबंधक कार्यालय हल्द्वानी प्रथम में बही नं०-1 जिल्द (1232) पृष्ठ (217 से 220) व क्रमांक (1016) है दिनांक 12/02/2004 पंजीकृत है। इस रजिस्ट्री के मिलने पर निम्न पते पर सूचित करें। इसका उपयोग किसी भी बैंक अथवा संस्था द्वारा पूर्णतयः अवैध माना जाएगा। उक्त रजिस्ट्री केनरा बैंक, बरकिन्डा शाखा जिला अल्मोड़ा में ऋण विरुद्ध साम्यमूलक बंधक की गयी है। अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो शाखा केनरा बैंक, बरकिन्डा शाखा जिला अल्मोड़ा अथवा दया जोशी पत्नी शंकर दत्त निवासी ग्राम छानी, मासी जिला अल्मोड़ा से 14 दिन में लिखित सम्पर्क करें।

ग्राम सभा गौहर पटिया में चला सफाई अभियान

खटीमा : ग्राम सभा गौहर पटिया में ग्राम प्रधान गीता ज्याला द्वारा सफाई कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए स्थानीय नागरिकों को रोजगार दिया जा रहा है। इस दौरान प्रधान ने ग्रामवासियों से आग्रह किया कि वे अपने घरों के आसपास कचरा न फैलने दें। शीशे की बोतलें, पॉलिथीन, प्लास्टिक इत्यादि हानिकारक अपशिष्ट पदार्थों को नाली व खेतों में न फेकें। साथ ही सफाई अभियान के अतिरिक्त प्रधान द्वारा अपनी कार्यसूची के अंतर्गत क्षेत्र में जरूरतमंदों को उचित सहायता, चिकित्सा शिविर आयोजन, आधार कार्ड में संशोधन की व्यवस्था और रात्रि प्रकाश हेतु पोलों में स्ट्रीट लाइट फिटिंग इत्यादि कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

माताएं देखें कि बच्चे मोबाइल का गलत उपयोग न करें: रेखा

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: हीरावती माधवानंद जोशी सरस्वती विहार सीनियर सेकेंडरी स्कूल शांतिपुरी में मातृ सप्तशक्ति संगम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ऊधमसिंह नगर संघ कार्यवाहिका रेखा भाटिया व मुख्य वक्ता क्षेत्र कार्यवाहिका नीमा अग्रवाल ने दीप जलाकर किया।

मुख्य अतिथि भाटिया ने कहा कि आज के दौर में बच्चों में मोबाइल के गलत उपयोग की लत लगातार बढ़ती जा रही है। जिसे हमारी माताओं को रोकना होगा। सप्त शक्ति संगम की मुख्य वक्ता नीमा अग्रवाल ने अपने कुटुम्ब प्रबोधन एवं पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि पर उद्बोधन दिया। कहा कि अखिल भारतीय विद्याभारती के शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चे समाज में राष्ट्र सेवा व देश भक्ति का संदेश देने का काम कर रहे हैं। जहां बच्चों को उपकृष्ट एवं संस्कारिक शिक्षा दी जाती है। इस दौरान लीला मेहता व कमला देवी को विशिष्ट महिला सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान कविता तिवारी ने की। विद्यालय की बहनों द्वारा रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, गौरा देवी, कल्पना चावला, सावित्रीबाई फुले और किरण बेदी का रूप सज्जा किया।

शांतिपुरी में आयोजित मातृ सप्तशक्ति संगम में मंचासीन अतिथि।

उक्रांद सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष का स्वागत

खटीमा : उत्तराखंड क्रांति दल के नवनिर्वाचित उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया के देहरादून से खटीमा लौटने पर स्वागत किया गया। देहरादून से लौटे भाटिया ने सबसे पहले शहीद स्थल पर पहुंचकर राज्य निर्माण सेनानी शहीदों को नमन किया। उसके बाद सभी कार्यकर्ता रैली की शक्ल में सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धन बहादुर चंद के निवास नदन्ना पहुंच खुशी का इजहार किया। केंद्रीय अध्यक्ष भाटिया ने कहा कि उक्रांद ने पहली बार खटीमा कुमाऊं मंडल को राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष पद से हमें नवाजा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी, धन बहादुर चंद, विनोद राजपूत, होशियार सिंह जेठी, दुर्गा सिंह सामंत मौजूद रहे।

दिवंगत दिगम्बर प्रसाद जोशी के आवास पर परिवारजनों को सांत्वना देते बेहड़।

सैनिक संगठन अध्यक्ष के निधन पर जतायी संवेदना

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने शांतिपुरी सैनिक संगठन अध्यक्ष दिवंगत दिगम्बर प्रसाद जोशी के घर पहुंच कर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार जनों को सांत्वना दी और दिवंगत जोशी के निधन को पूर्व सैनिक समुदाय के लिए अपूणीय क्षति बताया।

सैनिक संगठन अध्यक्ष जोशी की बीते 19 दिसम्बर की रात को हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। शोक व्यक्त करने वालों में युवा कांग्रेसी बिशन सिंह कोरंगा आदि ग्रामीण रहे।

ब्रीफ न्यूज

भूसे के ढेर में लगी आग से गाय व बछड़े की मौत

खटीमा : बिगराबाग में भूसे के ढेर में आग लगने से गौशाला में बंधे पशुओं की दम घुटने से मौत हो गई। ग्रह स्वामी की आंख खुली तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई मौके पर पहुंची दमकल ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। सोमवार की सुबह बिगराबाग निवासी दीपचंद कापड़ी के मकान की बगल में स्थित भूसे की ढेर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। जिससे गौशाला में बंधे गाय और उसके बछड़े की दम घुटने से मौत हो गई। आग लगने की सूचना खटीमा फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग ने बमुश्किल आज पर काबू पाया। आगजनी से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

चेक बाउंस के दोषी को 15 दिन का कारावास

काशीपुर : प्रथम अपर सिविल जज (जूडि)/ न्यायिक मजिस्ट्रेट दीप्ति पंत की अदालत ने चेक बाउंस के दोषी को 15 दिन के साधारण कारावास की सजा व 45 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया। मोहल्ला महेशपुरा निवासी मथुरा प्रसाद ने न्यायालय में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत वाद दायर किया। जिसमें कहा कि ग्राम शिवनाथपुर, मालधन चौड़ नंबर दो निवासी मोहनराम उर्फ मनमोहन को उसने 80 हजार रुपये एक वर्ष के लिए उधार दिए थे। एक वर्ष बाद तकादा करने पर अभियुक्त मोहनराम ने 27 जुलाई 2021 का चेक दिया। जो भुगतान के लिये बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। बाद में अभियुक्त ने 40 हजार रुपये की धनराशि वापस कर दी। न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए 15 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

ग्राम बरा में एक परिवार पर तीन बार हमला

किच्छा : पुलभट्टा थाना अंतर्गत ग्राम बरा में दबंगों ने पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार पर जमकर कहर बरपाया। पीड़ित रवि गिरी के अनुसार, दो वर्ष पुराने विवाद का बदला लेने के लिए आरोपी सूरज, सोनू और रविंद्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किया। बीच-बचाव करने आए विवेक और आकाश गिरी को भी गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने सोने की चेन भी लूट ली। हैरान करने वाली बात यह है कि अस्पताल में उपचार और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर घर लौटे पीड़ितों पर दबंगों ने दोबारा हमला कर दिया। शाम को जब पीड़ित का छोटा भाई आकाश दूध सप्लाई के लिए निकला, तो आरोपियों ने उसे घेरकर मारपीट की, उसकी बाइक क्षतिग्रस्त कर दी और कई लीटर दूध सड़क पर बहा दिया। पीड़ितों ने हमले का वीडियो पुलिस को सौंपकर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

प्रॉपर्टी डीलर समीर हत्याकांड के तीन दोषियों को आजीवन कारावास, दस हजार अर्थदंड

वर्ष 2018 में किच्छा में हुई थी समीर की निर्मम हत्या, तृतीय अपर जिला जज ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

समीर अहमद। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: वर्ष 2018 में प्रॉपर्टी डीलर समीर हत्याकांड की सुनवाई करते हुए तृतीय अपर जिला जज ने हत्याकांड के तीन दोषियों को आजीवन कारावास और दस-दस हजार रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई। साथ ही पुलिस प्रशासन को आदेशित किया कि हत्याकांड के फरार तीन दोषियों की भी जल्द गिरफ्तारी कर अदालत में पेश किया जाए। ताकि सजा का ऐलान हो सके।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि 3 मई 2018 को किच्छा कोतवाली के वार्ड-6/11 निवासी प्रॉपर्टी डीलर समीर अहमद को आदित्य चौक पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। सनसनीखेज हत्याकांड में अंग्रेज सिंह उर्फ रिंकू, प्रसन्नजीत सिंह उर्फ सन्नी, गुरचरण सिंह उर्फ बंटी, जसविंदर सिंह और सुखदेव सिंह उर्फ सुक्खा का नाम सामने आया। तफ्तीश में यह भी पता चला कि हत्याकांड का मास्टर माइंड रंदीप सिंह उर्फ राजा है। जिसके इशारे पर ही हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने तफ्तीश में नामजद पांचों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

सभी अभियुक्त जमानत पर रिहा हुए थे। 18 दिसंबर को हत्याकांड की सुनवाई करते हुए अदालत में मौजूद अंग्रेज सिंह, प्रसन्नजीत सिंह और गुरचरण सिंह को पुलिस कस्टडी में हल्द्वानी जेल भेज दिया था। 22 दिसंबर को सजा मुकर्रर की तिथि घोषित कर दी थी। सोमवार को सुनवाई करते हुए तृतीय अपर जिला जज मुकेश कुमार आर्य ने तीनों दोषियों को सश्रम आजीवन कारावास और दस-दस हजार का अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

साथ ही आदेशित किया कि जसविंदर सिंह, सुखदेव सिंह और मुख्य आरोपी रंदीप सिंह को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए।

जमानती होंगे तलब, 200 पन्नों की बनी फाइल: समीर हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीन दोषियों की गिरफ्तारी होने के बाद अब अदालत ने फरार चल रहे जसविंदर सिंह और सुखदेव सिंह उर्फ सुक्खा के जमानतियों को तलब करेगी। जिनके द्वारा दोषियों की जमानत ली थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यदि फरार दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो अदालत जमानतियों पर कार्रवाई कर सकती है। वहीं हत्याकांड की न्यायिक कार्रवाई 200 पन्नों की समीर हत्याकांड की फाइल बन चुकी है। जिसमें पिछले सात सालों की कार्रवाई का लेखा जोखा व दोषियों की पटकथा लिखी हुई है।

जिगरी यार ही बना था समीर का हत्यारा

रुद्रपुर : किच्छा के सनसनीखेज समीर हत्याकांड में जिस साजिशकर्ता एवं मुख्य आरोपी का नाम सामने आया था। वह रंदीप सिंह उर्फ राजा निवासी ओमेक्स कॉलोनी रुद्रपुर आपस में जिगरी यार थे। जब समीर प्रॉपर्टी के धंधे में आगे बढ़ता चला गया और किच्छा के ट्रांसपोर्ट नगर की भूमि पर काबिज हो गया तभी से रंदीप उर्फ राजा समीर से दुश्मनी रखने लगा। साथ ही विवादित भूमि के दूसरे गुट के साथ मिलकर रंदीप ने ही समीर हत्याकांड की साजिश रच डाली थी। एक दौर वह था कि जब समीर व रंदीप की यारी चर्चाओं में रहती थी, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि रंदीप ही मास्टरमाइंड होगा।

पुलिस कस्टडी से हुआ था फरार, 7 सालों से नहीं गया है पकड़ा

समीर अहमद हत्याकांड मामले में जहां किच्छा कोतवाली पुलिस ने पांच अभियुक्तों यानी शूटर को नामजद व चिन्हित कर गिरफ्तार भी कर लिया था, लेकिन हत्याकांड का शातिर साजिशकर्ता रंदीप सिंह उर्फ राजा पिछले सात सालों से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा है। बताया यह भी जा रहा है कि लुक आउट सर्कुलर जारी होने के बाद मुख्य साजिशकर्ता रंदीप सिंह उर्फ राजा को मुंबई एयरपोर्ट से पकड़ लिया था, लेकिन यूपी के पिलखुआ के समीप मुख्य साजिशकर्ता पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। आज तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई। ऐसे में मुख्य दोषी को गिरफ्तार करना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ब्लाइंड था मर्डर, सीसीटीवी से जुड़ी कड़ी

रुद्रपुर : 3 मई 2018 को किच्छा के आदित्य चौक स्थित शर्मा ढाबे के बाहर दिनदहाड़े समीर अहमद को बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्याकांड लंबे समय तक एक ब्लाइंड मर्डर बना रहा और प्रारंभिक जांच में किसी की भी संलिप्तता सामने नहीं आई। जब तत्कालीन एसएसपी डॉ. सदानंद दाते ने एक विशेष जांच टीम बनाई और बारीकी से सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया तो हत्याकांड और हत्यारों की कड़ी जुड़ती चली गई और कुछ ही दिनों बाद ही हत्याकांड का खुलासा और पांच हत्यारों की गिरफ्तारी भी हुई।

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते भाकपा माले नेता। ● अमृत विचार

मनरेगा को लेकर भाकपा माले ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

- मनरेगा को कमजोर करने का आरोप, ढांचे को मजबूत करने का उठाया मुद्दा

अमृत विचार : भाकपा (माले) के नेताओं ने मनरेगा कानून को कमजोर करने का मुद्दा उठाते हुए विरोध जताया और प्रदर्शन किया। साथ ही राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा।

सोमवार डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन के दौरान को भाकपा (माले) नेताओं का कहना था कि केंद्र सरकार गोपनीय ढंग से संसद में मनरेगा को समाप्त करने के लिए वीबी ग्राम विधेयक लाई है। जिसका पहला शिकार काम का अधिकार ही होगा। जिसका सीधा असर गरीब तबके के मजदूर वर्ग पर पड़ेगा। उन्होंने मनरेगा ढांचे को मजबूत करने का मुद्दा उठाते हुए मनरेगा को कृषि कार्यों से जोड़ने, नई योजना में खेती-किसानी सीजन में 60 दिन तक खेतिहर मजदूरों को रोजगार दिया जाए।

इसके अलावा राज्यों को इस योजना बजट को बढ़ाने, नई मनरेगा योजना को रद्द करने व ढांचे को मजबूत करने, 200 दिन में काम और 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की गारंटी दी जाए। उन्होंने आगाह किया कि यदि सरकार ने जल्द ही मांगों पर गौर नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला सचिव ललित मटियाली, उत्तम दास, विजय शर्मा, नरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

घर लौट रहे बाइक सवार की ट्रक से टकराकर मौत

संवाददाता, काशीपुर

अनिकेत। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: जिला मुरादाबाद के तहसील ठाकुरद्वारा के ग्राम रामूवाला गनेश निवासी अनिकेत सिंह (23) शादी-पार्टी में वीडियोग्राफी व खेतीबाड़ी का काम करता था। साथ ही कंप्यूटर कोर्स कर रहा था। बीते रविवार को वह अपने मामा के घर काशीपुर के ग्राम लालपुर बक्सौरा में आया था। वह देर शाम को मामा के घर से लौट रहा था। इसी दौरान मुरादाबाद रोड स्थित सूर्या पुलिस चौकी से पहले स्पीड ब्रेकर पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सामने जा रहे ट्रक के पीछे से टकरा गई। टक्कर लगने से अनिकेत गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सूर्या पुलिस चौकी की पुलिस ने परिजन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर रूप से घायल अनिकेत को मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के चाचा नरेश सिंह ने बताया कि पिता बलवीर सिंह ब्लॉक कार्यालय में सर्विस करते हैं। अनिकेत अपने पीछे बड़ा भाई सचिन, बहन किरन व कंचन, माता संतोष देवी व पिता को रोता-बिलखता छोड़ गया है।

नाबालिग को भगाने का लगाया आरोप

किच्छा: कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में युवक द्वारा 16 वर्षीय नाबालिग को अपने साथ भगाकर ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता दादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर नाबालिग तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली अंतर्गत लालपुर निवासी महिला ने बताया कि विगत 16 दिसंबर को पीड़िता की गैर मौजूदगी में ग्राम लालपुर निवासी सोनू नाम का युवक उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पोती को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी आरोपी सोनू द्वारा उसकी पोती को अपने साथ ले जाने की कोशिश की गई थी, परंतु महिला के हस्तक्षेप के चलते आरोपी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो पाया। पूर्व में भी आरोपी सोनू निकटवर्ती ग्राम निवासी एक अन्य लड़की को अपने साथ भगाकर ले गया था।

पिथौरागढ़ के पूर्व सैनिक ने की नौकरी का झांसा देकर ठगी

संवाददाता, रुद्रपुर

- साइबर क्राइम पुलिस की जांच में चला पता
- खाता था फ्रीज, तीन लाख की कर चुका है ठगी

अमृत विचार: साइबर क्राइम पुलिस की बैंक खाता तफ्तीश में एक ऐसे पूर्व सैनिक का पता चला है जो पूर्व सैनिकों को ही नौकरी का झांसा देकर रुपये हड़पने का धंधा करता था। तफ्तीश में यह भी पता चला कि अभियुक्त जितेंद्र ने कई पूर्व सैनिकों को नौकरी का झांसा दिया और बीस हजार रुपये कमीशन की बात कह कर ठगी का कार्य किया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पिथौरागढ़ के एक पूर्व सैनिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताते चलें कि साइबर अपराधों से संबंधित संदिग्ध म्यूल खातों की तफ्तीश साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शुरू की। जब म्यूल खातों की सूची के आधार पर पुलिस स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की जानकारी ली तो पता चला कि खाता बलगरी बेरीनाग पिथौरागढ़ निवासी जितेंद्र सिंह असवाल के नाम पर है। जब बैंक के उप प्रबंधक योगेंद्र चंद्र भट्ट से डिटेल मांगी तो बैंक रिकॉर्ड में खाता जितेंद्र सिंह और लक्ष्मी कार्की के नाम पर है। जिसमें 31002 रुपये होल्ड हैं।

इस संबंध में जब खाताधारक जितेंद्र से पूछताछ हुई तो अभियुक्त ने बताया कि वर्ष 2013 में वह 19 कुमाऊं आर्मी में भर्ती हुआ था। वर्ष 2021 में मेडिकल के आधार पर स्वेच्छा के आधार पर नौकरी छोड़ दी। सेना के डीजीआर में एक साल नौकरी कर छोड़ने के कारण अक्सर पूर्व सैनिक जॉब का आवेदन करते थे। वर्ष 2022 में अभियुक्त पूर्व सैनिक जितेंद्र ने भूतपूर्व सैनिक पुनर्वास एवं पुनः रोजगार का संगठन बनाया और खुद को फील्ड ऑफीसर बताते हुए पूर्व सैनिकों को कॉल कर सुरक्षा अधिकारी और सुरक्षा गार्ड की नौकरी दिलाने का झांसा देने लगा।

नौकरी लगाने की एवज में सेवानिवृत हवलदार एवं अभियुक्त जितेंद्र बीस हजार रुपये कमीशन लेने की बात कहता रहा। जांच में यह भी पता चला है कि अभियुक्त ने आठ से दस पूर्व सैनिकों को नौकरी का झांसा देकर करीब तीन लाख रुपये की ठगी कर चुका है।

युवक को तलवार मारकर किया घायल

रुद्रपुर: बदमाश प्रवृति के युवकों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि युवक के सिर पर तलवार मारकर पुरानी रंजिश निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है।

आदर्श कॉलोनी निवासी सरिता ने बताया कि दीवाली के दौरान कुछ युवक इंदिरा कॉलोनी रामलीला मैदान के समीप स्थित दुकान पर पटाखे फोड़कर हुड़दंग काट रहे थे। जब दुकान मालिक ने विरोध किया तो युवक बुजुर्ग से अभद्रता करने लगे और बेटों ने बीच बचाव कर मामला रफा दफा कर दिया, लेकिन आरोपी युवक रंजिश रखने लगे। कुछ दिन बाद ही बेटे से हाथापाई भी की, लेकिन शहर के संभ्रांत नागरिकों के हस्तक्षेप के बाद शिकायती पत्र को वापस कर लिया था। बताया कि 20 दिसंबर की शाम साढ़े चार बजे दुकान पर छोटा बेटा आर्यन सिंह बैठा हुआ था।

शादी का वादा कर चार साल तक किया दुष्कर्म

संवाददाता, रुद्रपुर

- प्रेम जाल में फंसाकर दिया धोखा, पुलिस ने मामले की शुरू की जांच

अमृत विचार: थाना दिनेशपुर की रहने वाली एक युवती ने प्रेमी पर शादी का वादा कर चार साल तक दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद दिनेशपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार चक्की मोड़ दिनेशपुर की रहने वाली एक युवती ने बताया कि उसका पांच साल पहले बाजपुर निवासी एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। पिछले चार साल से युवक शादी का वादा करता रहा और उसके साथ जबरन दुष्कर्म करता रहा। जब उसने शादी का दबाव बनाया तो जून माह और अगस्त में दो बार पंचायत हुई। पंचायत में आरोपी युवक ने लिखित समझौता भी किया। बावजूद शादी की बात पर टालमटोल करता आ रहा है। पीड़िता का आरोप था कि युवक ने पहले प्रेमजाल में फंसाया और फिर चार साल तक उसका शारीरिक और मानसिक दोहन करता रहा। एसएसपी को शिकायती पत्र देने के बाद थाना दिनेशपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नामांकन निरस्त होने के विरोध में तहसील में भूख हड़ताल शुरू की

संवाददाता, नानकमत्ता

नानकमत्ता तहसील में भूख-हड़ताल पर बैठे प्रधान पद के प्रत्याशी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सितारगंज विकासखंड की सरौजा ग्राम सभा में चुनावी रंजिश और प्रशासनिक मिलीभगत का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान पद के प्रत्याशी बलजिंदर सिंह और सुखविंदर सिंह मोमी का नामांकन पत्र, राजस्व विभाग द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की रिपोर्ट के आधार पर निरस्त कर दिया गया था।

बलजिंदर सिंह का आरोप है कि विपक्षियों से सांठगांठ कर उन पर झूठा आरोप लगाया गया है, जबकि वन विभाग ने लिखित रूप में उन्हें क्लीन चिट दी है। तहसील प्रशासन से एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण न मिलने पर नाराज़ प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नानकमत्ता उप-तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। धरने पर बैठने वालों में अशोक सिंह राणा, हरिओम सिंह, सतनाम सिंह, राजसिंह सहित दर्जनों लोग शामिल हैं।

सात वर्षीय छात्र के साथ स्कूल में मारपीट

बाजपुर: ग्राम महेशपुरा निवासी अरमान अली ने अपने सात वर्षीय पुत्र अब्दुल रहमान के साथ स्कूल में मारपीट कर घायल करने का आरोप दूसरे बच्चे पर लगाते हुए कोतवाली में नामजद तहरीर दी है। पीड़ित के अनुसार उसका सात वर्षीय पुत्र अब्दुल रहमान गांव में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय में पढ़ता है। 18 दिसंबर को दोपहर बाद करीब 12:30 बजे विद्यालय में पढ़ने वाले गांव के ही दूसरे बच्चे ने उसके साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि मारपीट में बच्चे के चेहरे पर गंभीर चोट आई हैं और उसके तीन दांत भी टूट गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजनों ने बच्चे का उपचार कराया। पिता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है।

आईआईएम के अध्यक्ष के विरुद्ध याचिका खारिज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने विनय शर्मा द्वारा दायर की गई थी रिट याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आईआईएम काशीपुर द्वारा उनके विरुद्ध प्रारंभ की गई विभागीय जांच को चुनौती दी गई थी तथा संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अंतरिम अध्यक्ष को अनावश्यक रूप से पक्षकार बनाया गया था। न्यायालय ने याचिका को अस्वीकार करते हुए इसे निरस्त कर दिया।

याचिका 30 अगस्त 2024 को दायर की गई थी, जिसमें पूर्व कर्मचारी द्वारा संस्थान के विरुद्ध शुरू की गई विभागीय जांच को चुनौती दी गई थी। यह जांच संवेदनशील आधिकारिक दस्तावेज को अनधिकृत रूप से प्राप्त करने तथा उसे छद्म नाम के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित करने से संबंधित आरोपों के आधार पर प्रारंभ की गई थी।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह दावा किया था कि उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई अवैध है तथा यह व्हिसलब्लोअर्स संरक्षण अधिनियम, 2014 का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि विनय शर्मा द्वारा समय-समय पर संस्थान के अधिकारियों को भयभीत करने और अपने निजी हितों की पूर्ति के उद्देश्य से भ्रामक प्रचार एवं दबाव बनाने के प्रयास किए जाते रहे हैं, जिससे संस्थान का वातावरण प्रभावित हुआ और उसकी प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया गया।

खेड़ा मार्ग से जल्द हटेगा अतिक्रमण

संवाददाता, रुद्रपुर

महापौर को ज्ञापन सौंपते खेड़ा बस्ती के प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खेड़ा बस्ती के एक प्रतिनिधिमंडल ने महापौर विकास शर्मा से मुलाकात कर खेड़ा क्षेत्र के मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण करने की मांग रखी। वहीं प्रतिनिधिमंडल से वार्ता के बाद महापौर ने खेड़ा बस्ती से जल्द अतिक्रमण हटने की घोषणा की। साथ ही जेई को मार्ग चौड़ीकरण का प्रस्ताव बनाने और अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई के दिशा-निर्देश भी दिए।

सोमवार को भाजपा संत कबीर मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल के नेतृत्व में खेड़ा बस्ती के लोगों ने महापौर से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि साई मंदिर, किच्छा बाईपास रोड से खेड़ा मेन रोड जो पाल आटा चक्की, इकराम किराना स्टोर, सुल्तान के घर और ईदगाह की दीवार के किनारे-किनारे होते हुए दूधिया मंदिर तक जो नगर निगम के मानचित्र में 9 मीटर चौड़ी अंकित है। लेकिन मार्ग पर लोग अतिक्रमण कर रोड को संकरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे आए दिन क्षेत्र में जाम लगा रहता है। आने जाने वाले लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्कूल समय में बच्चों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा रामप्रकाश गुप्ता, चंद्रपाल, जितेंद्र मौर्य, विशाल गंगवार, डॉ. शिवचरण, ज्ञान चंद्र पाल, सोमपाल आदि शामिल रहे।

धमाकों के साथ जब फटने लगे बल्ब, जल गए विद्युत उपकरण

संवाददाता, रुद्रपुर

- लाइनमैन पर गलत तार जोड़ने का है आरोप, अप्रिय घटना घटित होने से बची, लोगों में रोष

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप की देर शाम अचानक कई घरों के बल्ब तेज धमाकों के साथ फूट गए और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुंआ निकलता देख लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों का आरोप था कि लाइनमैन की लापरवाही के कारण जनहानि की बड़ी घटना होने से बच गई। सूचना मिलने पर आनन फानन में विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और विद्युत व्यवस्था सुचारू की।

बताते चलें कि रविवार की शाम को ट्रांजिट कैंप इलाके की एक गली में जर्जर विद्युत पोल को लाइनमैन द्वारा बदला गया था। उस समय पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति को रोक दिया गया था। लाइनमैन के जाने के बाद जब विद्युत सुचारु की गयी तो तेज धमाकों के साथ बल्ब फट गए। घरों के फ्रिज, एलईडी, पानी की मोटर जल गई। आरोप था कि लाइनमैन द्वारा हाईटेंशन विद्युत तार गलत जोड़ दी थी। जिस कारण तेज वोल्टेज आने लगा।

गनीमत यह रही कि कोई भी व्यक्ति तेज वोल्टेज की चपेट में नहीं आया। वरना बड़ी जनहानि जैसी घटना घटित हो सकती थी। सोमवार को सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुनःविद्युत व्यवस्था ठीक कर सुचारु कराई। इस दौरान लोगों ने अधिकारियों से लापरवाही की वजह से हुए नुकसान की पूर्ति करने का मुद्दा भी उठाया।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139
आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएलएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – दीपक पाण्डेय – 7055095195

भौतिक कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

चूँकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत हिंदुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड (एचएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक **30-08-2024** को उधारकर्ता **श्री राज कुमार, श्रीमती सुंदरी देवी वार्ड नंबर 2, पांडे अस्पताल के पास, मोहल्ला ईदगाह, बाजपुर, बाजपुर, सेमीअर्बन, बाजपुर, उत्तराखंड, भारत – 262401** ऋण खाता संख्या **UP/HDW/RDRP/A000000168 & CO/CPC/CPOF/A000001764** के अंतर्गत सूचना में उल्लिखित 28-08-2024 के अनुसार राशि **रु. 7,78,289/-** (रूपये सात लाख अठहत्तर हजार दो सौ नवासी मात्र) के उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर तक चुकाने के लिए कहा गया है।

उधारकर्ताओं द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, उधारकर्ताओं और आम जनता को नोटिस दिया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आज दिनांक **20-12-2025** को नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा ले लिया है।

उधारकर्ता का ध्यान, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

एतद्द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को संपत्ति से संबंधित लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती और संपत्ति

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का खसरा नं. 195 मिनट, ग्राम– पिस्तोर मुड़िया, तहसील– बाजपुर, जिला– उधम सिंह नगर उत्तराखंड 263401, बाजपुर, पांडे अस्पताल के पास, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263401 प्लॉट क्षेत्र– 1485 दिशा/सीमाएं: उत्तर–हरिओम पांडे का घर (हरदयाल–विक्रेता से खरीदा), दक्षिण–बहोरन लाल का घर पूर्व–गूल फिर 15 फीट चौड़ी सड़क हरिओम पांडे का वेस्ट–हाउस (हरदयाल–विक्रेता से खरीदा गया

दिनांक: 23/12/2025 स्थान: हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,23 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

ऊधम सिंह नगर सीनियर जिला क्रिकेट लीग का आगाज 25 से

किच्छा : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में सीनियर पुरुष जिला क्रिकेट लीग 2026-27 का शुभारंभ 25 दिसंबर से होगा। जिला अध्यक्ष अजय तिवारी ने बताया कि उद्घाटन मैच सुबह 9 बजे एमेनिटी स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदान पर 'कर्मा क्रिकेट एकेडमी' और 'एमेनिटी मदनलाल क्रिकेट एकेडमी' के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता में कुल 15 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें तीन पूलों (ए, बी और सी) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक ग्रुप की टॉप दो टीमें सुपर लीग में जगह बनाएंगी। इसी प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर उधम सिंह नगर की जिला टीम चुनी जाएगी, जो उत्तराखंड की रणजी, विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के चयन हेतु अंतर-जनपदीय लीग में प्रतिभाग करेगी।

ब्लॉक स्तरीय निपुण प्रतियोगिता हुई

जसपुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र में सोमवार को खंड स्तरीय निपुण विद्यार्थी प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी हरी बाबू निरंजन ने किया। प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय रायपुर की अलफिजा परवीन ने प्रथम स्थान, राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवीपुरा के प्रवीण कुमार ने द्वितीय स्थान और आदर्श राजकीय प्राथमिक विद्यालय टीला के इशांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी बच्चों को पुरस्कृत किया।

शिक्षकों की सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा : अरोरा

राजकीय माध्यमिक शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड राजकीय माध्यमिक शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री तक पहुंचाकर उनका समाधान कराया जाएगा।

अधिवेशन का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोरा, कार्यक्रम अध्यक्ष नगर निगम महापौर दीपक बाली और प्रांतीय पदाधिकारियों ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय पहुंचने पर मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथियों का पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत एवं बैज अलंकरण किया। शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी के दौरान राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान तथा प्रदेश महामंत्री रमेश चंद्र पैन्यूली ने शिक्षकों के शासन में लंबित प्रकरणों एवं उनकी समस्याओं की लगातार सरकार और विभाग द्वारा अनदेखी के साथ साथ उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने शिक्षकों के हितों और उनकी न्यायोचित मांगों को मुख्य अतिथि के समक्ष रखते हुए उनसे सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया।

राजकीय माध्यमिक शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल के द्विवार्षिक अधिवेशन गोष्ठी में मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

वहीं मौजूद कुमायूं मंडल अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक एसपी सेमवाल ने शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी की सराहना करते हुए कहा कि मंडल स्तर पर यदि कोई प्रकरण लंबित है, तो उसे शीघ्रता से किया जाएगा। साथ ही उन्होंने संगठन के चुनाव को निष्पक्ष और शांति पूर्वक कराने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। वहीं मुख्य अतिथि रुद्रपुर भाजपा विधायक अरोरा ने कहा कि शिक्षक समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो अपनी पीड़ा से गुजरते हुए भी पूरे समर्पण भाव से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है। उन्होंने संगठन पदाधिकारियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि जो भी विषय तथा शिक्षकों की समस्याएं अधिवेशन में रखी गई हैं, निश्चित रूप उन्हें बड़ी संजीदगी से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत के समक्ष रखने और संवाद कराने की बात कही।

उधर, मंडलीय चुनाव के लिए नौ पदों पर होने वाले चुनाव में उतरे सभी प्रत्याशियों ने अधिवेशन के दौरान शिक्षकों के हितों और उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए अपने अपने विचार रखे। यहां प्रांतीय मुख्य संयोजक प्रांतीय उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी, संयुक्त मंत्री लक्ष्मण सिंह सजवाण, कोषाध्यक्ष जगदीश सिंह बिष्ट, कुमायूं मंडल अध्यक्ष डा. गोकुल सिंह मर्तोलिया, मंत्री रविशंकर गुसाईं, मुख्य शिक्षा अधिकारी ऊधम सिंह नगर कुंवर सिंह रावत, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक हरेंद्र कुमार मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी धीरेन्द्र कुमार साहू, उदयराज हिंदू इंटर कालेज प्रबंध समिति सदस्य मनोज अग्रवाल, प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता, जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा आदि मौजूद रहे।

आशा हेल्थ वर्कर्स को सरकारी कर्मी का दर्जा देने की मांग

काशीपुर: ट्रेड यूनियन एक्ट से सम्बद्ध उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन ब्लॉक काशीपुर की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। सोमवार को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय में आयोजित बैठक में यूनियन की राज्य उपाध्यक्ष रीता कश्यप ने कहा कि यूनियन 2011 से आशा वर्कर्स के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। आशा वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की प्रमुख मांग है। कहा कि आशा वर्कर्स स्वास्थ्य विभाग के हर छोटे-बड़े काम करती हैं। हर नया फील्ड वर्क व सर्वे आशाओं को ही सौंप दिया जाता है। सरकार के जनविरोधी कानून यूसीसी के तहत शादियों के रजिस्ट्रेशन कराने के काम भी आशाओं को सौंपे जा रहे हैं। इसके लिए मात्र 25 रुपये प्रति रजिस्ट्रेशन दिया जाना है। यूनियन इस मनमानी का सख्त विरोध करती है। जिला उपसचिव अनिता ने कहा कि केंद्र सरकार ने मजदूरों के पुराने 44 श्रम कानून खत्म करके नए चार श्रम कोड लागू कर दिए हैं। जो मजदूरों के यूनियन बनाने के अधिकार सहित तमाम अधिकारों को खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने 28 दिसंबर को हल्द्वानी में होने वाली राज्य कमेटी की बैठक को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। वहां पर रीता कश्यप, सुधा शर्मा, शशि बाला, मधु, सुशीला ठाकुर, स्नेहलता चौहान, सोनिया, ममता गोस्वामी, कुसुम चौहान आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में सड़कों का शिलान्यास करते मेयर व अन्य। ● अमृत विचार

मेयर ने चार सड़कों का शिलान्यास किया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एनसीएपी के वायु प्रदूषण सुधार योजना के अंतर्गत सोमवार को महापौर दीपक बाली ने तीन करोड़ 61 लाख 42हजार रुपये की लागत से बनने वाली चार सड़कों का शिलान्यास किया। सड़क के दोनों ओर होने वाली इंटरलॉकिंग टाइल्स फिक्सिंग कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने काशीपुर शहर हेतु बनाई गई वायु प्रदूषण सुधार योजना के अंतर्गत मानपुर रोड टी पॉइंट से रामनगर रोड तक मार्ग के दोनों ओर तथा अनीता नर्सिंग होम से ब्लॉक कार्यालय की उत्तरी दीवार तक और खड़कपुर देवीपुरा रोड पर सांई स्कूल से शुगर मिल मार्ग पर तथा पुराने टूरिस्ट होटल से लेकर गुरुद्वारे के गेट तक इंटरलॉकिंग टाइल्स फिक्सिंग कार्य का शुभारंभ किया। इन चारों सड़कों की लंबाई 5220 मीटर है और इन पर 3 करोड़ 61 लाख 42 हजार रुपये की लागत आएगी। साथ ही महापौर दीपक बाली ने नगर निगम क्षेत्र की जनता को आश्वस्त किया है कि उनसे किए गए एक-एक वायदे को वह पूरा करेंगे और हर विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने जनता से काशीपुर को साफ स्वच्छ सुंदर और स्वस्थ बनाने की मुहिम में जनसहभागिता निभाने की अपील की और कहा कि बगैर जनता की सहभागिता के नगर निगम कुछ नहीं कर सकता क्योंकि इंदौर जैसा शहर भी इसीलिए साफ है कि वहां की जनता सहभागिता करती है। वहां पर भाजपा नेता जसवीर सिंह सैनी, चौधरी समरपाल सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, मानवेंद्र मानस, पार्षद रवि प्रजापति, अनीता कांबोज, मयंक मेहता, शाह आलम, विजय बॉबी, श्रीमती तवस्सुम, सीमा सागर, अभिषेक वर्धन, अंजना आर्य, शक्ति केंद्र संयोजक कमल प्रजापति, अमर सिंह रावत, सचिन ठाकुर,गौरव शर्मा, सोनू चौहान, अजय कुमार, बूथ अध्यक्ष मुकेश कुमार, विक्रम राणा, संतन सिंह आदि मौजूद रहे।

गणित दिवस पर हुईं स्पर्धाएं

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन, उनके संघर्षों तथा गणित के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया गया।

छात्र छात्राओं ने पोस्टर और पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से रामानुजन के विचारों और कार्यों को अवगत कराया। गणित विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में पोस्टर प्रेजेंटेशन वर्ग में जानकी बोरा ने प्रथम, प्रिया पंत ने द्वितीय तथा राजेंद्र जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पीपीटी प्रेजेंटेशन वर्ग में प्रज्ञा चौहान को प्रथम, सेजल चंद को द्वितीय एवं मुकेश टम्टा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। डॉ. अविनाश मिश्रा, डॉ. खिलानंद जोशी और डॉ. अमन मंडल ने निर्णायक की भूमिका अदा की। संचालन सेजल चंद द्वारा किया गया। गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. कुलदीप जोशी ने रामानुजन के समर्पण और साधना से प्रेरणा लेते हुए गणित को वर्तमान समय में व्यावहारिक रूप में अपनाने पर प्रकाश डाला। डॉ. अविनाश मिश्रा ने रामानुजन द्वारा गणित को आध्यात्म से जोड़कर किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए छात्रों को उनके दृष्टिकोण से परिचित कराया। डॉ. अमन मंडल ने प्रेजेंटेशन की सराहना की।

खटीमा महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस पर चर्चा करते शिक्षक और बच्चे।

काशीपुर में हुई प्रतियोगिता में रागिनी प्रथम

काशीपुर : राधेहरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गणित विभाग में श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। इसमें पोस्टर, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें गणित विभाग में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में रागिनी अग्रवाल प्रथम, मोनिका द्वितीय व पलक व मोनिका सैनी तृतीय स्थान पर रहीं।

सम्मानित किए गए सेवादार। ● अमृत विचार

गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में लंगर हाल का लिंटर पड़ा

बाजपुर : गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में जन सहयोग से बनाए जा रहे लंगर हाल का लगभग 2000 फुट क्षेत्रफल में लिंटर सोमवार को डाला गया। यह कार्य बाबा प्रताप सिंह, सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी उत्तराखंड के अध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाडी तथा गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संगत के सहयोग से ही बड़े से बड़े सेवा कार्य संभव हो पाते हैं। लंगर हाल के निर्माण से समागमों के दौरान संगत को लंगर ग्रहण करने में सुविधा होगी, वहीं खराब मौसम में होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि गुरु महाराज का कोई भी कार्य रुकता नहीं है-गुरु स्वयं संगत को प्रेरणा देकर कार्य पूर्ण कराते हैं। सेवा में योगदान देने वाले सेवादारों को संगत द्वारा सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सतनाम सिंह, ग्राम प्रधान हरजीत सिंह बडेच, जसविंदर सिंह जस्सा आदि मौजूद रहे।

मतुआ संप्रदाय श्री हरिचांद ठाकुर के बताए मार्ग का करें अनुसरण

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : ऑल इंडिया मतुआ महासंघ जिला अध्यक्ष विधान पांडे ने कहा कि मतुआ संप्रदाय संस्थापक श्री हरिचांद ठाकुर के बताए मार्ग का अनुसरण करता है। उन्होंने कहा मतुआ संप्रदाय के ऑल इंडिया प्रचारक आचार्य स्वामी गोपाल महाराज के निधन के बाद ऑल इंडिया मतुआ महासंघ मतुआ संप्रदाय को संगठित कर ब्लॉक व नगर कमेटी का पुनर्गठन करने के उद्देश्य से मतुआ संप्रदाय की जगह-जगह बैठकों के माध्यम से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।

सोमवार को श्री हरिचांद-गुरुचांद धर्म मंदिर प्रांगण में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष विधान पांडे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष पांडे ने कहा कि ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के संरक्षक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शांतनु ठाकुर के निर्देशानुसार महासंघ जगह-जगह जाकर मतुआ संप्रदाय के लोगों को बैठक के माध्यम से धर्म के प्रति जागरूक अभियान के साथ नए सदस्य बनाए जा रहे हैं। इस दौरान अमल राय अध्यक्ष, भावेश विश्वास उपाध्यक्ष, शिशिर तरफदार महासचिव, निशांत मंडल को उपसचिव मनोनीत किया गया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर राय ने उपस्थित सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया। संचालन महामंत्री शिशिर तरफदार व मीडिया प्रभारी डॉ. शंकर हालदार ने किया। मौके पर असीम विश्वास, पुजारी विनय राय, शंकर मंडल, अनुकुल चंद्र राय, दुलाल सरकार, शभु सरदार आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में ऑल इंडिया मतुआ महासंघ जिला पदाधिकारी। ● अमृत विचार

विद्यार्थी विज्ञान मंथन कैंप में प्रथम रही आयरा को सम्मानित करते अतिथि।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन कैंप की टॉपर रहीं आयरा

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल की 10वीं की छात्रा आयरा अल्वी विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 की राज्य स्तरीय कैम्प में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य की टॉपर रही हैं। 21 दिसंबर को ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में आयोजित जिला स्तरीय कैंप में आयरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के बाद आयरा राज्य की ओर से राष्ट्रीय स्तरीय कैम्प की अगुवाई करेगी जो मई 2026 में प्रस्तावित है। आयरा को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और 5000 की धनराशि से सम्मानित किया गया। प्रबंधिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी सहित विद्यालय परिवार ने आयरा और उनके मेंटर कार्तिकेय चंद को बधाई दी है।

डायनेस्टी में खेलोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वार्षिक खेलोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है।

विद्यालय में आयोजित खेलोत्सव का शुभारंभ इंटरनेशनल एथलीट गोल्ड मेडलिस्ट व प्रदेश सिलेक्शन कमेटी अध्यक्ष विजेंद्र चौधरी, अंतरराष्ट्रीय मैराथन चैंपियन सुरेश पांडे, जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष सरफराज चौधरी, ग्राम प्रधान लक्ष्मी पांडे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूजा, जिला पंचायत सदस्य रीता कफ़लिया, चंद्रकला रौतेला, शरद राना, आईसी पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। एनसीसी कैडेटों व बैंड टीम द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। पहले दिन 800 मीटर दौड़, कबड्डी, खो-खो का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र व मेडल से सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट व डायरेक्टर प्रेमा भट्ट ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में विद्यालय द्वारा लगभग सभी खेलों को सम्मिलित किया गया है।

खटीमा के डायनेस्टी स्कूल में गुब्बारे उड़ाकर खेलों का शुभारंभ करते अतिथि।

स्थायी लोक अदालत का फैसला, बैंक देगा 1.32 लाख रुपये

रुद्रपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित स्थायी लोक अदालत में याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने बैंक को 1.32 लाख रुपये देने का आदेश दिया। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया है।

बताते चलें कि सिंह कॉलोनी निवासी अमर सिंह ने स्थायी लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में याचिका दायर करते हुए बताया था कि उसका अल्मोड़ा अर्बन कोआपरेटिव बैंक शाखा गदरपुर में खाता है। बैंक द्वारा खाते को फ्रिज कर दिया था। जिसमें 73 हजार रुपये जमा थे और तीन साल तक वह खाते का उपयोग नहीं कर सका था। काफी प्रयास के बाद भी बैंक द्वारा कोई राहत नहीं दी। वह तीन साल तक आर्थिक स्थिति से जूझता रहा और मानसिक अवसाद का शिकार हुआ।

प्रशिक्षण को संबोधित करते सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल।

तंबाकू-धूम्रपान से खतरों के बारे में किया जागरूक

रुद्रपुर : जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों और सहायक ग्राम विकास अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान ग्राम स्तर पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों और तंबाकू व धूम्रपान से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक किया गया। सोमवार को रामपुर रोड स्थित एक होटल में प्रशिक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने जलवायु परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को विस्तार से समझाया। साथ ही अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। ताकि हम इसके दुष्प्रभावों को कम कर सकें। उन्होंने तंबाकू, खैनी और गुटखा के सेवन से होने वाले गंभीर रोगों के बारे में जानकारी दी।

शांतिपुरी में एनएसएस शिविर शुरू

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर एक पंचायत भवन में राजकीय इंटर कॉलेज शांतिपुरी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दीपा कांडपाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य सरोजिनी कार्की एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दीपा कांडपाल ने एनएसएस स्वयंसेवकों से अपने आदर्श आचरण, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से समाज में विशिष्ट पहचान बनाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि सरोजिनी कार्की ने शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित करने की घोषणा की। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला।

एनएसएस के विशेष शिविर का शुभारंभ करते अतिथि।

बाजपुर में ई-रिक्शा यूनियन के गठन की घोषणा करते कांग्रेसी नेता नवदीप सिंह कंग।

ई-रिक्शा चालक यूनियन के नईम बने अध्यक्ष

बाजपुर : नगर क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से ई-रिक्शाओं के मार्ग निर्धारित किए गए थे तथा मुख्य मार्ग पर ई-रिक्शाओं के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके चलते ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं को लेकर चीमा पेपर मिल के पास प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ई-रिक्शा यूनियन के गठन की घोषणा की गई। यूनियन में नवदीप सिंह कंग को संरक्षक, नईम को अध्यक्ष, राजकुमार को उपाध्यक्ष, विक्रम सिंह को महामंत्री, साहब सिंह को सचिव, विनोद कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया।

सीएम छात्रवृत्ति में 17 बच्चे चयनित

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए राणा प्रताप इंटर कॉलेज के छठी के 13 और नवीं के चार विद्यार्थी चयनित हुए हैं।

प्रधानाचार्य रवीन्द्र प्रकाश पंत ने बताया कि मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के तहत नवीं के वैभव सिंह, देवदास, समीर अंसारी और आकांक्षा तथा छठवीं कक्षा से वैष्णवी, दीपक, रोहन, महक, मोहित सिंह, सुमित, देव, अंशू सिंह, सुधा देवी, आशीष चंद, अंशिका यादव, अर्पिता सक्सेना और सचिन सिंह सामंत का चयन किया गया है। योजना के तहत नवीं के विद्यार्थियों को प्रतिमाह नौ सौ और छठवीं के विद्यार्थियों को 600 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाती है। प्रबंधक गीताराम बंसल, पीटीए अध्यक्ष ममता जोशी तथा एसएमसी अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने बच्चों को बधाई दी है। इस अवसर पर संजय कार्की, हरीश चंद्र मठपाल, ललित मोहन जोशी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना में चयनित बच्चों के साथ शिक्षक।

ब्रीफ न्यूज

महाविद्यालय और ग्राम पंचायत के बीच एमओयू

बनबसा : राजकीय महाविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए ग्राम सभा बनबसा को अंगीकृत किया है। इस मौके पर महाविद्यालय और ग्राम पंचायत के बीच एसओयू किया गया। प्राचार्य आनंद प्रकाश सिंह के नेतृत्व में महाविद्यालय परिवार ने ग्राम सभा का भ्रमण कर विकास की संभावनाओं को देखा। ग्राम प्रधान राकेश चंद ने भ्रमण में सहयोग दिया। अभियान के अंतर्गत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के विशेषज्ञों के साथ मिलकर ग्रामवासियों के स्वास्थ्य संवर्धन और आयुर्वेदिक जीवन शैली के प्रसार के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। ग्राम प्रधान राकेश चंद्र ने इस दूरदर्शी पहल का स्वागत किया।

गुलदार ने दिन दहाड़े बैल पर किया हमला

चम्पावत : जिला मुख्यालय स्थित दूधपोखरा क्षेत्र में गुलदार ने गांव के पास ही खेत में घास घास चुग रहे बैल पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार भाग गया। गुलदार के हमले से बैल बुरी तरह घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग की टीम पशु चिकित्सक को लेकर मौके पर पहुंची और घायल बैल का उपचार किया। रेंजर बृजमोहन टम्टा ने बताया कि जिला मुख्यालय के दूधपोखरा गांव में सोमवार की दोपहर देव सिंह पुजारी के बैल पर गुलदार ने अचानक हमला कर दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने 77.25 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी

ताड़ीखेत में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' योजना के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में सीएम ने किया प्रतिभाग, जनता से किया संवाद

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: अल्मोड़ा जिले के ताड़ीखेत में सोमवार को "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। शिविर के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया और कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को गदा देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा जिले में कुल 77.25 करोड़ रुपये की लागत की 32 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 47.85 करोड़ रुपये की 9 योजनाओं का शिलान्यास तथा 29.40 करोड़ रुपये की 23 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने रानीखेत विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण विकास संबंधी घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने भिकियासैंण विकासखंड में गगास एवं रामगंगा नदियों पर तटबंध एवं पैदल पथ निर्माण, देवलीखेत, चौनलिया, खिरखेत व भुजान स्थित राजकीय इंटर कॉलेजों में मिनी स्टेडियम निर्माण, सनणा सिंचाई लिफ्टिंग योजना के उच्चीकरण, रानीखेत में एनसीसी ग्राउंड/स्टेडियम के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति, रानीझील के विस्तारीकरण एवं सौंदर्यीकरण तथा रानीखेत विधानसभा क्षेत्र में हेलिपैड निर्माण की घोषणा की।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जनता को उनके क्षेत्र में ही सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन कर समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। पहाड़ों से पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने गोलू देवता मंदिर में दर्शन-पूजन किया तथा सरस्वती शिशु मंदिर ताड़ीखेत में बच्चों से संवाद किया। इस दौरान विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल, दायित्वधारी कैलाश पंत, अनिल शाही, ब्लॉक प्रमुख बबली मेहरा, डीएम अंशुल सिंह, एसएसपी देवेन्द्र पींचा, सीडीओ रामजीशरण शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा के विकास को कई योजनाएं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एचएनबी स्टेडियम में समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्मोड़ा के समग्र विकास के लिए पर्यटन, रोजगार और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत पिछले चार वर्षों में अल्मोड़ा जनपद में ढाई सौ किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया गया है। साथ ही, करोड़ों रुपये की लागत से विभिन्न मोटरमार्गों का निर्माण एवं नवीनीकरण भी किया गया है।

लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से अल्मोड़ा पौड़ी गढ़वाल रुद्रप्रयाग को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, उड़ान योजना के अंतर्गत अल्मोड़ा में पर्यटन को बढ़ावा देने और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से हेली सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। फलसीमा में हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है, जो क्षेत्र को बेहतर हवाई सेवाओं से जोड़ते हुए आवागमन को और अधिक सुलभ बनाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, मेयर अजय वर्मा, डीएम अंशुल सिंह, गंगा बिष्ट, विधायक मोहन सिंह मेहरा, जिपं. अध्यक्ष हेमा गैड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, हरीश कनवाल मौजूद रहे।

बच्चों से कुछ इस अंदाज में मिले मुख्यमंत्री धामी। ● अमृत विचार

सीएम ने किया संवाद-अनुशासन सफलता की कुंजी

अल्मोड़ा : मुख्यमंत्री धामी ने सरस्वती शिशु मंदिर, ताड़ीखेत में स्कूली बच्चों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों का स्नेहपूर्वक अभिवादन करते हुए कहा कि आप सभी उत्तराखंड और देश का भविष्य हैं। सीएम ने बच्चों से संवाद करते हुए वर्ष 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होंगे और तब देश की बागडोर आज के बच्चों के हाथों में होगी। कि विकसित भारत 2047 केवल एक सरकार का नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी का सामूहिक संकल्प है, जिसकी सिद्धि सभी के साझा प्रयासों से ही संभव है। सीएम ने बच्चों को अनुशासन और समय पालन का महत्व समझाते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय का सदुपयोग और अनुशासित दिनचर्या अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से उनके स्कूल आने-जाने की दिनचर्या पर सहज प्रश्न करते हुए संवाद को रोचक बनाया और मुस्कराते हुए अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया।

अल्मोड़ा बेस अस्पताल में ईईजी मशीन स्थापित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा के अधीन बेस अस्पताल में ईईजी मशीन स्थापित कर दी गई है। इससे मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों की सटीक पहचान हो सकेगी। मरीजों को जांच के लिए हल्द्वानी या निजी अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि ईईजी मस्तिष्क की विद्युत गतिविधि को रिकॉर्ड करता है। मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों की सटीक पहचान करने में सहायक है यह मशीन अब तक अल्मोड़ा बेस अस्पताल में नहीं थी। इस कारण मरीजों को निजी अस्पतालों या महानगरों की दौड़ लगानी पड़ रही थी। अब सोबन सिंह जीना

> मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को बेहतर करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यहां ईईजी मशीन स्थापित हो गई है। अब ईईजी के लिए मरीजों को अन्य जगहों पर नहीं जाना पड़ेगा। -डॉ. सीपी भैसोड़ा, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा

गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के अधीन बेस अस्पतापल में यह सुविधा मिलना शुरू हो गई है। डॉक्टरों के मुताबिक, मिर्गी की पहचान, अनिद्रा या सोते समय होने वाली असामान्य गतिविधियों की जांच, सिर की चोट या एन्सेफलाइटिस जैसी स्थितियों का विश्लेषण, अल्जाइमर या अचानक होने वाले मानसिक बदलावों के कारणों को समझने, बच्चों में विकास की देरी का निदान के लिए इस मशीन का प्रयोग किया जाता है।

संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया

अल्मोड़ा: अल्मोड़ा में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर संपत्ति हड़पने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़िता ने पुलिस में तहरीर सौंपी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार नगर के जोशी खोला निवासी उमा जोशी उर्फ जैनब खान ने अल्मोड़ा कोतवाली में एक तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि साल 2002 में उसका विवाह दानिश खान से हुआ था। कहा कि 2022 में उसके पति की मृत्यु हो गई थी। उसके बाद ननद रूबिना खान ने उनकी संपत्ति हड़पने के लिए उनके पति का फर्जी मुत्यु प्रमाण पत्र बना दिया। अब वह पति की संपत्ति हड़पने का प्रयास कर रही है। पीड़ित महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग उठाई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वन-वे व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेसियों ने दिया धरना

संवाददाता, लोहाघाट

- ट्रायल पर चल रही व्यवस्था को जल्द हटाकर पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग
- विधायक खुशाल सिंह अधिकारी की एसपी से हुई वार्ता के बाद समाप्त किया धरना

अमृत विचार: नगर में वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के नेतृत्व में मीना बाजार चौराहे में धरना दिया। कई व्यापारी भी धरने में शामिल हुए। उन्होंने ट्रायल के तौर पर चल रही व्यवस्था को अविलंब हटाकर पूर्व की भांति वाहनों का आवागमन जारी रखने की मांग की। बाद में एसपी अजय गणपति से वार्ता के बाद धरना स्थगित कर दिया गया।

लोहाघाट में विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के नेतृत्व में धरने पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता मीना बाजार चौराहे पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी भी की। आरोप लगाया कि प्रशासन ने जनता और व्यापारियों से राय लिए बिना वन-वे व्यवस्था लागू कर दी। धरने का नेतृत्व कर रहे विधायक खुशाल सिंह अधिकारी का कहना था कि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार जरूरी है, लेकिन इसके लिए पुलिस को आम लोगों एवं व्यापारियों से सलाह मशविरा करने के बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के मीना बाजार से जयंती भवन तक सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस व्यवस्था से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है। व्यापारियों का व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि यातायात व्यवस्था को सुधारना है तो पुलिस को मीना बाजार में वाहनों के खड़े होने पर रोक लगानी चाहिए। पूर्व की तरह केवल स्कूल समय में वन-वे व्यवस्था लागू की जाए। चेतावनी दी गई कि यदि शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरने के बीच ही विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने एसपी अजय गणपति से फोन पर वार्ता की और 14 दिन के ट्रायल पीरियड को कम कर व्यवस्था हटाने को कहा। एसपी ने आश्वासन दिया कि सर्वे पूरा होने के बाद व्यापारियों को शामिल कर बैठक की जाएगी। जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष अमर सिंह कोटियाल, भगीरथ भट्ट, चांद सिंह बोहरा, भुवन चौबे, प्रदीप देव, जितेन्द्र साह, डा. महेश ढेक, नवीन जोशी, हरीश कुमार, बल्लू ढेक सहित व्यापारी जीवन उप्रेती, कैलाश मेहता, कैलाश बिष्ट, रमेश गिरी, राम सिंह, हरीश कुमार, दीपक राय, जगत बिष्ट, श्याम सिंह, दिनेश मेहता, उमेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

एसटीएम कॉन्वेंट में मनाया वार्षिकोत्सव

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: एसटीएम कॉन्वेंट जूनियर हाईस्कूल में 25वें वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा, विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र शर्मा तथा विद्यालय के अध्यक्ष मोहन चंद्र पांडेय ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

वार्षिकोत्सव में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का मन मोह लिया। विशेष रूप से शिव-सती कथा पर आधारित प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सचिव कमला पांडे द्वारा उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मयंक पांडे, सोबन सिंह, विनीत मठपाल, सुमन जैन, सोनम, शीतल मौजूद रहे।

कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण की मांग

अल्मोड़ा: अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने सीईओ को ज्ञापन सौंपकर पेंशन प्रकरणों का निराकरण करने की मांग उठाई। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर 12 जनवरी से भूख हड़ताल की चेतावनी दी।

ज्ञापन में कहा कि अशासकीय माध्यमिक शिक्षक संघ लंबे समय से पेंशन प्रकरण के निस्तारण की मांग उठा रहा है। लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। जिससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष हीरा सिंह मेहरा, महामंत्री विजय सिंह गैड़ा, ललित मोहन टम्टा, माया जोशी, हेमा चन्याल, दीवान सिंह रावत रहे।

सितारगंज में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने को कतार में खड़ी महिलाएं।

788 लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का उठाया लाभ

सितारगंज : उप जिला अस्पताल सितारगंज में सोमवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टरों ने कुल 788 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाओं का वितरण किया। सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि सोमवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 788 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें से 388 मरीजों ने ओपीडी में डॉक्टर से परामर्श लिया। 27 मरीजों का इम्यूनाइजेशन, 45 मरीजों की एचबी स्क्रीनिंग, सात मरीजों की हाइपरटेंशन की जांच और 275 मरीजों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा शिविर में एक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। बताया कि स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे सभी लोगों की के लिए मुफ़्त ओपीडी, एक्स-रे, और रक्तजांच की व्यवस्था की गई थी। शिविर में निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

डीएम के समक्ष 85 शिकायतें हुई दर्ज

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: सोमवार को जिला सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान कुल 85 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें आर्थिक सहायता, आवास, पेयजल, आपदा से क्षतिग्रस्त योजनाएं, फसल सुरक्षा, रोजगार, सड़क मार्ग, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य जनहित से जुड़े विषय शामिल रहे।

जनता मिलन के दौरान ग्राम बॉस, विकासखंड बाराकोट निवासी जोत राम ने वर्ष 2022 में दयारतोनी क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में घायल अपनी पत्नी के बीमा क्लेम से संबंधित समस्या रखी।

चम्पावत में फरियादियों की समस्याएं सुनते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

डीएम ने सीएमओ एवं एआरटीओ को समस्त चिकित्सकीय दस्तावेजों के साथ तत्काल बीमा कंपनी से क्लेम दिलाने के निर्देश दिए। जानकी देवी, निवासी पाटी ने उनके पुत्र राहुल दिव्यांग पेंशन में हो रही गड़बड़ी को ठीक करने, मोहन गिरी जल कनेक्शन देने, भावना कुलेठी ने सीसी मार्ग एवं जल कनेक्शन से संबंधित शिकायत के अलावा जोगेन्द्र सिंह, बबीता देवी, नवीन सिंह महर, देव सिंह परवाल, भागीरथी देवी, अनूपा देवी आदि ने भी समस्याएं उठाईं। कार्यक्रम में सीडीओ डॉ. जीएस खाती, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान, अधिशासी अभियंता लोनिवि एमसी पलड़िया आदि मौजूद रहे।

आस्था

इस बार सरकारी तौर पर पूर्णागिरि मेला 27 फरवरी से 15 जून तक संचालित होगा, पूर्णागिरि मार्ग निर्माण के लिए लोनिवि युद्धस्तर पर जुटा

नववर्ष पर मां पूर्णागिरि धाम में उमड़ेंगे श्रद्धालु, तैयारियों में जुटा प्रशासन

देवेन्द्र चन्द देवा, टनकपुर

अमृत विचार: नव वर्ष पर इस बार भी एक जनवरी को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मां पूर्णागिरि धाम में पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के साथ-साथ मां पूर्णागिरि मंदिर समिति भी व्यवस्थाओं में जुटी हुई है।

यहां बता दें कि हर वर्ष नये साल को बेहतर बनाने के साथ नई आशा और उम्मीदों को लेकर देश के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब दर्शन के लिए उमड़ पड़ता है। यह पहला अवसर है जब होली पर्व से पहले यानी 27 फरवरी से 15 जून तक पूर्णागिरि मेले का सरकारी तौर पर संचालन होगा।

पूर्णागिरि मार्ग के सुधारीकरण कार्य में जुटे श्रमिक। ● अमृत विचार

इस संबंध में पिछले दिनों चम्पावत में जिला प्रशासन, जिला पंचायत और मां पूर्णागिरि मंदिर समिति के बीच संपन्न हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। कहा गया कि होली पर्व से पूर्व भी काफी संख्या में श्रद्धालु मां पूर्णागिरि धाम के दर्शन को आते हैं, उनको बेहतर सुविधा मिले इसके लिए होली पर्व से पहले मेले का संचालन किया जा रहा है।

इस दौरान मां पूर्णागिरि धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व अन्य सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन के साथ मां पूर्णागिरि मंदिर समिति भी अपने स्तर से विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करती है। जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में सम्मिलित मां पूर्णागिरि धाम में आगामी 27 फरवरी से शुरू होने वाले पूर्णागिरि मेले को देखते हुए पूर्णागिरि मार्ग के सुधारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा युद्धस्तर पर किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी आवश्यक कार्यों में तेजी लाई जा रही है। डीएम द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एमसी पलडिया ने बताया कि भैरव मंदिर के समीप भूस्खलन प्रभावित स्थलों पर एज वॉल एवं एज गार्ड का निर्माण किया जा रहा है। वहीं भैरव मंदिर से मुख्य मंदिर के मध्य तिलहर धर्मशाला के पास स्कबर (जल निकासी संरचना) का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। इसके साथ ही सिद्धमोड़ एवं जगदम्बा मोड़ पर स्लिप हटाने, सुरक्षा दीवार निर्माण, रेलिंग लगाने के साथ-साथ मुख्य मार्ग एवं पैदल मार्गों पर टाइल्स बिछाने का कार्य भी तीव्र गति से किया जा रहा है। अधिशासी अभियंता ने दावा किया है कि सभी प्रस्तावित कार्य आगामी 31 दिसंबर तक पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे मां पूर्णागिरि धाम आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

कमोवेश नव वर्ष पर मां पूर्णागिरि धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। यहां 31 दिसंबर से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

> नव वर्ष को देखते हुए इस बार भी मां पूर्णागिरि धाम को फूल मालाओं और रोशनी के साथ सजाया जाएगा। धाम और सीढ़ियों की सफाई व अन्य व्यवस्थाओं के लिए मंदिर समिति द्वारा स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। भैरव मंदिर से मां पूर्णागिरि धाम तक लाइट व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन से मां पूर्णागिरि धाम व पूर्णागिरि क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा व्यवस्था किए जाने की भी मांग उठाई गई है। - **किशन चंद्र तिवारी**, अध्यक्ष, मां श्री पूर्णागिरि मंदिर समिति

जाली दस्तावेजों से बनाया रास्ता, अफसरों पर केस दर्ज

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सोमेश्वर क्षेत्र में जाली दस्तावेजों से रास्ता बनाकर रुपये हड़पने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार साल 2018 में तीताकोट सोमेश्वर के तत्कालीन प्रधान सुधीर कुमार ने न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। प्रार्थना पत्र में कहा कि ब्लॉक ताकुला के अतंर्गत तीताकोट तक 60 हजार रुपये का सीसी मार्ग स्वीकृत हुआ था। लेकिन धन स्वीकृत के बाद भी सीसी मार्ग नहीं करवाया गया। आरोप लगाया कि तत्कालीन खडं विकास अधिकारी किसन राम, एई लघु सिंचाई जीवन चंद्र जोशी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एसएस चौड़िया और सहायक समाज कल्याण अधिकारी रविंद्र कोहली की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। चारों ने फर्जी मुहर आदि का प्रयोग कर बीना सीसी मार्ग बनाए 60 हजार रुपये का भुगतान करवा लिया गया। कहा कि मामले को लेकर कई जगह शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन मामले में कोई भी सुनवाई नहीं हुई। जिस पर उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय ने पुलिस को चारों अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। कोतवाल मदन मोहन जोशी ने बताया कि चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अमृत विचार

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
–सम्राट अशोक

ठोस कूटनीति की जरूरत

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले जिस तरह तेज हुई हिंसा में हिंदू समुदाय, उनकी संपत्तियों व मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, निरपराध हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूटे बहाने से मारा गया, वह घोर चिंता का विषय है। ऐसे में मोहन भागवत का 'बांग्लादेश में हिंदू एकजुट हों' वाला बयान भावनात्मक रूप से प्रेरक भले लगे, पर जब वहां के हिंदू अल्पसंख्यक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर हैं, तो केवल एकजुटता का आह्वान उन्हें कितना सुरक्षित कर पाएगा? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब कुल जनसंख्या का सात प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक रह गई है। लोकतंत्र संख्या का खेल है; ऐसे में सवा करोड़ से कम लोगों की आवाज़ सत्ता-संरचना तक कैसे पहुंचेगी?

गोपालगंज, मौलवी बाजार और ठाकुरगांव जैसे कुछ जिलों में हिंदुओं की हिस्सेदारी किंचित उल्लेखनीय है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वे बिखरे हुए हैं। इस बिखराव और अल्पसंख्यक स्थिति में 'एकजुटता' का अर्थ नैतिक बल से आगे नहीं बढ़ पाता, क्योंकि उनके पास न धन है, न पद, न प्रशासन और न सुरक्षा तंत्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व। एकजुटता के उपदेश से इतर प्रताड़ित हिंदुओं को कैसे प्रतिकार करना है, इस पर ठोस मार्गदर्शन आवश्यक है, केवल चिंता और नैतिक समर्थन से जमीनी हालात कैसे बदलेंगे? पिछले 16 महीनों में हिंदुओं को निशाना बनाने की शताधिक घटनाएं हुई हैं, पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की चुप्पी जारी है। क्या इस मौन को तोड़ने के लिए पर्याप्त कूटनीतिक दबाव बनाया गया? विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों के आह्वान से कुछ असर शायद ही पड़े। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को बहाना बनाकर भारत-विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन मूल कारण सत्ता-संघर्ष, कट्टरता और दंडहीनता की संस्कृति है। भारत के लिए यह केवल भावनात्मक या धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता का प्रश्न है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपील ही पर्याप्त नहीं। यह भी सच है कि कट्टरपंथी इस्लामिस्ट समूह और भारत-विरोधी ताकतें इस हिंसा से लाभ उठा रही हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश पर यह स्पष्ट दबाव बनाना होगा कि अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में हिंदू आबादी का निरंतर सिकुड़ना भारत और वैश्विक समुदाय दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। द्विपक्षीय वार्ताओं, व्यापारिक और कनेक्टिविटी समझौतों में मानवाधिकार की शर्तों को जोड़ना होगा।

तात्कालिक तौर पर भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना, संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संस्थाओं को सक्रिय करना और पीड़ितों के लिए तत्काल राहत व कानूनी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक उपायों के तहत हमें अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांग्लादेश के साथ रिश्तों की अनिवार्य शर्त बनाना होगा। बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा बयानों और आधे-अधूरे उपायों से नहीं, बल्कि संगठित अंतर्राष्ट्रीय दबाव, सुसंगत कूटनीति और ठोस कार्रवाई से ही सुनिश्चित हो सकती है और यही समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक उत्सव दिव्यांगजनों की रचनात्मकता का

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला-2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्त निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है।

दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है।

दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनकी आत्मविश्वास बढ़ता है।

दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं। राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक हैं, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

जापान में बढ़ती ब्याज दरें व रिजर्व बैंक की रणनीति

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दुनिया की वित्तीय व्यवस्था में जापान का स्थान हमेशा 'सस्ते पैसे' के सबसे बड़े स्रोत की तरह रहा है। दशकों तक जापान में ब्याज दरें लगभग शून्य रहीं, जिससे वैश्विक निवेशकों को येन में बहुत कम लागत पर उधार लेकर अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों में ऊंचे रिटर्न वाली संपत्तियों में निवेश करने का अवसर मिला। इसे 'येन कैरी ट्रेड' कहा जाता है, लेकिन अब यह व्यवस्था पलट रही है। दिसंबर 2025 में बैंक ऑफ जापान ने नीति दर बढ़ाकर 0.75% कर दी। यह लगभग 30 वर्षों के उच्च स्तर के करीब माना जा रहा है। इसी के साथ जापान के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड (JGB) की यील्ड 2% के ऊपर निकल गई और एक बिंदु पर 2.005% तक दर्ज हुई। यह बदलाव सिर्फ जापान की घरेलू महंगाई या नीति का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह, बॉन्ड यील्ड, मुद्रा बाजार और उभरते देशों की वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा संकेत है।

दुनिया के लिए चिंता की पहली वजह यही है कि जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक, जो वर्षों से विदेशी बॉन्ड और इक्विटी के बड़े खरीदार रहे हैं, अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं। इसका असर अमेरिका व यूरोप के बॉन्ड बाजार तक पहुंचता है। मांग घटेगी तो यील्ड बढ़ सकती है और यील्ड बढ़ेगी तो वैश्विक उधारी महंगी होगी। पहले से बड़े कर्ज बोझ से जूझ रही सरकारों और कंपनियों के लिए यह दबाव बहुत संवेदनशील है। इसके अलावा, कई हेज फंड और संस्थागत निवेशक जापानी येन में उधार लेकर वैश्विक बाजारों में जोखिम वाली संपत्तियों (शेयर, हाई-यील्ड बॉन्ड, इमर्जिंग मार्केट एसेट्स) में निवेश करते थे। ब्याज दर बढ़ते ही कैरी ट्रेड का फायदा कम होता है और अचानक 'पोजिशन अनवाइंडिंग' होती है, जिससे दुनियाभर के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है।

जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं।

दूसरी बड़ी चिंता मुद्रा बाजार से आती है। दिलचस्प बात यह है कि दर बढ़ाने के बाद भी येन में कमजोरी देखी गई और डॉलर के मुकाबले येन करीब 157.38 तक चला गया। वित्त मंत्रालय ने संकेत दिए कि यदि मुद्रा में 'अत्यधिक, एकतरफा' चाल हुई तो कार्रवाई हो सकती है और बाजार में यह चर्चा भी रही कि 160 के आसपास की स्थिति पर सख्ती संभव है। मुद्रा की यह अस्थिरता भारत जैसे देशों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक निवेशक जब जोखिम से बचते हैं, तो उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर डॉलर जैसी सुरक्षित मुद्रा की ओर जाते हैं। ऐसे में रुपया दबाव में आता है और रुपये पर दबाव आते ही आयात महंगा होने लगता है।

अब प्रभाव भारत पर कैसे आएगा? पहला असर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से दिखता है। 2025 में भारतीय इक्विटी बाजारों से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल मिलाकर लगभग 1.58 लाख करोड़ की निकासी की रिपोर्टें सामने आईं। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है और ग्लोबल जोखिम भावना बदलती है, तो इस तरह के आउटफ्लो का दबाव दोबारा तेज हो सकता है, खासकर तब जब वैश्विक फंड 'सेफ' एसेट्स की ओर शिफ्ट करते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी और जिन कंपनियों में विदेशी हिस्सेदारी ज्यादा है, उनके शेयरों पर ज्यादा दबाव देखा जा सकता है। बाजार अस्थिर होने पर कंपनियों के लिए नई पूंजी जुटाना भी महंगा पड़ता है। आईपीओ, क्यूआईपी या बॉन्ड इश्यू सब पर प्रभाव पड़ता है।

दूसरा असर उधारी लागत और बॉन्ड यील्ड के रास्ते आता है। वैश्विक यील्ड ऊपर जाने का मतलब यह है कि भारत की कंपनियां जब विदेशी मुद्रा में बॉन्ड जारी करती हैं या विदेश से कर्ज लेती हैं, तो उनकी लागत बढ़ सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, पॉवर, टेलिकॉम, एविएशन जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों के लिए यह झटका ज्यादा तेज हो सकता है। तीसरा असर रुपये और आयात लागत के जरिए आता है। भारत की अर्थव्यवस्था आयात-निर्भर है। विशेषकर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई इंडस्ट्रियल इनपुट में। उदाहरण के तौर पर, वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल–अक्टूबर) में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 71.2 अरब डॉलर रहा। यदि रुपये में कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल, गैस, मशीनरी, कॉपर, हाई-एंड कंपोनेंट्स जैसी चीजें और महंगी होंगी और यही लागत अंततः कंपनियों के मार्जिन और उपभोक्ता कीमतों में दिखेगी।

भारतीय उपभोक्ताओं पर असर दो स्तरों पर आएगा। पहला, आयात महंगा होने से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स, कुछ दवाओं के कच्चे माल और कुछ उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतें ऊपर जा सकती हैं। दूसरा, बाजार अस्थिर होने पर आम निवेशक के पोर्टफोलियो (म्यूचुअल फंड, शेयर) की वैल्यू में तेज उतार-चढ़ाव होगा, जिससे 'वेल्थ इफेक्ट' घटता है और उपभोग व्यवहार सतर्क हो जाता है। यदि वैश्विक उधारी लागत बढ़ती है, तो घरेलू बैंक भी जोखिम का मूल्यांकन सख्त कर सकते हैं, जिससे कुछ लोन सेगमेंट में स्प्रेड बढ़ने की संभावना रहती है।

ऐसे माहौल में आरबीआई की नीति भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिसंबर 2025 में आरबीआई ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25% कर दिया और 2025 के दौरान कुल मिलाकर 125 bps की कटौती का संकेत मिला। यह हाल के वर्षों में सबसे आक्रामक easing चक्रों में गिना जा रहा है। आरबीआई ने नीति रुख 'न्यूट्रल' रखा, यानी आगे के फैसले डेटा-आधारित रहेंगे। महंगाई के मोर्चे पर हालिया महीनों में नरमी भी दिखी। नवंबर 2025 की खुदरा महंगाई 0.71% बताई गई, जो लक्ष्य के मुकाबले काफी नीचे है। आरबीआई का वास्तविक 'संतुलन' यह होगा कि वह ग्रोथ-सपोर्ट भी दे और मुद्रा/वित्तीय स्थिरता भी बचाए। यानी जरूरत पड़ने पर तरलता प्रबंधन, बाजार संचालन और विदेशी मुद्रा बाजार में प्रबंधन के उपायों को सक्रिय रखे।

आमने

देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली और एक लखनऊ में। जब देश में कोई चर्चा होती है, तो तुरंत वो देश छोड़कर भाग जाते हैं। मुझे लगता है कि आपके 'बबुआ' के साथ भी यही हो रहा है। वह भी फिर जाएंगे इंग्लैंड के सैर-सपाटे पर और आप लोग यहां चिल्लाते रहेंगे।
–योगी आदित्य नाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग आपस में कुछ तो लोक-लाज रखें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातान को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

बांग्लादेश: हादी की हत्या में साजिश का पहलू

डॉ. विकास शुक्ला
लेखक

बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, लेकिन अब इस चुनाव के टलने के आसार भी हैं। इंकलाब मंच के संयोजक और चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का रुख भारत विरोधी था, लेकिन वह अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के लिए भी खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी मौत के पीछे साजिशों की बू आ रही है। उसकी हत्या के पीछे न सिर्फ चुनाव टालने और सत्ता बचाने का खेल हो सकता है, बल्कि भारत विरोधी एजेंडे को भी आगे बढ़ाने की गहरी चाल हो सकती है।

जब भी खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में रही, वहां भारत विरोधियों को न सिर्फ उठने का मौका मिला, बल्कि उन्हें सत्ता का संरक्षण भी मिला। पड़ोस में आतंकियों खासकर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पांव जमाए और भारत में खून-खराबा भी किया, लेकिन आवामी लीग की मुखिया शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद भारत के प्रति वहां माहौल बदल गया था। दोनों देश मिलकर कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था बड़ी ही तेजी से बढ़ रही थी। आतंकी ताकतें खामोश हो गईं थीं। बांग्लादेश की धरती से भारत के विरुद्ध पाकिस्तान द्वारा रची जाने वाली भारत विरोधी साजिशें पूरी तरह बंद हो गईं थीं।

चीन हो या अमेरिका चाहकर भी, वहां पांव नहीं जमा पा रहे थे, लेकिन अब इनके मंसूबे सफल हो रहे हैं, क्योंकि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के नेतृत्व में बांग्लादेश में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा और भारत में शरण लेनी पड़ी। यूनुस सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। बीएनपी नेताओं और आंदोलन कर शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्र नेताओं के भारी दबाव के बाद बड़ी मुश्किल से वे चुनाव कराने को तैयार हुए। घोषणा के बाद भी वे कोशिशें कर रहे थे कि चुनाव टल जाए। हादी लगातार उनकी सरकार पर दबाव बना रहा था। सत्ता से हटाने की धमकियां दे रहा था। यूं कहें तो हादी उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। अब उसकी हत्या के बाद बांग्लादेश जल रहा है, तो यह कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव टल जाएंगे। युसूफ का सत्ता में बने रहने का सपना भी साकार होता दिख रहा है। हादी की हत्या के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ भी हो सकता है, क्योंकि भारत विरोधी भावनाओं को भड़कने से उसे काफी लाभ होगा।

आईएसआई अपनी साजिश में फिलहार कामयाब हो चुका है, क्योंकि वहां जो भी आंदोलन होते हैं, उनमें भारत विरोधी नारे लगते हैं। कट्टरपंथी ताकतें, जो शुरू से पाकिस्तान समर्थित और भारत विरोधी रहीं हैं, वहां की सत्ता पर काबिज होना चाहती हैं, इसलिए भी हिंदुओं और भारत के विरुद्ध आग उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। मोहम्मद युनूस तो पूरी तरह से पाकिस्तान के हाथ में खेल रहे हैं। यही वजह है कि भारत के चिकननेक को काटने की धमकी दी जा रही है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर को ही चिकननेक कहते हैं। यह कॉरिडोर 20-22 किलोमीटर चौड़ा है। इसके एक तरफ नेपाल- भूटान और दूसरी तरफ बांग्लादेश है, जो भारत की सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। इस कॉरिडोर से ही असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम तक आवागमन होता है। अगर यह कट जाए, तो पूर्वोत्तर भारत बाकी देश से कट जाएगा। इसे ही काटने की धमकी बार-बार बांग्लादेश की धरती से दी जा रही है, हालांकि भारत ने वहां पर सैन्य तैनाती बढ़ा दी है।

बांग्लादेश के हुक्मरानों को भी पता है कि उनके भी अपने दो चिकन नेक क्षेत्र हैं, जो भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। उनका पहला चिकननेक लगभग 80 किलोमीटर लंबा नॉर्थ बांग्लादेश कॉरिडोर है। यह दक्षिण दिनाजपुर से लेकर दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स तक फैला हुआ है। पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के नेताओं को चेताया था कि इस चिकननेक में किसी भी तरह की रुकावट से पूरे रंगपुर डिवीजन को बांग्लादेश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह अलग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने उनके दूसरे चिकननेक की बात की थी, जो 28 किलोमीटर लंबा चित्तागोंग कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर दक्षिण त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी चित्तागोंग को उनके राजनीतिक राजधानी ढाका से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से छोटा जरूर है, लेकिन इसकी महत्ता बहुत बड़ी है।

बांग्लादेश की सेना हो या वहां के हुक्मरान और नेता सभी को पता है कि वे सिर्फ गीदड़ भभकी दे सकते हैं। अगर उनकी सेना हमले करती है तो बांग्लादेश का नामोनिशान ही मिट जाएगा। यही वजह है कि बांग्लादेश की सेना के प्रमुख ने भारत विरोधी आंदोलन की शुरुआत होते ही स्थिति को संभालना शुरू कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने तो भारतीय सेना प्रमुख से बात कर स्थिति भी स्पष्ट की।

छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी हत्या के पीछे साजिश हो सकती है।

सोशल फोरम

कभी कलकत्ता से लंदन तक चलती थी बस

शुएब गाजी
ब्लॉगर

1957 में शुरू हुई लंदन से कलकत्ता (अब कोलकाता) तक की यह ऐतिहासिक बस सेवा दुनिया के सबसे लंबे बस मार्गों में गिनी जाती थी। इसे Albert Travels द्वारा संचालित किया गया था। यह बस इंग्लैंड से चलकर बेल्जियम और यूरोप के कई देशों से होती हुई यूगोस्लाविया, तुर्की, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान पार करती थी। भारत में प्रवेश के बाद यह नई दिल्ली, आगरा, इलाहाबाद और बनारस होते हुए अंततः कलकत्ता पहुंचती थी। यह मार्ग आगे चलकर 'हिप्पी रूट' के नाम से मशहूर हो गया।

लंदन से कलकत्ता पहुंचने में लगभग 50 दिन लगते थे। कुल दूरी थी करीब 32,669 किलोमीटर। यह सेवा 1976 तक जारी रही। उस समय पूरे सफ़र की क़ीमत थी 145, जिसमें भोजन, यात्रा और ठहरने की व्यवस्था शामिल थी। बस के बैकग्राउंड में खूबसूरत डोलमाबाहस मस्जिद नज़र आती थी, इसमें पढ़ने की सुविधा, हर यात्री के लिए अलग-अलग स्लीपिंग बंक और पंखों से चलने वाले हीटर मौजूद थे।

पूरी तरह सुसज्जित रसोईघर था और बाद के संस्करणों में ऊपरी डेक पर फ़ॉरवर्ड ऑब्ज़र्वेशन लाउंज भी जोड़ा गया। पार्टियों के लिए रेडियो और म्यूज़िक सिस्टम की सुविधा थी। रास्ते में यात्रियों को प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रुकने का समय मिलता था। बनारस के गंगा घाट, आगरा का ताज महल, साल्ज़बर्ग, वियना, इस्तांबुल, काबुल और तेहरान में ख़ास शॉपिंग ब्रेक भी आयोजित किए जाते थे। यह बस सिर्फ़ एक यात्रा नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इतिहास थी।
–फेसबुक वाल से

सामयिकी

इस्लाम में बहस-मुबाहिसा के अर्थ और संस्कृति

कुरआन मजीद के सूरह नहर आयत नंबर 125 में खुदा के वजूद और दीन पर डिबेट करने का हुक्म है। बशर्ते शालीनता, कुशल व्यवहार, सभ्य, मर्यादित और मृदभाषी होकर अपने तर्क रखें। मुसलमानों के रसूल (मोहम्मद साहब) इस तरह की डिबेट करते थे। उनके बाद उनके सहाबी (खलीफा/इमाम) भी यहूदियों इत्यादि के साथ ऐसी डिबेट आयोजित करते थे। मुबाहिला नामक एक डिबेट काफी चर्चित रही है, धार्मिक किताबों में इसका खूब जिक्र है। चौदह सौ साल पहले खुदा के वजूद और दीन के लॉजिक पर दो पैनल्स बैठते थे, और खूब पब्लिक (ऑडियंस) इकट्ठा होती थी। ऐसी ऐतिहासिक बहसों का किताबों में जिक्र है।

चौदह सौ साल बाद आधुनिक डिजिटल युग में खुदा के अस्तित्व पर करोड़ों की ऑडियंस के बीच एक ऐसी डिबेट आजकल खूब चर्चा में है। एक मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनल ने मशहूर गीतकार, लेखक जावेद अख्तर (जो नास्तिक हैं) और खुदा व उसके दीन पर यक़ीन रखने वाले मुफ्ती शमाइल नदवी (आस्तिक) के बीच एक लाइव डिबेट शो आयोजित हुआ, जिसे अब इंटरनेट के माध्यम से करोड़ों लोग देख चुके हैं। इस बहस पर सबकी अपनी अलग-अलग राय है। कोई कह रहा है कि मुफ्ती के तर्कों के आगे जावेद अख्तर धराशाई हो गए, तो कोई कह रहा है कि जावेद अख्तर के आगे मुफ्ती टिक नहीं पाए। आस्तिकों और नास्तिकों के बीच हर दौर में बहसें होती रही हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सनातन धर्म में धार्मिक डिबेट को शास्त्रार्थ नाम दिया गया है। शास्त्रार्थ का चलन तो पौराणिक और वैदिक काल से लेकर त्रेता युग तक रहा है। अब डिजिटल युग में भी आस्तिक और नास्तिक आमने-सामने हैं। जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी की शालीन बहस चर्चा में है। नास्तिक अल्लाह-ईश्वर के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे और आस्तिक अपनी आस्था और विश्वास पर अड़े रहे, परमात्मा के वजूद के तर्क देते रहे, लेकिन कुछ सवाल हजारों वर्षों से जवाब के इंतजार में हैं। मसलन अल्लाह-ईश्वर दयालु व कृपालु है। रहीम और रहमान (रहम करने वाला) है। उसने मनुष्य को मानवता का संदेश दिया है। दया और रहम करने का आदेश दिया है। जियो और जीने के सिद्धांत पर अमल करने की ताकीद की है। दया, करुणा, प्रेम की हिदायत दी है।

पर अल्लाह/ईश्वर, गॉड ने अपनी रचना (कुदरत) में जुल्म को अनिवार्य क्यों रखा है! हिरन और शेर जैसे हजारों ऐसे जीव-जंतु बनाए जो जुल्म और अत्याचार के बिना जी ही नहीं सकते। शेर जिंदा हिरन को मारकर, चीरफाड़ खाता है। शेर जुल्म किए बिना जी ही नहीं सकता। यानी परमात्मा/अल्लाह ने जुल्म को सिस्टम से अनिवार्य रूप से जोड़ा है।

जल, थल वायु हर जगह खुदा की कुदरत का जुल्म बरपा है। बड़ी मछली छोटी मछली को खाएगी ही, बड़ा परिंदा छोटे परिंदे पर जुल्म किए बिना जीवित ही नहीं रह सकता। पशु-पक्षी, जीव-जंतु का वध करने या उन्हें मार के खाने के जुल्म को यदि इंसानों का कानून बंद भी कर दे, तब भी खुदा की कुदरत ये जुल्म जारी रहेगी। तो क्या इंसानों को प्रेम, करुणा और जियो और जीने दो का सिद्धांत सिखाने वाले खुदा के निज़ाम का वजूद ही जुल्म के ताने-बाने से बना है! हो सकता है, इन सवालों के जवाब हों पर इन सवालों के जवाब आजतक किसी आलिम ने नहीं दिए।

ऐसे सवालों के जवाब प्रत्येक धर्म के धार्मिक आलिमों (विद्वानों) को भविष्य में देने होगें!

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

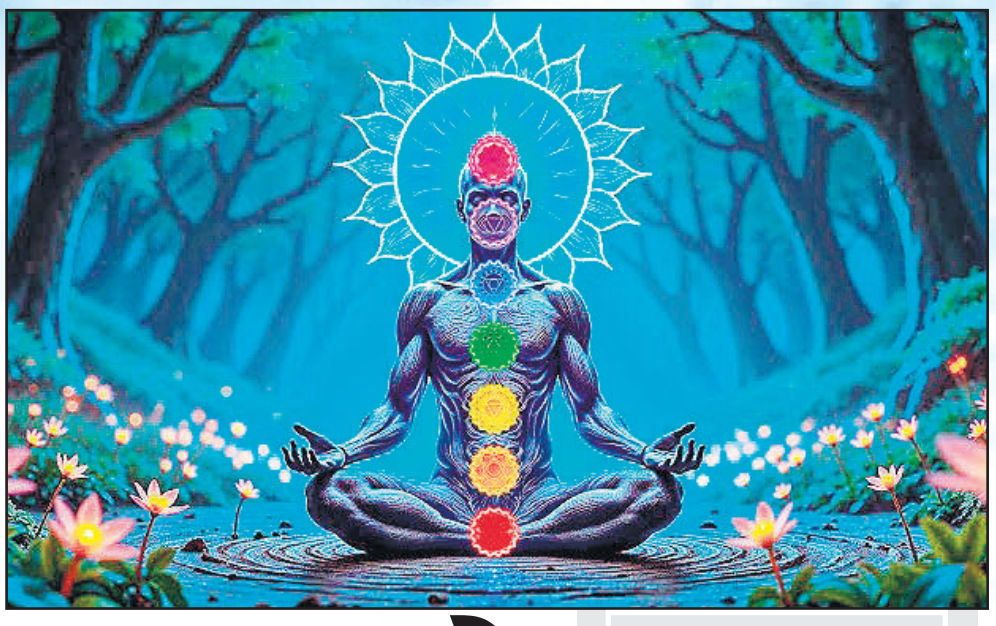

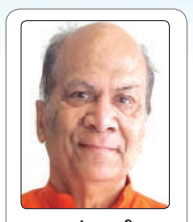

साधन को समझने से पूर्व यदि साधक साधना को समझ ले, तो साधन को समझना सरल हो जाता है। साधना शब्द को इसके मूल स्वरूप में ही समझें। इस भौतिक शरीर को अपने अनुकूल 'साधना' है। इस शरीर में स्थित इंद्रियों को, वासनाओं को साधना है, मन को साधना है। इन्हें किस क्रिया द्वारा साधना है और क्यों साधना है इस प्रश्न का उत्तर साधक को साधन निश्चित करने में सरलता प्रदान करता है। वह सारी क्रियाएं, जिनसे मनसा, वाचा, कर्मणा को साधना है, साधन है। इस साधन का अन्वेषण करने में ही साधकों का अधिकतर जीवन व्यतीत हो जाता है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

साधक को सबसे पहले लक्ष्य निश्चित करना होगा। अब लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है अथवा सिद्धियों की प्राप्ति या भगवद् प्राप्ति? विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण क्यों करता है-ज्ञान के लिए जिज्ञासा के लिए या केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री धारण करने से ज्ञान नहीं मिल सकता। बहुतों के पास ज्ञान है, डिग्री के बिना भी। मोक्ष डिग्री है, भगवद् प्राप्ति ज्ञान है। अध्यात्मिक सुख भगवद् प्राप्ति में मिलेगा। इस शरीर को भगवद् प्राप्ति के लिए तत्पर करना ही साधना की पहली सीढ़ी है। भगवान सच्चिदानंद स्वरूप हैं। अतः साधना पथ का गुरु भी सत्, चित्त एवं आनंद स्वरूप ही होना चाहिए।

साधना : साधक से साध्य तक की यात्रा

साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन नहीं

साधना के लिए वैराग्य धारण करने की आवश्यकता नहीं है। वैराग्य से तप हो सकता है, भजन भी हो सकता है। तप भी एक साधन है, परंतु आज के इस कठिन काल में यह एक बहुत ही कठिन साधन है। वैराग्य में विरह का प्रभाव होता है। वैराग्य में विरह का आधिक्य होता है और प्रेम का अभाव होता है। परंतु भगवद् प्राप्ति के लिए तो प्रेम से भरा हुआ भावुक हृदय होना चाहिए। एक बात और समझनी होगी कि कहीं आपकी साधन का लक्ष्य और संपूर्णता सिद्धि तो नहीं है। यदि ऐसा है, तो समझ लें कि हम गलत मार्ग पर चल रहे हैं। साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन कदापि नहीं है। सिद्धि धोखा है। सिद्धियां तो साधना पथ पर ईश्वर द्वारा फेंके गए अवरोध अथवा टुकड़े हैं। साधना भक्ति से होती है, ज्ञान से नहीं। भक्ति भी निर्मल, प्रेममयी बिना प्रतिकार की इच्छा और स्वार्थ के। ज्ञान से अभिमान तो हो सकता है, भक्ति नहीं। ज्ञान से अभिमान का दोष दूर होता है, परंतु ज्ञान से भक्ति नहीं की जा सकती है। बुद्धि और ज्ञान तो भौतिक सुखों के साधन ढूंढने में लग जाते हैं। साधना में सबसे बड़ा अवरोध है- अभिमान एवं आसक्ति और कुछ हद तक आलस्य भी। आलस्य को तो थोड़ा साधना करके मिटाया जा सकता है, परंतु अभिमान और आसक्ति को हटाना कठिन है और यह साधना पथ की एक क्रिया है। जिस प्रकार सैनिक बिना शस्त्र के अधूरा है, उसी प्रकार साधना बिना साधन के अधूरी है। साधन गुरु बताते हैं, परंतु ध्यान रखें कि साधन भी गुरु ही हैं। गुरु परमात्मा से मिलने का मार्ग बताते हैं, तो साधन भी परमात्मा से मिलने का मार्ग ही है। साधन सीढ़ी है, उस परमेश्वर से मिलने की। जिस प्रकार गुरु का स्थान गोविंद से बड़ा है, उसी प्रकार साधन को भी परमात्मा से बढ़कर मानना चाहिए।

राम बुलावा भेजिया, दिया कबीरा रोय।
जो सुख यहां सत्संग में सो बैकुंठ न होय।।

अपने साधन पर अभिमान न करें

ऐसी सभी क्रियाएं जो भगवद् प्रेम को बढ़ाएं, साधन है। "एहि कलिकाल न साधन दूजा, जोग, यज्ञ, जप, तप, व्रत, पूजा।" यह सभी साधन हैं, परंतु इनमें से पूजा के अतिरिक्त इस युग में अन्य अत्यंत कठिन हैं। पूजा भक्ति का ही दूसरा रूप है। ऐसी सभी क्रियाएं, जो ठाकुर को प्रसन्न करने के लिए की जाती हैं, भक्ति हैं और एक साधन है। भक्ति के लिए सर्वप्रथम श्रद्धा का होना अति आवश्यक है। बिना श्रद्धा के की गई भक्ति से प्रेम उत्पन्न नहीं होगा, जो कि साधक के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी साधन मार्ग ईश्वर के द्वार पार ही मिलते हैं। अपने साधन पर अभिमान न करें। साधन चुन लें और उस पर चल पड़ें, परेशान न हों। रास्ता अपने आप मिलता चला जाएगा। साधना में ज्ञान का अथवा बुद्धि का कोई स्थान नहीं है। केवल प्रेम से भरा हुआ हृदय चाहिए। यहां यह समझ लें कि यह लक्ष्य की प्राप्ति नहीं है- यह प्रारंभ है। यहां से साधना प्रारंभ होगी। ईश्वर का स्मरण होने लगेगा। ईश्वर का स्मरण करना नहीं होगा। वह स्वयमेव ही होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हम साधना पथ पर ठीक चल रहे हैं।

पौराणिक कथा

नारद की दीक्षा और ध्रुव का उत्थान

मनु और शतरूपा के दो पुत्र थे, प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं, सुनीति और सुरुचि। सुनीति से उन्हें ध्रुव और सुरुचि से उत्तम नामक पुत्र प्राप्त हुए। यद्यपि सुनीति बड़ी रानी थीं, फिर भी राजा का विशेष स्नेह सुरुचि के प्रति था। एक दिन बालक ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठकर खेल रहा था। तभी सुरुचि वहां आ पहुंची। सौतन के पुत्र को राजा की गोद में देखकर उसके मन में ईर्ष्या की ज्वाला भड़क उठी। उसने ध्रुव को झपटकर राजा की गोद से उतार दिया और अपने पुत्र उत्तम को बैठा दिया। क्रोध में उसने ध्रुव से कहा- "राजा की गोद और सिंहासन पर बैठने का अधिकार केवल उसी को है, जो मेरी कोख से जन्मा हो। तुम इसके अधिकारी नहीं हो।" सौतेली मां के कठोर शब्दों से पांच वर्ष का ध्रुव व्यथित हो उठा। आंखों में आंसू और हृदय में पीड़ा लिए वह अपनी मां सुनीति के पास पहुंचा और

सारी बात सुनाई। सुनीति ने धैर्यपूर्वक कहा-"पुत्र! यदि राजा का प्रेम हमें नहीं मिला, तो क्या हुआ? भगवान को अपना सहारा बनाओ। वही तुम्हारे सच्चे रक्षक हैं।" माता के वचनों से ध्रुव के मन में वैराग्य और भक्ति का बीज अंकुरित हुआ। वह भगवान की प्राप्ति के दृढ़ संकल्प के साथ राजभवन त्यागकर निकल पड़े। मार्ग में उनकी भेंट देवर्षि नारद से हुई। नारद जी ने बालक को समझाने का प्रयास किया, किंतु ध्रुव अपने निश्चय पर अडिग रहे। उनके दृढ़ संकल्प को देखकर नारद ने उन्हें मंत्र की दीक्षा दी। उधर राजा उत्तानपाद को पुत्र के चले जाने का गहरा पश्चाताप हो रहा था। देवर्षि नारद ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और कहा कि ध्रुव भगवान की कृपा से महान यश प्राप्त करेंगे, जिससे राजा की कीर्ति भी संसार में फैलेगी। ध्रुव यमुना तट पर पहुंचकर नारद से प्राप्त मंत्र द्वारा भगवान नारायण की कठोर तपस्या में लीन हो गए। अनेक कष्टों और बाधाओं के बावजूद उनका संकल्प डिगा नहीं। उनकी तपस्या का तेज तीनों लोकों में फैलने लगा और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' की गूंज वैकुंठ तक पहुंच गई। भगवान नारायण योगनिद्रा से जागे और बालक ध्रुव की भक्ति से प्रसन्न होकर प्रकट हुए। उन्होंने कहा- "वत्स! तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। तुम्हें ऐसा लोक प्रदान करता हूं, जो प्रलय में भी नष्ट नहीं होगा। वह तुम्हारे नाम से ध्रुवलोक कहलाएगा।" भगवान के वरदान से ध्रुव कालांतर में ध्रुव तारा बने- अटल, अमर और भक्ति के शाश्वत प्रतीक।

बोध कथा

अनुशासन का दीप

साल 1926 की बात है। महात्मा गांधी अपने दक्षिण भारत के प्रवास पर थे। उनके साथ उनके घनिष्ठ सहयोगी और श्रेष्ठ चिंतक काकासाहेब कालेलकर भी थे। यात्रा आगे बढ़ते-बढ़ते वे नागर कोइल पहुंचे, जो कन्याकुमारी के बहुत निकट है। पूर्व में इससे पहले की यात्रा में गांधी जी कन्याकुमारी जाकर वहां के प्राकृतिक मनोहर दृश्य देख आए थे। इस बार वे नागर कोइल के एक सरल, बहुत ही सज्जन गृहस्थ के घर ठहरे हुए थे।

गांधीजी ने उस गृहस्वामी को बुलाकर कहा, "मैं काका को कन्याकुमारी भेजना चाहता हूं, कृपया उनके लिए मोटर का प्रबंध कर दीजिए।" गृहस्वामी तुरंत व्यवस्था जुटाने में लग गए। कुछ देर बाद गांधीजी ने देखा कि काकासाहेब अभी भी वहीं बैठे हुए हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ, फिर उन्होंने गृहस्वामी से बुलाकर पूछा कि "काका के कन्याकुमारी जाने के मोटर की व्यवस्था हो गई या अभी बाकी है?"

गांधीजी की यह पूछताछ देखकर काकासाहेब को थोड़ा कौतूहल हुआ, क्योंकि बापू तो किसी को काम सौंप देने के बाद दुबारा पूछने की आदत नहीं रखते थे। वे सहज भाव से बोले, "बापू, आप भी साथ चलेंगे न?" इस प्रश्न पर गांधी जी मुस्कुराए, फिर शांत स्वर में बोले, "नहीं काका, बार-बार जाना मेरे भाग्य में नहीं है। एक बार देख आया, वही काफी है।" बापू का उत्तर सुनकर काकासाहेब कुछ उदास से हो गए। काकसाहेब चाहते थे कि बापू भी कन्याकुमारी के मनोरम और मनोहर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद फिर एक बार उनके साथ उठाएं।

बापू ने उनके मन की अवस्था भांप ली। क्षणभर मौन रहने के बाद वे गंभीर स्वर में बोले, "काका, हम एक विशाल आंदोलन का बोझ अपने कंधों पर लिए चल रहे हैं। हजारों स्वयंसेवक देश सेवा में जुटे हुए हैं। यदि मैं स्वयं रमणीय स्थलों के आकर्षण में पड़ जाऊं, तो वे सब भी यही अनुकरण करेंगे। मेरे लिए संयम ही श्रेयस्कर है। जब राष्ट्र की सेवा का व्रत लिया है, तो अपने व्यक्तिगत सुख-सौंदर्य के लोभ को त्याग देना ही उचित है।"

बापू की बातें सुनकर काकासाहेब के मन का गुबार क्षण भर में दूर हो गया। उन्हें समझ आया कि गांधीजी का जीवन केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए एक आदर्श था, जो स्वतंत्रता के पथ पर चल रहे थे। एक नेता की हर छोटी-बड़ी क्रिया, हर इच्छा और हर त्याग अनगिनत अनुयायियों को दिशा देता है।

इससे हमें यह सीख मिलता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शब्दों से नहीं, बल्कि आचरण से प्रकट होता है। लोभ और आकर्षण हर किसी के जीवन में आते हैं, परंतु जो व्यक्ति बड़े उद्देश्य के लिए स्वयं पर नियंत्रण रख पाता है, वही समाज का वास्तविक मार्गदर्शक बनता है। वास्तव में महानता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, त्याग और दृढ़ संकल्प में निहित है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ धर्म नहीं सत्य है

सनातन शब्द को प्राचीन वैदिक संस्कृति से जोड़कर देखा जाता है, जिसका संबंध भारत भूमि से है। वैदिक संस्कृति भारत की प्राचीन संस्कृति है और आस्था का मुख्य केंद्र भी है, इसी वैदिक संस्कृति के ज्ञान को सत्य ज्ञान कहा गया है, सत्य को ही सनातन कहा गया है 'अर्थात' वैदिक संस्कृति का वह ज्ञान जो संपूर्ण सत्य है, यह सत्य सदा के लिए है और जो सदा के लिए है वही सनातन है, इसीलिए वैदिक धर्म को ही सनातन धर्म भी कहा जाता है, सनातन शब्द का शाब्दिक अर्थ 'सदा से रहा है, सदा के लिए है और सदा ही रहेगा' अर्थात जो सदा ही है कभी न मिटने वाला वह अनंत काल से अनंत काल तक शाश्वत है, वहीं सनातन है'।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

विश्व की सभी संस्कृतियों में अति प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति, से उद्धृत विश्व का सबसे प्राचीन धर्म सनातन धर्म है, जिसे मानने वाले हिन्दू धर्मावलंबी आज भी सनातन धर्मी कहलाते हैं। सनातन शब्द का अर्थ बड़ा ही व्यापक है। पूरे विश्व में मुख्य रूप से आस्तिक और नास्तिक दो विचारधारा हैं। आस्तिक वे हैं, जिनका विश्वास ईश्वर में है, उनमें इस सृष्टि की रचना ईश्वर द्वारा किए जाने की मान्यता है तथा नास्तिक वे हैं, जिनकी मान्यता इस सृष्टि की स्थापना स्वतः से हुई वे ईश्वर को मानने से इंकार करते हैं, वहीं आस्तिक विचारधारा कई धर्मों संप्रदायों की अपनी अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं में विभक्त है, वे इस सृष्टि को बनाने वाले एक ईश्वर में आस्था और विश्वास समान रूप से रखते हैं, लेकिन उनकी आस्था और विश्वास एक दूसरे से भिन्न-भिन्न रहते हैं, परंतु इसके बावजूद भी पूरे विश्व के सभी धर्मों और विचारधाराओं के मूल में सनातन धर्म में उल्लिखित किसी न किसी मत अथवा विश्वास की ही प्रेरणा दिखाई देती है इसीलिए आज भी बहुसंख्य सनातन मतावलंबी सनातन को कभी न समाप्त होने वाले धर्म के रूप में अटूट आस्था रखते हैं तथा सनातन धर्म को साक्षात् ईश्वर द्वारा स्वयं स्थापित मानते हैं।

वर्तमान में जो भी विश्व में संस्कृति या सभ्यताएं हैं। उन सभी धर्मों और सभ्यताओं का इतिहास लगभग 2 से 3000 साल के भीतर का ही है, अगर इन्हें इनके ऐतिहासिक क्रम में देखा जाए, तो आज भी भारतीय प्राचीन संस्कृति और सभ्यता सबसे प्राचीन है। भारत की सनातन संस्कृति ही एक ऐसी संस्कृति है, जिसका कोई एक ग्रंथ नहीं है और कोई एक पैगंबर या ईश्वर का दूत नहीं है। इसके अलावा मुख्य कुछ ग्रंथों महाकाव्यों के अलावा सैकड़ों रचनाएं, पुस्तकें और पांडुलिपियां, जिनमें संपूर्ण सृष्टि की काल गणना से लेकर भूत, वर्तमान और भविष्य की काल गणनाएं वर्णित हैं, जिन्हें धार्मिक कर्म कांडों परंपराओं, जप तप व्रत, त्योहारों, उत्सवों कथा कहानियों स्मृतियों इत्यादि के माध्यम से जन-जन को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित किया गया है, जो पूर्ण रूप से सत्य है तथा उसके मूल में विज्ञान ही है सनातन संस्कृति का ज्ञान पूर्णतः विज्ञान पर आधारित विस्तृत विषय है। सनातन संस्कृति का मुख्य आधार 4 प्रमुख ग्रंथ वेद हैं, वेदों में इस संपूर्ण सृष्टि का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ज्ञान अतुलनीय है। सृष्टि के उदय होने से लेकर उसके विस्मरण के तक का उल्लेख है।

देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है। सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है।

इसके अलावा अन्य सभी ग्रंथ, श्रुतियां, स्मृतियां काव्य, महाकाव्य एवं धार्मिक पुस्तके संपूर्ण सृष्टि एवं मानव सभ्यता के विभिन्न काल खंडों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष घटित घटनाओं का इतिहास बताते हैं और एक आदर्श मानव जीवन को प्रतिष्ठित और संरक्षित करते हैं। ये सभी पूर्णतः वैज्ञानिक और पूर्ण रूप से व्यावहारिक भी हैं। इन नियमों सिद्धांतों पर आज विभिन्न विषय के विद्वान, वैज्ञानिक अपने शोध करके उसके सत्य को सामने लाते रहते हैं, जिन्हें आज विभिन्न संचार के माध्यमों पुस्तकों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में छपे लेखों और सोशल मीडिया प्लेट फार्मों के माध्यमों से हम अवगत होते रहते हैं, सनातन संस्कृति का ज्ञान सत्य ज्ञान है। सनातन संस्कृति कोई संस्कृति या धर्म नहीं, बल्कि सत्य संस्कृति और सत्य धर्म ही है, जो सरल और शाश्वत है, जिस प्रकार सत्य को आप जिस स्थिति से परखेंगे, सत्य वास्तव में सत्य ही रहता है। देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है।

सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है। वह जितना भी प्राचीन हो, आज सनातन को इसीलिए सभी धर्मों, संप्रदायों और परंपराओं की जननी भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह प्राचीन काल से ही सत्य सिद्धांतों पर आधारित है और अनंत काल तक इसके सिद्धांत सत्य ही रहेंगे, क्योंकि यह किसी धर्म सभ्यता और संप्रदाय पंथ के लिए न होकर संपूर्ण मानव के कल्याण एवं उन्हें बिना भेदभाव के सुंदर और व्यवस्थित जीवन जीने के लिए है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,567 .48	26,172 .40
बढ़त	638 .12	206
प्रतिशत में	0 .75	0 .79

सोना 1,38,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,14,500 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8000-8800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7400, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 7800, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 950, बासमती- 5300, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 3200, साबुत चना दाल- 2900, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8200-12100, दाल उड़द- 6400, साबुत मसूर दाल- 3600, मसूर दाल- 3200, उड़द साबुत- 5100, काबुली चना- 8400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1400

किसानों-एमएसएमई के हितों को दिया महत्व

डेयरी, सब्जियों, चीनी, तांबा, एल्युमिनियम पर न्यूजीलैंड को भारत की ओर से नहीं दी जाएगी शुल्क रियायत

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

- हथियार-गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण पर शुल्क रियायत नहीं देना का लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत न्यूजीलैंड के बीच हुए एफटीए की जानकारी देते केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

भारत ने न्यूजीलैंड के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों को प्राथमिकता देते हुए डेयरी, पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, तांबा और एल्युमिनियम जैसे कई संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी शुल्क रियायत नहीं देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने सोमवार को एफटीए वार्ता पूरी होने और तीन महीनों के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर होने की घोषणा की।

इस समझौते के अगले वर्ष लागू हो जाने की उम्मीद है। समझौते के तहत जिन उत्पादों को शुल्क रियायत सूची से बाहर रखा गया है, उनमें डेयरी उत्पाद (दूध, क्रीम, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), सब्जी उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का), चीनी, कृत्रिम शहद तथा पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीव आधारित वसा एवं तेल शामिल हैं। इनके अलावा हथियार और गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और उससे बने उत्पाद और एल्युमिनियम एवं उससे संबंधित वस्तुओं पर भी भारत, न्यूजीलैंड को किसी तरह की शुल्क रियायत नहीं देगा। हालांकि, कुछ कृषि उत्पादों में भारत ने सीमित बाजार पहुंच दी है, लेकिन इसे 'शुल्क दर कोटा' (टीआरक्यू) और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के साथ जोड़ा गया है। इनमें मनुका शहद, सेब, कीवी फल और दवाओं में इस्तेमाल होने वाला एल्ब्यूमिन शामिल हैं। वर्तमान में न्यूजीलैंड के खास उत्पाद मनुका शहद पर 66 प्रतिशत शुल्क लगता है।

समझौते के तहत भारत इस शहद के सालाना 200 टन तक आयात पर रियायत देगा, जिसमें एमआईपी 20 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम तय किया गया है। इस पर पांच साल में 75 प्रतिशत तक शुल्क कटौती की जाएगी। कोटा से अधिक आयात पर एमआईपी 30 डॉलर प्रति किलोग्राम होगा। सेब के मामले में मौजूदा शुल्क 50 प्रतिशत है। पहले वर्ष में 32,500 टन और छठे वर्ष तक 45,000 टन तक सेब आयात पर 25% शुल्क और 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम का एमआईपी लागू होगा।

दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा

भारत ने द्विपक्षीय समझौते के तहत न्यूजीलैंड को अपने दुग्ध क्षेत्र में आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है। दोनों पक्षों ने एफटीए पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। अधिकारी ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र हमारे लिए लक्ष्मण रेखा है। भारत ने सभी समझौतों में बड़ी मात्रा में दुग्ध आयात के लिए दरवाजा खोलने का विरोध किया है। दुग्ध क्षेत्र लंबे समय से वार्ता में सबसे संवेदनशील एवं राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। न्यूजीलैंड सबसे बड़े दुग्ध निर्यातकों में से एक है जबकि भारत लाखों छोटे दुग्ध किसानों का घर है जिनके लिए बाजार संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। 2024-25 में भारत को न्यूजीलैंड के दुग्ध निर्यात का कुल मूल्य मात्र 10 .7 लाख डॉलर था। इसमें दूध व क्रीम (4 लाख डॉलर), प्राकृतिक शहद (3 .2 लाख डॉलर), मोजेरेला चीज (1 .8 लाख डॉलर), मक्खन (90 हजार डॉलर) और स्किम्ड मिल्क ' (80 हजार डॉलर) है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते की मुख्य बातें

- भारत के 100% निर्यात पर शून्य शुल्क वाली बाजार पहुंच। भारत ने 70% श्रेणियों में शुल्क उदारीकरण की पेशकश की है जिसके दायरे में भारत–न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार का 95% हिस्सा आता है।
- यह बाजार पहुंच भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान तथा मोटर वाहन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।
- किसी भी विकसित देश के साथ सबसे तेजी से संपन्न हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, दवा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान एवं कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए वर्ष का शानदार समापन सुनिश्चित करता है।
- 5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य एवं अवकाश वीजा का समर्पित कोटा।
- न्यूजीलैंड ने 15 वर्ष में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा सेब, कीवी फल और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के जरिये कृषि उत्पादकता साझेदारी की स्थापना।
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए शुल्क मुक्त कच्चे माल : लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट एवं कबाड़ (स्क्रैप)।
- आयुष, संस्कृति, मत्स्य पालन, ऑडियो-विजुअल पर्यटन, वानिकी, बागवानी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में सहयोग पर सहमति बनी है।
- शुल्क उदारीकरण के अलावा, मुक्त व्यापार समझौते में बेहतर नियामक सहयोग के माध्यम से गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने के प्रावधान भी शामिल हैं।
- 2024-25 में द्विपक्षीय माल व्यापार 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वस्तुओं व सेवाओं का कुल व्यापार 2024 में 2 .4 अरब डॉलर रहा। इसमें केवल सेवाओं का योगदान 1 .24 अरब डॉलर था।

न्यूजीलैंड को भारत में डेयरी उत्पादन और 100% निर्यात की अनुमति

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत न्यूजीलैंड की कंपनियां भारत में डेयरी का कच्चा माल या सामग्री लाकर उसमें से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बना सकती हैं और फिर उन सभीको पूरी तरह से विदेशों में बेच सकती हैं। गोयल ने कहा कि इस व्यवस्था से भारत को न्यूजीलैंड और अन्य देशों को निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक फास्टट्रैक निवेश प्रक्रिया लागू की जाएगी, जो सिर्फ निर्यात के लिए उत्पाद बनाने वाले निवेश के लिए उपयोग होगी। साथ ही गोयल ने स्पष्ट किया कि डेयरी के लिए भारत ने कभी भी आयात शुल्क में छूट नहीं दी है और भविष्य में भी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। प्रस्तावित एफटीए में डेयरी क्षेत्र पर एक सलाह-पत्र भी जोड़ा गया है, जिसमें दोनों पक्ष समझौते की समीक्षा के दौरान परामर्श कर सकते हैं, लेकिन इसका कोई बाध्यकारी अर्थ नहीं है। गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड इस बात को लेकर चिंतित था कि यदि भारत भविष्य में किसी समतुल्य देश के लिए अपना डेयरी क्षेत्र खोले, तो उसे भी समान लाभ देने पर चर्चा का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि हमने किसी भी एफटीए में किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है। भारत कभी भी अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलने वाला है, इसलिए उस चिंता का कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ एक परामर्श है, कोई प्रतिबद्धता नहीं है। डेयरी भारत के लिए हमेशा ही संवेदनशील और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस वजह से भारत ने किसी भी देश के साथ समझौते में डेयरी क्षेत्र को शामिल नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड का भारत में डेयरी निर्यात केवल 10 .7 लाख डॉलर था।

समझौते से व्यापार को मिलेगी गति : उद्योग

उद्योग जगत ने भारत और न्यूजीलैंड के समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह समझौता घरेलू वस्तुओं विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से आने वाली वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और इसमें 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता शामिल है। इससे पांच वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना पांच अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर सृजित होंगे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता व्यापार उदारीकरण को प्रतिभा आवाजाही, निवेश और उत्पादकता-आधारित सहयोग के साथ जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का समझौता है। यह समझौता नीतिगत निश्चितता प्रदान करता है और विनिर्माण के लिए कच्चे माल कर लागत को कम करता है, जिससे दीर्घकालिक मजबूती की संभावना बनती है।

विदेशी निवेशकों ने दी बाजार को मजबूती

मुंबई, एजेंसी

- फेडरल रिजर्व की दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा रही सकारात्मक

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 638 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निवेश तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा सकारात्मक रहने से बाजार बढ़त में रहा।

सेंसेक्स 638.12 अंक चढ़कर 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 671.97 अंक चढ़ा था। निफ्टी 206 अंक चढ़कर 26,000 अंक के पार 26,172.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सर्वाधिक 3.56% की तेजी रही। इसके अलावा इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस और मारुति लाभ में रहीं। वहीं, एसबीआई 0.6% गिरावट रही। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन भी नुकसान में रहे।

स्मॉलकैप और मिडकैप में भी दिखी मजबूती

बीएसई का स्मॉलकैप 1.12 और मिडकैप 0 .86% मजबूत हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 2,796 के शेयर लाभ में, जबकि 1,514 शेयर नुकसान में रहे। 191 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,830 .89 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 5,722 .89 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .86 प्रतिशत बढ़कर 60 .99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा।

8 बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 1.8%

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर नवंबर में घटकर 1 .8 प्रतिशत रह गई। यह नवंबर 2024 में 5 .8 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली उत्पादन में गिरावट से यह सुस्ती आई है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि इन क्षेत्रों का प्रदर्शन मासिक आधार पर सुधरा है। अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात का उत्पादन घटकर शून्य से नीचे 0 .1 प्रतिशत पर आ गया था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में इन क्षेत्रों का उत्पादन 2 .4 प्रतिशत बढ़ा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4 .4 प्रतिशत रही थी।

राष्ट्रीय

तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट

सीजेआई बोले- अवकाश के दौरान तत्काल हस्तक्षेप वाले मामलों पर विचार के लिए विशेष पीठ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा, जो कारणों की जांच करेगी और तदनुसार मामले को सूचीबद्ध करेगी। प्रधान न्यायाधीश के साथ विशेष अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे।

इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने तीन टिप्पणियां कीं। पीठ ने जैसे ही मामलों की सुनवाई शुरू की तो वकीलों ने तत्काल सुनवाई वाले मामलों का उल्लेख करना शुरू कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिक्र करने के बजाय, रजिस्ट्री को कारण बताएं। कारणों की पड़ताल की जाएगी और यदि वे अत्यावश्यक पाए जाते हैं तो उन्हें संभवतः 26 दिसंबर या 29 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। अवकाश अवधि के दौरान तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मामलों पर समय पर विचार के लिए विशेष पीठ बैठी है। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि वह 22 दिसंबर को अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई के लिए तैयार हैं। यह उच्चतम न्यायालय की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों का पहला दिन है।

प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने संबंधी याचिका दाखिल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर 'चादर' चढ़ाने से रोकने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह मामला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया। पीठ ने कहा कि आज सूचीबद्ध नहीं। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं जितेंद्र सिंह और अन्य की ओर से पेश अधिवक्ता बरुन सिन्हा को रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा। याचिका में कहा गया है कि यह निवेदन किया जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री की ओर से मोइनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर चादर चढ़ाने की प्रथा की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में की थी और यह तब से जारी है और इसका कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। याचिका के अनुसार, ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि मोइनुद्दीन चिश्ती उन विदेशी आक्रमणों से जुड़े थे जिन्होंने दिल्ली और अजमेर पर विजय प्राप्त की और स्थानीय आबादी का बड़े पैमाने पर दमन किया और धर्मांतरण किया, जो भारत की संप्रभुता, गरिमा और सभ्यतागत मूल्यों के बिल्कुल विपरीत थे।

धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर सोमवार को रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि विधायक के रूप में उन्हें अयोग्य करार नहीं दिया जाएगा। मामला 1989-1992 में 30,000 रुपये की वार्षिक आय सीमा वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवासीय योजना से संबंधित है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने कोकाटे की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि स्थगित रहेगी और उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। कोकाटे नासिक जिले की सिन्नार से विधायक हैं। उन्हें इस साल फरवरी में दोषी करार दिए जाने और दो साल की सजा सुनाने के मजिस्ट्रेट के फैसले को नासिक सत्र अदालत ने 16 दिसंबर को बरकरार रखा था।

ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सोनिया, राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से ईडी की उस याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें नेशनल हेराल्ड मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका के साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

नेशनल हेराल्ड

- नोटिस जारी किया, मामले पर 12 मार्च को होगी सुनवाई

निचली अदालत ने कहा था कि इस मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान लेना कानूनी रूप से अस्वीकार्य है क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च 2026 की तारीख तय की। इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर एस चीमा ने गांधी परिवार की ओर से पैरवी की। निचली अदालत ने आदेश में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोग शिकायत (आरोपपत्र के समकक्ष) मान्य नहीं है।

आरयूएएस के दीक्षांत समारोह में दीं 2,095 डिग्री, 107 पदक

बेंगलुरु। रामैया अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएएस) ने सोमवार को आरएमसी सभागार में अपने 10वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को 2,095 डिग्रियां प्रदान कीं। इनमें 50 पीएचडी, 698 स्नातकोत्तर और 1,347 स्नातक डिग्रियां शामिल थीं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन पर मेधावी छात्रों को 107 पदक भी प्रदान किए गए।

रामैया राष्ट्रगान के गायन से समारोह का शुभारंभ होने के बाद भारतीय विज्ञान संस्थान के नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र में डीन प्रो. नवकांत भट ने स्नातक होने वाले छात्रों को 'जेनरेशन जेड' से संबंधित बताते हुए कहा कि दुनिया 21वीं सदी के पहले चौथाई भाग के समापन के करीब है और यह पीढ़ी स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल बैंकिंग और उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ पली-बढ़ी है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए आरयूएएस के कुलपति डॉ. एमआर जयराम ने स्नातकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह डिग्री केवल अकादमिक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि उद्देश्य, महत्वाकांक्षा और असीमित संभावनाओं से भरी सार्थक यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है जो अलग सोचते हैं। आरयूएएस के प्रो-वाइस चांसलर, प्रो. कुलदीप कुमार रैना ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अब तक 11,000 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को डिग्री प्रदान की है और वर्तमान स्नातक इस विरासत में गौरवपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के दबाव को लेकर बीएलओ का विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सीईओ कार्यालय के सामने पुलिस से हुई झड़प, सुरक्षा बल तैनात

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रति झुकाव रखने वाली बीएलओ अधिकार रक्षा समिति से संबद्ध 400 प्रदर्शनकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर काम के दबाव को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा पुलिस से उनकी झड़प भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक पर चढ़ने और सीईओ कार्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ने की कोशिश की। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान प. बंगाल में बीएलओ पर कथित तौर पर काम का दबाव बढ़ने और दिशानिर्देशों में बार-बार होने वाले बदलावों को लेकर प्रदर्शनकारी सीईओ मनोज अग्रवाल को शिकायतें देना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका, जिसके चलते झड़प हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एक महिला प्रदर्शनकारी से पुलिस ने मारपीट की।

अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्रा, अन्य के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र का लिया संज्ञान

नई दिल्ली। लखनऊ में विशेष अदालत ने ईडी द्वारा उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक दंपति विजय मिश्रा और रामलाली मिश्रा तथा तीन अन्य के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस साल 31 जुलाई को दायर अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में धन शोधन रोधी एजेंसी ने मिश्रा दंपति के बेटे विष्णु मिश्रा, उनके द्वारा स्थापित कंपनी वीएसपी स्टारर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और उनके सहयोगी भोलानाथ राजपति शुक्ला का नाम भी शामिल किया है। ईडी ने कहा कि विशेष अदालत ने 18 नवंबर को आरोपों का संज्ञान लिया। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मिश्रा दंपति पर अपने कार्यकाल के दौरान 36.07 करोड़ रुपये की आय से ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम पर भाजपा-कांग्रेस में रार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोनिया बोलीं- मनरेगा पर सरकार ने चलाया बुलडोजर, भाजपा ने इसे राजनीतिक कल्पना की उड़ान दिया करार

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वीबी-जी-राम जी अधिनियम को लेकर किए दावों को राजनीतिक कल्पना की उड़ान करार दिया और आरोप लगाया कि कानून के खिलाफ उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चुनिंदा स्मृति और झूठ पर आधारित हैं। मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) विधेयक रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के साथ अधिनियम बन गया। संसद ने अपने शीतकालीन सत्र के दौरान विधेयक पारित किया।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया गया जो सभी की सुरक्षा करते हैं। द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा की मौत एक सामूहिक विफलता है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि मनरेगा पर सोनिया गांधी का हालिया लेख कानून या आंकड़ों के साथ गंभीर जुड़ाव के बजाय राजनीतिक कल्पना की उड़ान जैसा है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने वीबी-जी राम जी अधिनियम नहीं पढ़ा है, क्योंकि उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चयनात्मक स्मृति और सरासर झूठ पर आधारित हैं।

मनरेगा का खत्म होना सामूहिक विफलता : सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर मनरेगा को डेथ बाई थाउजेंड कट्स स्ट्रैटजी (हजार छोटे-छोटे घाव देकर खत्म करने की रणनीति) से खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी के सर्वोदय के दृष्टिकोण को साकार करने वाली योजना का अंत होना हम सबकी नैतिक विफलता है तथा इसके भयावह असर होंगे। सोनिया ने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए मिलकर संघर्ष करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को विकसित भारत -जी राम जी'' विधेयक को मंजूरी दे दी। साथ ही यह अब अधिनियम बन गया है और इस संबंध में अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है। बीते गुरुवार को यह विधेयक संसद से पारित किया गया था। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ दिन में मोदी सरकार ने चर्चा, परामर्श या संसदीय प्रक्रियाओं तथा केंद्र-राज्य संबंधों के प्रति सम्मान के बिना मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास किया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना तो बानगी भर है। मनरेगा की वह पूरी संरचना, जो उसके प्रभाव के लिए आवश्यक थी, नष्ट कर दी गई है। उन्होंने यह दावा भी किया कि राज्यों की वित्तीय स्थिति, जो पहले से ही गंभीर दबाव और संकट में है, अब और अधिक तबाह हो जाएगी।

मॉस्को में हुए कार बम विस्फोट में रूस के लेफ्टिनेंट जनरल की मौत, यूक्रेन पर शक

● एक साल में वरिष्ठ सेनाधिकारी की हत्या का तीसरा मामला

मॉस्को, एजेंसी

दक्षिणी मॉस्को में सोमवार सुबह एक रूसी जनरल की कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में धमाका हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। यह एक साल में किसी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या का ऐसा तीसरा मामला है।

रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी इंवेस्टीगेटिव कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता इस हत्या के संबंध में कई संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह भी है कि इस अपराध की साजिश यूक्रेन की खुफिया सेवाओं द्वारा रची गई हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या की सूचना तुरंत दे दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी हिस्सा ले चुके थे। महज एक साल पहले सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव की भी उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम में विस्फोट होने से मौत हो गई थी। विस्फोट में उनके एक सहायक की भी मौत हुई थी।

हस्तियों के चेहरों से हट रहा है मुखौटा

जेफरी एपस्टीन मरने के बाद भी दुनिया भर में चर्चा में है और उससे संबंधों की वजह से दुनिया भर की तमाम बड़ी हस्तियों की सांस हलक में फंसी हुई है। एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर था जो नाबालिग लड़कियों की सेक्स ट्रैफिकिंग के वजह से बदनाम है। उसका जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में हुआ था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह निवेश बैंक में शामिल हुआ और 1980 तक वहां पार्टनर बन गया। 1982 में उसने अपनी फर्म शुरू की जो सिर्फ बेहद अमीर ग्राहकों का प्रबंधन करती थी। 2005 में फ्लोरिडा में उसके खिलाफ एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की जांच शुरू हुई, जिसके बाद उसके खिलाफ कई घृणित और हैरतअंगेज खुलासे हुए। हाल ही में अमेरिकी संसद में पारित हुए प्रस्ताव के बाद उसकी फाइलों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिसमें कई बड़ी हस्तियों का काला चिट्ठा मौजूद बताया जा रहा है।

एपस्टीन का काला चिट्ठा

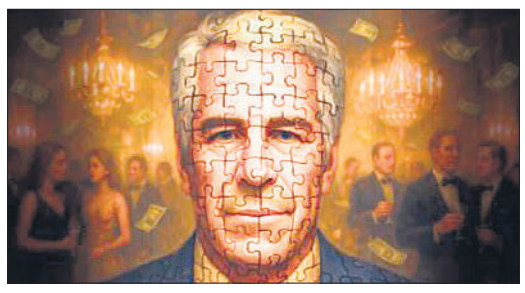

काले कारनामों का खुलासा

- मार्च 2005 में फ्लोरिडा की एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में कई और पीड़ितों का पता चला। एपस्टीन का 2008 में संघीय अभियोजकों के साथ गुप्त समझौता हुआ, जिसके तहत एपस्टीन को मामूली सजा मिली।
- रिपोर्टर जूली के. ब्राउन 2018 में 80 पीड़ितों से बात कर परवर्जन ऑफ जस्टिस नामक एक शृंखला प्रकाशित की। इससे दबाया गया मामला फिर से चर्चा में आ गया।
- ब्राउन की रिपोर्टिंग और पीड़ितों के कानूनी संघर्ष के कारण जुलाई 2019 में एपस्टीन को नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोपों में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ताजा खुलासे : कई हस्तियां बेनकाब

- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कई तस्वीरों में एपस्टीन के घर और निजी विमान में देखे गए हैं। एक हॉट टब में भी वह लड़की के साथ दिख रहे हैं।
- ट्रंप का भी नाम दस्तावेजों में बार-बार आया है, एक फोटो में वे गिस्लेन मैक्सवेल समेत कई के साथ तस्वीर में नजर आ रहे हैं। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू की एक तस्वीर जारी हुई है।
- विश्वप्रसिद्ध अन्य लोगों में बिल गेट्स, एलन मस्क, माइकल जैक्सन, केविन स्पेसी, क्रिस टकर, मिक जैगर, डायना रॉस, नाओमी कैंपबेल के भी नाम सामने आए हैं।

अब भी साजिश का पर्दा

- अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग ने हजारों पन्ने काले कर दिए हैं। इनमें एपस्टीन के अपराधों में शामिल और लोगों के नाम हो सकते हैं। ● जांचकर्ता उस क्लाइंट लिस्टकी तलाश में हैं, जिसमें ऐसे नाम हो सकते हैं जिन्होंने एपस्टीन की सेवा का लाभ उठाया। ● दस्तावेजों के ताजा सेट में कई सहसाजिशकर्ताओं के नाम अभी भी छिपाए गए हैं। पीड़ितों के समूह इन नामों को भी सार्वजनिक करने के लिए दबाव बना रहे हैं। ● अब उम्मीद जताई जा रही है कि आगे जांच में एपस्टीन के वित्तीय नेटवर्क का खुलासा होगा।

रहस्यमय मृत्यु

- 10 अगस्त 2019 को मुकदमे का इंतजार करते हुए एपस्टीन न्यूयॉर्क की एक जेल में मृत पाया गया। इसे आत्महत्या करार दिया गया। ● यह घटना उस समय घटी जब एपस्टीन का काला चेहरा दुनिया के सामने आ चुका था और उसकी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। ● दिसंबर 2025 में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत कई फाइलें व तस्वीरें सार्वजनिक की गई हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आनंद बने स्टारबक्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष

ह्यूस्टन। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने भारतीय मूल के आनंद वरदराजन को अपना नया कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। करीब दो दशकों तक अमेजन में काम कर चुके वरदराजन को दुनियाभर में कॉफीहाउस श्रृंखला के लिए मशहूर इस कंपनी के वैश्विक प्रौद्योगिकी संचालन की कमान सौंपी गई है। वरदराजन 19 जनवरी से पदभार संभालेंगे, कंपनी की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल होंगे ।

अभिनेता जेम्स रैनसन ने की आत्महत्या

लॉस एंजिलिस। एचबीओ टीवी चैनल की प्रसिद्ध श्रृंखला द वायर में जिगी सोबोटका की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जेम्स रैनसन ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। वह 46 वर्ष के थे। लॉस एंजिलिस काउंटी चिकित्सकीय परीक्षक कार्यालय के अनुसार आत्महत्या करने के कारण रैनसन की शुक्रवार को मौत हो गई। रैनसन ने इट : चैप्टर टू, द ब्लैक फोन और ब्लैक फोन 2 जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने पुलिस ड्रामा बॉश और पोकर फेस जैसे टेलीविजन कार्यक्रमों में भी अभिनय किया था।

वेनेजुएला के एक और जहाज को खदेड़ा

मियामी। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को कैरेबियाई सागर में एक और प्रतिबंधित तेल टैंकर जहाज का पीछा किया। इस अभियान से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन ने शनिवार को बताया था कि उसने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार एक टैंकर को जब्त किया है। नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि रविवार को जिस जहाज का पीछा किया गया वह प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाला जहाज था। उनके मुताबिक, वह जहाज फर्जी झंडा लगाए हुए था।

द. कोरिया में विमान हादसे की जांच शुरू

सोल। दक्षिण कोरियाई संसदीय समिति ने पिछले वर्ष दिसंबर में हुए एक यात्री विमान हादसा मामले की सोमवार को जांच शुरू कर दी। नेशनल असेंबली की विशेष जांच समिति ने जेजू एयर के यात्री विमान हादसा मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए अपनी पहली बैठक की। यह विमान पिछले 29 दिसंबर को राजधानी सोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मुआन हवाई अड्डा पर क्रैश हो गया था।

बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली

देश में छात्र नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे प्रमुख नेता थे मोतालेब सिकदर

● बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुई वारदात

ढाका, एजेंसी

कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।

पेशे से चिकित्सक मितु ने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई और जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो बहुत अधिक खून बह रहा था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद ही प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता की गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हादी पर हमले और उसके बाद हुई उसकी मौत को लेकर ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसा फिर से भड़क उठी। सोमवार को खुलना शहर के माजिद सारणी इलाके में सिकदर पर हुए गुप्त हमले के बाद, पुलिस ने कहा कि वे अभी तक हमले के अपराधियों या मकसद के बारे में अनजान हैं।

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में कई राज्यों में प्रदर्शन

कोलकाता। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हुई बर्बर हत्या के विरोध में सोमवार को पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने हत्या में संलिप्त लोगों को कड़ी सजा देने और हिंदुओं पर हमले और अत्याचार बंद किए जाने की मांग की। कोलकाता में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेताओं एवं समर्थकों के साथ बांग्लादेशी उप उच्चायोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली का नेतृत्व किया, जहां लगभग 2,000 लोग एकत्र हुए तथा हत्या की बर्बर घटना की निंदा की और प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मैमनसिंह में 18 दिसंबर की रात दीपू दास की पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले तुरंत बंद हों।

अशांति की आशंका में असम में हाई अलर्ट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति की नई लहर के मद्देनजर राज्य हाई अलर्ट पर है। शर्मा ने यहां कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा हमने देखा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है...बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता में बैठे लोग पूर्वोत्तर भारत को अपने देश में शामिल करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि बांग्लादेश से लोगों ने समय-समय पर असम में प्रवेश किया और राज्य ऐसे लोगों से भरा पड़ा है। हमें सतर्क रहना होगा और उस देश के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्होंने पिछले सप्ताह दावा किया था कि बांग्लादेशी तत्व बार-बार यह कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत को पड़ोसी देश में मिला दिया जाना चाहिए, भारत इस पर चुप नहीं रहेगा।

सीमा पर झड़पों के बाद संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू करेंगे थाईलैंड और कंबोडिया

बैंकॉक,एजेंसी

● आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद बनी सहमति

थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया इस सप्ताह के अंत में अपनी सीमा पर अधिक स्थायी संघर्ष विराम की दिशा में काम करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे।

सिहासक फुआंगकेत्केओ ने साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि प्रगति विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता पर निर्भर करती है, ना कि विवाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने वाली सार्वजनिक घोषणाओं पर। उन्होंने सोमवार को कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि अक्टूबर में किया गया सशस्त्र संघर्ष समझौता जल्दबाजी में किया गया था ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके गवाह बन सकें। उन्होंने कहा कि उसमें सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने के लिए ऐसे पर्याप्त विवरण नहीं थे, जिससे यह समझौता टिकाऊ हो सके। सिहासक ने संकट को समाप्त करने के तरीके तलाशने के लिए आयोजित बैठक के बाद कहा कि हालांकि कंबोडिया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार है, लेकिन बैंकॉक को कभी कोई प्रत्यक्ष प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड का मानना है कि ऐसे बयान मुद्दे का समाधान करने के बजाय अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों वाली सामान्य सीमा समिति बुधवार को एक स्थायी संघर्षविराम की दिशा में विस्तृत उपायों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी। सिहासक ने कहा कि इस बार, आइए विवरणों पर विस्तार से चर्चा करें।

ऑनलाइन वीजा आवेदन लेगा भारत में चीनी दूतावास

बीजिंग। दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए ऑनलाइन वीज़ा आवेदन करने हेतु चीन ऑनलाइन वीजा एप्लिकेशन सिस्टम शुरू किया है। यह जानकारी एक सोशल मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को दी गई। शेनझेन स्थित चीनी ऑनलाइन पोर्टल ग्रेटर बे एरिया के अनुसार, यह प्रक्रिया पहले से आसान है, जिसमें आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से कई कागजी दस्तावेज प्रस्तुत करना पड़ता था। हालांकि, भारत में चीनी दूतावास की अंग्रेजी वेबसाइट पर इसका कोई उल्लेख नहीं था।

मुंबई में अब आवारा कुत्तों को एआई से करेंगे काबू

मुंबई, एजेंसी

● नगर निगम ने कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण के लिए की पहल

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुम्बई में आवारा कुत्तों की आबादी को काबू में रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेगा। इसका उद्देश्य आवारा कुत्तों की सेहत, उसकी गतिविधियों और व्यवहार को बेहतर बनाने के साथ ही लोगों की सुरक्षा को बढ़ाना है।

एआई कुत्तों की पहचान प्रोफाइल बनाने के लिए उनकी तस्वीरें लेगा और टीकाकरण और बंध्याकरण के बाद उन्हें काबू में रखा जा सकेगा। इसी का डेटा सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, मोबाइल एप्लिकेशन और हाथ से ली गई तस्वीरों से इकट्ठा किया जाएगा ताकि उसकी गतिविधियों और व्यवहारों का विश्लेषण किया जा सके और अधिक कुत्तों वाली जगहों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने इस प्रणाली को जानवरों की उपस्थिति की सही पहचान के लिए जरूरी बताया है, जिससे नागरिकों की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी और बंध्याकरण और टीकाकरण की बेहतर योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

अल्बानीज़ को हटाने के लिए तीन लाख हस्ताक्षर

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसंबर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज़ के खिलाफ भीड़ ने नारेबाज़ी की थी।

मोदी के दूत के रूप में आज श्रीलंका पहुंचेंगे जयशंकर

कोलंबो, एजेंसी

● सागर बंधु अभियान के संदर्भ हो रही विदेश मंत्री की यह यात्रा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में मंगलवार को श्रीलंका पहुंचेंगे और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को कहा कि उनकी यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को रेखांकित करती है।

यह यात्रा सागर बंधु अभियान के संदर्भ में हो रही है, जिसे पिछले महीने चक्रवात दित्वा से हुई तबाही से निपटने के लिए शुरू किया गया था। चक्रवात से हुई तबाही के बाद श्रीलंका द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय सहायता अपील पर प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश भारत था। भारत के सागर बंधु अभियान ने व्यापक स्तर पर राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की। सागर बंधु अभियान में भारत ने श्रीलंका को 1,134 टन से अधिक मानवीय सहायता प्रदान की है, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, कपड़े, जल शोधन प्रणाली और 14.5 टन दवाएं शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई सार्थक बातचीत

मियामी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है।

इंडोनेशिया में बस हादसे में 16 की मौत

● गंभीर हालत में 18 लोग अस्पताल में कराए गए भर्ती

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से 16 लोगों की मौत हो गई। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई।

उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी सेंट्रल जावा के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोलवे पर एक घुमावदार मार्ग पर वह पलट गई। बुडियोनो ने कहा कि हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री उछलकर गिर पड़े और बस में फंस गए। दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि 10 अन्य लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पास के दो अस्पतालों में इलाज करा रहे 18 पीड़ितों की हालत गंभीर है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में पीले रंग की एक बस पलटी नजर आ रही है जिसके आसपास राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के कर्मी, पुलिस और राहगीर खड़े दिख रहे हैं। वीडियो में एंबुलेंस हादसे की जगह से घायलों और मृतकों को ले जाती नजर आ रही हैं। सेंट्रल जावा के पुलिस प्रमुख रिबुत हरि विबोवो के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। बस चालक को गंभीर चोटें आईं है लेकिन उपचार के दौरान वह बात कर पा रहा था। विबोवो ने कहा, हम दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 12.12 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

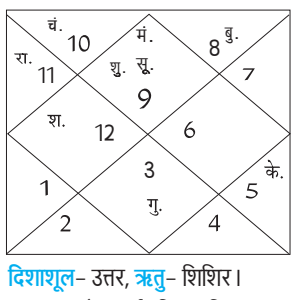

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण पूर्ण रात्रि तक।

मेष - आज लोग आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर में कुछ बदलाव कर सकते हैं। आपके व्यवहार की गंभीरता की प्रशंसा होगी। वैवाहिक जीवन में परस्पर सम्मान की भावना में वृद्धि होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष - आज कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को विशेष महत्व मिलेगा। मनोरंजन संबंधी कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। रुके हुए सरकारी कार्य पूरे हो जाएंगे। बड़े अधिकारी आपसे बहुत प्रसन्न रहने वाले हैं।

मिथुन - आज प्रेम संबंधों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आएगी। कानूनी मामलों में परेशानियां बढ़ सकती हैं। काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिए नए काम की शुरूआत न करें। केवल कही-सुनी बातों पर ही सहसा विश्वास न करें।

कर्क - आज वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह - आज सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप किसी काम को टालते हैं, तो भविष्य में भी उसके टलने की संभावना बढ़ जाएगी। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या - आज समझदारी पूर्वक स्थितियों को संभालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पाएंगे। आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आपको बड़ा लाभ दे सकता है।

तुला - आज व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। लेन-देन में की गई जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुंचा सकती है।

वृश्चिक - आज नौकरीपेशा लोगों का ट्रांसफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यंत सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा।

धनु - आज जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिए। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे।

मकर - आज व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको नए अनुभव मिलेंगे। मित्रों से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे। भाई-बंधुओं के बीच आत्मीयता की भावना बढ़ेगी।

कुंभ - आज अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मीन - आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगाएंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है। आलस्य की वजह से काम में रुकावटें आ सकती हैं।

सुडोकू -10

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		7			8		5	
	8		4	6			7	
6		4			2		3	
	6			1	5			3
4			7	3		8		
	7		6			9		2
	3			8	9		4	
	4		2			3		1

सुडोकू - 9 का हल

7	1	8	4	2	9	5	3	6
4	6	5	8	7	3	2	9	1
9	2	3	1	5	6	7	8	4
6	4	2	3	8	7	9	1	5
5	8	7	6	9	1	3	4	2
3	9	1	5	4	2	6	7	8
8	7	4	9	6	5	1	2	3
1	5	9	2	3	8	4	6	7
2	3	6	7	1	4	8	5	9

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने और कम उम्र में ही कॉम्पिटिटिव हॉकी की जरूरतों को समझने में मदद करती है। मैं सभी हिस्सा लेने वाली अकादमियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार ,23 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष चैंपियनशिप में 14 टीमें लेंगी हिस्सा

सूरत, (गुजरात)। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी में मंगलवार से शुरु हो रही तीसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2025 में देश भर की प्रमुख हॉकी अकादमियों की 14 टीमें हिस्सा लेंगी। यह चैंपियनशिप से 30 दिसंबर तक चलेगी। इसमें शामिल 14 टीमों को चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब, चीमा हॉकी और आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी हैं। पूल बी में नामधारी स्पोर्ट्स, रितु रानी हॉकी और जायंट्स स्पोर्ट्स हैं। पूल सी में एसजीपीसी हॉकी, अश्विनी स्पोर्ट्स, हॉकी फैमिली बड़खालसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात हॉकी एकेडमी शामिल हैं। पूल डी में घुमनहेड़ा राइजर्स, भाई बेहलो हॉकी भगता, राजा करण हॉकी और प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन शामिल हैं।

पिंकाथॉन में रिकॉर्ड 5,300 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

मुंबई। पिंकाथॉन के 10वें सत्र के विभिन्न श्रेणियों में रिकॉर्ड 115 दृष्टिबाधित महिलाओं के साथ 5,300 से अधिक महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह किसी दौड़ स्पर्धा में दृष्टिबाधित महिलाओं की विश्व रिकॉर्ड संख्या है। रविवार को संपन्न इस दो दिवसीय आयोजन में सभी आयु वर्ग के धावकों ने भाग लिया। इस आयोजन में तीन किमी, पांच किमी और 10 किमी की दौड़ शामिल थीं। पिंकाथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमण ने कहा प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या के साथ जो बात इस दौड़ को सबसे अलग बनाती है वह इसमें भाग लेने वाली महिलाओं की विविधता है। दृष्टिबाधित धावकों से लेकर पहली बार भाग लेने वाली और प्रतिस्पर्धी धाविका की मौजूदगी से पिंकाथॉन लगातार यह दर्शाता है कि भारत में महिलाओं की दौड़ किस प्रकार विकसित हो रही है।

श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा भारत

महिला टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 7 बजे से, फील्डिंग पर होगी नजर

विशाखापत्तनम, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत हासिल करने से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम जब श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरेगी तो वह फील्डिंग के स्तर को बेहतर करके अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को केवल छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया था, लेकिन इस बीच उसकी फील्डिंग अपेक्षानुरूप नहीं रही और उसने कुछ कैच छोड़े।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा हम अपनी फील्डिंग पर काम कर रहे हैं। पता नहीं क्यों हम बार-बार कैच छोड़ रहे हैं। मैदान गीला था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगले मैच में हम बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे। विश्व कप की सफलता के बाद भारतीय टीम को छह सप्ताह का ब्रेक मिला। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया था। फील्डिंग में थोड़ी बहुत कमी आना लगभग अपेक्षित था और कप्तान को लगता है कि टीम बहुत जल्द लय में आ जाएगी। हरमनप्रीत ने कहा हम एक महीने बाद खेल रहे हैं। हम खुद को बेवजह चुनौती नहीं देना चाहते।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

विकेट नहीं मिलने से निराश नहीं हूं अपने प्रदर्शन से खुश हूं: वैष्णवी शर्मा

विशाखापत्तनम : भारत की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने कहा कि महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में विकेट नहीं मिलने के बावजूद अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने से उन्हें खुशी हुई। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां खेले गए पहले मैच में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया तथा चार ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारत ने इस मैच में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। वैष्णवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा विकेट नहीं मिलने से मैं किसी भी तरह से निराश नहीं हूं। मुझे खुशी है कि मैं अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने में सफल रही। अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि अपना पहला मैच खेलने से पहले वह थोड़ा नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान सुनने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। वैष्णवी ने कहा शुरू में मैं थोड़ी नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान के बाद सहज हो गई थी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

गिल, अभिषेक और अर्शदीप को पंजाब टीम में मिली जगह

चंडीगढ़। भारतीय टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल, विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 50 ओवर प्रारूप में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीम में शामिल किया गया। यह चयन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में अनिवार्य भागीदारी के निर्देश के अनुरूप है।

गिल को टी20 विश्व कप के लिए घोषित भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभिषेक और अर्शदीप नियमित रूप से भारत के लिए टी20 मैच खेलते हैं। अर्शदीप को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज की टीम में शामिल किया जाता है तो वह और गिल विजय हजारे ट्रॉफी में शुरुआती दो तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। अभिषेक कुछ अधिक मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते है।

पंजाब को ग्रुप सी में प्रबल दावेदार मुंबई के साथ रखा गया है। टीम शुरुआती दो मैचों में महाराष्ट्र (24 दिसंबर) और छत्तीसगढ़ (26 दिसंबर) का सामना करेगी। मुंबई और पंजाब का मुकाबला आठ जनवरी को होगा और उस समय तक मुंबई के रोहित शर्मा और पंजाब के गिल दोनों ही उपलब्ध नहीं होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीमः शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारन, नमन धीर, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जशनप्रीत सिंह, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी और सुखदीप बाजवा।

रोहित शर्मा ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर किया था विचार

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि 2023 में खेले गए वनडे विश्व के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था, क्योंकि उन्हें लगा कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है।

भारत ने घरेलू मैदान पर खेले गए इस वनडे विश्व कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था तथा लगातार नौ मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रोहित ने मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वास्तव में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया। रोहित ने कहा उस हार से हर कोई निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था। रोहित ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। वह अभी 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं और उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

> वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है।
>
> **-रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान**

रोहित ने कहा मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 में वनडे विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए। ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में मिली उस हार के एक साल से भी कम समय बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था, लेकिन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार की पीड़ा से उबरना आसान नहीं था। रोहित ने कहा मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ।

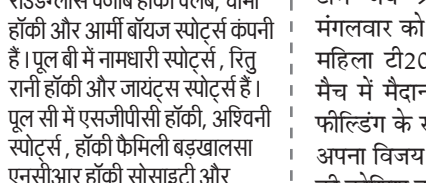

नीरज ने 90 मीटर का जादुई आंकड़ा छुआ

भारतीय एथलेटिक्स का हाल

लेकिन सताता रहा डोपिंग का डंक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फॉर्म में उतार चढ़ाव के बावजूद 90 मीटर तक भाला फेंकने के जादुई आंकड़े को छूने में आखिरकार सफल रहे लेकिन इस बीच वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग का डंक भी डसता रहा। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी।

इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की। लेकिन डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं। अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। भारतीय खेलों के नायक चोपड़ा इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब चोपड़ा ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद चोपड़ा ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए।

चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया।

इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा।

दो विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी की भारत ने

इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में चोपड़ा ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है।

आदिल की जगह गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू चुने गए अध्यक्ष

नई दिल्ली। आदिल सुमारीवाला का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और 2002 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू को उनकी जगह अध्यक्ष चुना गया।

डोपिंग के कारण अयोग्य घोषित एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर

डोपिंग अपराधों के कारण अयोग्य घोषित किए गए एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बना हुआ है। डोपिंग के आरोप में पकड़े गए देश के कुछ शीर्ष एथलीटों में शिवपाल, पुणे हाफ मैराथन के विजेता प्रधान विलास किरुलाकर, फर्राटा धाविका शेखर धनलक्ष्मी और 2014 के एशियाई खेलों की पदक विजेता हैमर थ्रोअर मंजू बाला शामिल हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने दो नाबालिगों पर तीन साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भारतीय जूनियर टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने प्रतियोगिता से इतर किए गए परीक्षणों के दौरान प्रतिबंधित एनाबॉलिक पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी डोपिंग विरोधी एजेंसी द्वारा लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को झेल रहे हैं। रांची में आयोजित एसएएएफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय संजना सिंह और उनके कोच संदीप सिंह को डोपिंग के अपराध के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। यही नहीं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पुनिया को डोपिंग प्रशिक्षण में नाकाम रहने के कारण 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत ने 10 अगस्त को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले के लिए भी बोली लगाई है।

विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा : सूर्यकुमार

मुंबई, एजेंसी

- 7 फरवरी से शुरू होगा टी-20 विश्व कप

टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीज़ें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे।

01 साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117.87 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन

05 मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह 12, 5, 12 और 5 के स्कोर ही बना सके

05 मैच सिर्फ बचे हैं अब टी-20 विश्व कप से पहले कप्तान के खेलने के लिए

2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ़ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में दो बार 0 पर आउट हुए।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस | कोमोरोस को 2-0 से हराया, अयूब अल काबी ने लगाई शानदार बाइसाइकिल किक

मोरक्को ने जीत से किया अभियान का आगाज

रबात (मोरक्को), एजेंसी

अयूब अल काबी के शानदार बाइसाइकिल किक से किये गोल की मदद से मोरक्को ने 35वें 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' में अपने अभियान का आगाज रविवार को यहां कोमोरोस पर 2-0 की जीत के साथ किया।

इस मैच के दौरान मोरक्को के युवराज (क्राउन प्रिंस) मौले हसन भी मौजूद थे। हसन ने मैच शुरू होने से पहले दोनों देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की। विश्व रैंकिंग में 108वें कोमोरोस ने टूर्नामेंट में जीत के प्रबल दावेदारों में से एक रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज टीम को कड़ी टक्कर दी।

कोमोरोस के गोलकीपर यानिक पंडोर ने सोफियान रहीमी के शुरुआती पेनल्टी शॉट को भी बचा लिया। ब्राहिम डियाज ने हालांकि मैच के 55वें मिनट में गोल कर स्टेडियम में बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया।

इसके बाद अल काबी ने 74वें मिनट में 'ओवरहेड किक' से टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इस गोल के बाद युवराज हसन भी अपनी खुशी छिपा नहीं सके और तालियां बजाते हुए टीम का उत्साहवर्धन किया।

बाइसाइकिल किक लगाता मोरक्को का खिलाड़ी। एजेंसी

एस्टन विला ने लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 10वीं जीत है।

फीफा रैंकिंग में भारत 142वें स्थान पर

ज्यूरिख। स्पेन 2025 का अंत फीफा रैंकिंग में शीर्ष पुरुष फुटबॉल टीम के तौर पर करेगा। सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में बहुत कम बदलाव हुए। पिछली रैंकिंग 19 नवंबर को जारी की गई थी। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया का नंबर आता है। स्पेन ने विश्व कप ग्रुप ई क्वालीफाइंग जीता और अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह मेजबानी में होने वाले 2026 टूर्नामेंट में ग्रुप एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और केप वर्डे से भिड़ेगा। भारत इस रैंकिंग में 142वें स्थान पर बना हुआ है। अगली रैंकिंग 19 जनवरी को जारी की जाएगी।